नई दिल्ली
मंगलवार 30 जून 2026
आषाढ मास कृष्ण पक्ष,
प्रतिपदा वर्ष : 30, अंक : 72
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 36
न्यून. 29

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा- हमें दुख है, कष्ट है, हम आहत हुए हैं

राम मंदिर के दोषी जेल में होंगे, न वजीर बचेगा, न राजा : विहिप अध्यक्ष आलोक

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

खास खबर

अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट में वित्तीय अनियमितताओं और दान में हेराफेरी के आरोपों के बाद मचे घमासान के बीच, विश्व हिंदू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने बड़ा और बेबाक बयान दिया। हरिभूमि और आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के साथ सीधे साक्षात्कार में आलोक कुमार ने दो टूक कहा कि संगठन इस मामले में किसी भी स्तर की लीपापोती के पक्ष में नहीं है। चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफे की टाइमिंग से लेकर एफआईआर में सिर्फ 'निचले स्तर के कर्मचारियों' के नाम होने जैसे गंभीर सवालों ▸▸ शेष पेज 5 पर

कृष्ण जन्मभूमि -काशी आंदोलन पर पड़ने वाले असर पर भी दिया जवाब

पेश है साक्षात्कार के प्रमुख अंशः

▸▸ इस पूरे प्रकरण पर आपकी पहली प्रतिक्रिया? जिस आंदोलन में हजारों राम भक्तों ने आपके आह्वान पर कुर्बानियां दी थीं, अपना पसीना बहाया था, अपना लहू बहाया था, वो राम मंदिर इस समय विवादों के केंद्र में है। एक राम भक्त के नाते और विश्व हिंदू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाते, किस अनुभूति से गुजर रहे हैं इस समय आप?

▸▸ हम सब लोगों की अनुभूति एक सी ही है। दुख है, कष्ट है,

▸▸ हम आहत हुए हैं। राम जन्मभूमि में जो चढ़ावा आता है, कानूनन भी वो श्रीराम जी की अकेले की संपत्ति है। उसमें से एक भी रुपया का चोरी होना, ये तो बहुत अनैतिक है, बहुत दुखद है। ये होना नहीं चाहिए था। मैंने देखा कि ये बात जब ट्रस्टियों के ध्यान में आई, उन्होंने कुछ लोगों से जांच करी। जांच में वो पुष्ट हुई, तो पहला काम और तुरंत करने वाला काम ट्रस्ट ने किया कि मुख्यमंत्री जी को कहा, मामला गड़बड़ है। उच्च पदस्थ लोगों की एसआईटी बनाकर के जांच होना चाहिए।

▸▸ आपने बताया कि आहत हैं आप, हर राम भक्त दुखी है। पर जब ये शिकायत सार्वजनिक हुई कि राम मंदिर में श्रद्धालुओं के द्वारा जो भेंट अर्पित की जा रही है, उसमें हेरा-फेरी की जा रही है... तो क्या आप नहीं मानते कि ट्रस्ट ने मामले की संजीदगी को समझने के स्थान पर उसको ढकने, छुपाने की कोशिश की? चंपत राय जी तो 10 या 11 तारीख को टीवी पर अपना स्टेटमेंट दे रहे थे कि कहीं कुछ गलत नहीं है, कहीं कुछ ऐसा पाया नहीं गया है। जबकि यादव, जो उनका ड्राइवर था, उससे राशि बरामद हो चुकी थी उससे पहले ही। क्या आप नहीं मानते हैं कि जिस संजीदगी के साथ इस पर कार्रवाई होनी थी, उसके स्थान पर बदनामी के भय से पहले ढाकने-छुपाने की कोशिश हुई?

▸▸ ढाकने-छुपाने की कोई कोशिश नहीं हुई। केवल तथ्यों को प्राप्त करना और धन को रिकवर करना था। दोनों पद्धतियां हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी अपने दो निर्णयों में कहा है। एसआईटी कुछ तथ्य इकट्ठा कर ले और उसके बाद एफआईआर हो, सुप्रीम कोर्ट ने इस पद्धति को भी ठीक माना है। और उसमें से एक रास्ता चुनना था, उन्होंने चुना। और वह रास्ता कानून सम्मत है।

▸▸ मतलब तुरंत एफआईआर न कराना कोई गंभीर विषय आपको नहीं लगता? आपको लगता है कि एसआईटी ज्यादा बेहतर चरण था और चंपत राय जी जो उससे एक दिन पहले ही सब कुछ ठीक-ठाक होने का दावा किए, तो उसमें भी आपको कुछ गलत नहीं लगता, आलोक जी?

▸▸ कोई निष्क्रियता नहीं थी। कानूनी और ठोस मार्ग चुनना था। केवल पुलिस के ऑफिसर नहीं, जो रेवेन्यू का काम जानते हैं, जिनको इस तरह के इन्वेस्टिगेशन का अनुभव है, ऐसी तीन लोगों की और बहुत वरिष्ठ लोगों की एसआईटी बनाना था। वही किया गया। अगर कोई इसे गलती मानेगा तो मैं कहूंगा कि यह अज्ञान है।

▸▸ तो मैं अपने अगले सवाल पर आता हूं। एक आपने बताया कि एसआईटी की जांच हुई, एसआईटी की जांच में जो तथ्य आए उसमें तुरंत एफआईआर हुई। एफआईआर के बाद में फिर यह हुआ कि निष्पक्ष जांच प्रभावित हो सकती है, तो चंपत राय जी और अनिल मिश्रा जी ने इस्तीफा दे दिया। जितनी देरी इस्तीफे के संदर्भ में हुई, क्या इसे आप नैतिकता के तहत उचित मानते हैं?

▸▸ मैं पहले तो इस बात को नहीं मानता कि विकल्प नहीं रहा। अभी-अभी एक सज्जन अयोध्या गए थे, काफी आग उगली है। पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री हुआ करते थे। शराब घोटाले के आरोप लगे थे। जमानत की अर्जी रद्द हो गई थी, जेल गए। ▸▸ शेष पेज 5 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

उपराज्यपाल सिन्हा ने की प्रथम पूजा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को पवित्र अमरनाथ गुफा में प्रथम पूजा की। इस पारंपरिक वैदिक अनुष्ठान के साथ ही इस वर्ष की वार्षिक श्री अमरनाथ जी यात्रा की औपचारिक शुरुआत हो गई है। उपराज्यपाल ने बाबा बर्फानी से सभी देशवासियों की सुख, समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की।

32 दिन तक वीडियो कॉल पर बंधक रहे मां और बेटे

ग्वालियर । ग्वालियर से साइबर ठगी का एक बेहद सनसनीखेज और हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां शातिर जालसाजों ने एक रिटायर्ड महिला तकनीशियन और उनके बेटे को पूरे 32 दिन तक डिजिटल अरेस्ट करके रखा। खुद को जांच एजेंसियों का बड़ा अफसर बताकर मां-बेटे से 1.57 करोड़ ऐंठ लिए।

आजाद ही रहेगी सोनम रघुवंशी,अपील खारिज

इंदौर । हनीमून मर्डर केस में मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी को मेघालय हाईकोर्ट से राहत मिली है। हाईकोर्ट ने शिलांग की निचली अदालत द्वारा दी गई जमानत को बरकरार रखा है। इसके साथ ही कोर्ट ने जमानत रद्द करने की मांग वाली राज्य सरकार की याचिका को खारिज कर दिया। हाईकोर्ट ने 10 जून को मामले की सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रख लिया था।

पाकिस्तान संग संबंधों को लेकर भारत के रुख में कोई तब्दीली नहीं

बिना सरकारी भागीदारी के दुनियाभर में होते दर्जनों निजी कार्यक्रम- 'मूल्यहीन': मिस्त्री

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

जब तक पाकिस्तान भारत के खिलाफ सीमा पार आतंकवाद को जड़ से खत्म नहीं करेगा। तब तक नई दिल्ली के साथ उसके संबंधों में कोई परिवर्तन नहीं आएगा। आतंकवाद और बातचीत कभी भी साथ-साथ नहीं चलेंगे इस तथ्य को विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा के दौरान सेशेल्स की राजधानी विक्टोरिया में पत्रकारों द्वारा पूछे गए एक प्रश्न के जवाब में अपने अंदाज में मजबूती के साथ दोहराया है। उनसे पिछले सप्ताह बैंकॉक में कनाडा के एक संगठन और दूसरा कोलंबो में ब्रिटेन के इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज (आईआईएसएस) द्वारा आयोजित किए गए 'ट्रैक-2 संवाद' में भारत और पाकिस्तान के कुछ वरिष्ठ सेवानिवृत्त अधिकारियों की भागीदारी को लेकर प्रतिक्रिया मांगी गई थी। जवाब में उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भारत, पाकिस्तान के बीच आधिकारिक रूप से कोई ट्रैक-2 वार्ता नहीं चल रही है। दुनिया में दर्जनों जगहों पर दर्जनों बार ऐसे कई तरह के निजी कार्यक्रम होते रहते हैं। जिसमें सरकार की कोई भूमिका या भागीदारी नहीं है। मतलब बिलकुल साफ है कि जिस आयोजन में सरकार की कोई भागीदारी नहीं होती है। वह हमारे लिए महत्वहीन या मूल्यहीन ही कहलाएंगे।

कोलंबो में 'ट्रैक-2 संवाद' में भारत, पाकिस्तान के अधिकारियों की भागीदारी को लेकर विदेश सचिव की दो टूक टिप्पणी

जनरल नरावणे, राम माधव हुए शामिल

ट्रैक-2 संवाद में भारत से पूर्व सेनाप्रमुख जनरल एम.एम नरावणे, इंडिया फाउंडेशन के अध्यक्ष और भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव राम माधव और पूर्व राजनयिक रुचि घनश्याम शामिल हुए। जबकि पाकिस्तान के प्रतिनिधिमंडल में पाक विदेश मंत्रालय के महानिदेशक (दक्षिण एशिया तथा सार्क) सज्जाद हैदर खान, अमेरिका में पाकिस्तान के पूर्व राजदूत रहे शेरी रहमान और सेवानिवृत्त मेजर जनरल इसफंदियार अली खान पटौदी शामिल हुए। सूत्रों ने बताया कि दोनों ▸▸ शेष पेज 5 पर

रिटायर्ड अधिकारियों का पक्ष भारत का नहीं

विदेश सचिव ने यह भी कहा कि श्रीलंका में होने वाले ट्रैक-2 संवाद को लेकर मुझे जानकारी मिली है। मैंने इस संबंध में कुछ मीडिया रिपोर्ट भी देखी हैं। लेकिन मैं यहां एक बात साफ कर देना चाहता हूं कि पूरी दुनिया में अलग-अलग स्थानों पर ऐसे कई तरह के दर्जनों आयोजन होते रहते हैं। जिनमें कई विषय शामिल होते हैं। ऐसे में इस कार्यक्रम में भी कुछ नया और विशेष नहीं है। निजी संस्थाओं द्वारा यह आयोजन होते हैं। जिनमें भारत सरकार का न तो कोई सहयोग है और न ही इनमें हमारी किसी भी तरह की कोई आधिकारिक भागीदारी है। लेकिन देश की तरफ से आयोजन में भाग लेने वाले सेवानिवृत्त राजनयिकों, सैन्य अधिकारियों और सामाजिक संगठनों के सदस्यों को लेकर मैं यह जरूर कह सकता हूं कि कार्यक्रम में उनके द्वारा रखी जाने वाली कोई राय, पक्ष या विचार उनके स्वयं के ही हैं। जिनका भारत सरकार से या देश के आधिकारिक रुख से कोई लेना-देना नहीं है।

ऐसे कार्यक्रमों को हम नहीं देते महत्व

उन्होंने कहा कि उक्त संवाद को लेकर भारत को कोई चिंता नहीं है। मैं पाकिस्तान की सरकार के हवाले से तो कुछ नहीं कह सकता हूं। लेकिन नई दिल्ली की तरफ से यह साफ कर दूं कि ट्रैक-2 संवाद में सरकार की दूर-दूर तक कोई भूमिका नहीं है। यह आयोजन पूरी तरह से निजी है और निजी पक्षों द्वारा ही इसे आयोजित किया गया है। इसके बावजूद यदि हमारे देश का कोई सेवानिवृत्त अधिकारी इसमें शिरकत कर अपनी कोई राय या पक्ष रखता है। तो उसे संबंधित अधिकारी की निजी या व्यक्तिगत राय के रूप में ही देखा जाना चाहिए। मिस्त्री के मुताबिक, इसमें भी कोई दोराय नहीं है कि कोलंबो जाने वाले हमारे देश के सभी पूर्व अधिकारी बेहद सम्मानित हैं। लेकिन कार्यक्रम में प्रदर्शित किए जाने वाले उनके विचार निजी हैं। नई दिल्ली इस तरह के आयोजनों को बहुत अधिक महत्व नहीं देती है। साथ ही यह हमारे लिए कोई मायने भी नहीं रखते हैं।

आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति

गौरतलब है कि पिछले साल 22 अप्रैल को लश्कर-ए-तैयबा के छद्म आतंकी संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) के आतंकवादियों ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 26 निर्दोष लोगों की उनका धर्म पूछकर गोली मारकर हत्या कर दी थी। जिसका बदला भारत ने 7 से 10 मई 2025 तक चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर अभियान के जरिए लिया है। सशस्त्र सेनाओं ने सूबे में पाकिस्तान से लगी अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा (एलओसी) को पार कर कुल 9 ठिकानों में मौजूद कुल 100 से अधिक आतंकवादियों को चंद मिनटों में मौत के घाट उतार दिया था। भारत के इस सटीक हमले से पाकिस्तान के होश उड़ गए थे और उसने पश्चिमी सीमा पर ड्रोन, मिसाइलों से ▸▸ शेष पेज 5 पर

गणेश मंदिर में की पूजा-अर्चना, महात्मा गांधी की प्रतिमा पर दी श्रद्धांजलि

सेशेल्स की स्वतंत्रता की 50वीं वर्षगांठ में शामिल हुए प्रधानमंत्री मोदी

संपन्न हुई पीएम की सेशेल्स यात्रा, स्वदेश लौटे

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

बीते 27 जून से जारी अपनी तीन दिवसीय राजकीय यात्रा के दौरान सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेशेल्स की स्वतंत्रता की 50वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित किए गए समारोह में बतौर विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। जिसके लिए राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी ने उन्हें खास तौर पर आमंत्रित किया था। इस वर्ष सेशेल्स अपनी आजादी की स्वर्ण जयंती यानी 50 वीं वर्षगांठ का जश्न मना रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी इस महत्वपूर्ण आयोजन में शामिल होने वाले भारत के पहले प्रधानमंत्री हैं। यह समारोह सेशेल्स की राजधानी विक्टोरिया के यूनिटी स्टेडियम में हुआ था। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि 2026 भारत और सेशेल्स के लिए कई मायनों में बेहद खास है। एक ओर हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में स्थित भारत का यह द्वीपीय देश अपनी स्वतंत्रता की 50वीं वर्षगांठ मना रहा है। तो वहीं, दूसरी ओर इसी दौरान दोनों अपने राजनयिक संबंधों के भी पांच दशक पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। मालूम हो कि वर्ष 1976 में पूर्व ▸▸ शेष पेज 5 पर

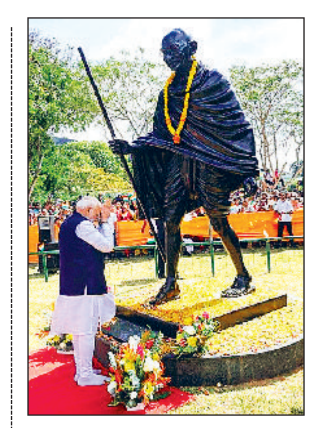

संपन्न हुई पीएम की यात्रा, स्वदेश लौटे

दरअसल 29 जून को पीएम मोदी की सेशेल्स यात्रा का अंतिम दिन था। जिसमें उन्होंने विक्टोरिया में भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात करने के अलावा अरुल मिहु नवशक्ति विनायकर मंदिर में भगवान गणेश की पूजा अर्चना की। इसके बाद विक्टोरिया के ही पीस पार्क में जाकर पीएम ने राष्ट्रपति महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। प्रवासियों से मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री ने उनसे बातचीत भी की। सभी कार्यक्रमों में शामिल होने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी की सेशेल्स की यह यात्रा समाप्त हुई और वह स्वदेश रवाना हो गए। इसके पूर्व में हवाई अड्डे पर बड़ी तादाद में हाथों में तिरंगा लिए पहुंचे भारतीयों ने उन्हें शानदार अंदाज में विदाई दी। पीएम ने सभी लोगों से हाथ मिलाकर और उनके द्वारा दिए गए इस सम्मान के प्रति आभार जताया।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला: सुप्रीम कोर्ट ने त्वरित सुनवाई से किया इनकार

सुप्रीम कोर्ट बोला-आसमान नहीं टूट पड़ेगा, इतनी क्या 'जल्दी' है?

फैजाबाद बार एसोसिएशन ने आरोपियों का केस लड़ने वाले वकील पर 5 लाख जुर्माने का किया ऐलान

एजेंसी ▸▸ अयोध्या/नई दिल्ली

राम मंदिर में चढ़ावे और दान के पैसों में कथित चोरी व वित्तीय अनियमितताओं का मामला अब सुप्रीम कोर्ट से लेकर स्थानीय बार एसोसिएशन तक गरमा गया है। सोमवार को इस मामले में कई बड़े घटनाक्रम सामने आए हैं, जिसमें सुप्रीम कोर्ट का त्वरित सुनवाई से इनकार, आरोपियों की न्यायिक हिरासत का बढ़ना और स्थानीय वकीलों का कड़ा रुख शामिल है। सुप्रीम कोर्ट ने राम मंदिर चढ़ावे में चोरी मामले की निष्पक्ष और समयबद्ध सीबीआई या बहु-विषयक एसआईटी जांच की मांग वाली याचिका पर तुरंत सुनवाई करने से साफ मना कर दिया है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस शील नागू की पीठ ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि आसमान नहीं टूट पड़ेगा... इतनी क्या जल्दी है? अदालत ने कहा कि इस मामले को ग्रीष्मकालीन ▸▸ शेष पेज 5 पर

चंपत राय

6 जुलाई को होगी राम मंदिर ट्रस्ट की अहम बैठक, पुनर्गठन पर लग सकती है मुहर

हरिभूमि न्यूज,अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की महत्वपूर्ण बैठक 6 जुलाई को अयोध्या में आयोजित होगी। इस बैठक में ट्रस्ट के पुनर्गठन को लेकर अहम फैसला लिए जाने की संभावना है। साथ ही ट्रस्ट के वरिष्ठ पदाधिकारियों चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफों पर भी अंतिम निर्णय लिया जा सकता है। हाल के घटनाक्रमों के बाद यह बैठक काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। उधर, राम मंदिर चढ़ावा चोरी के बहुचर्चित मामले में भी सोमवार को अदालत में सुनवाई हुई। सभी आरोपियों की पेशी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम ▸▸ शेष पेज 5 पर

सरकारी सूत्रों ने सोमवार को दोनों के नामों की पुष्टि करते हुए दी यह जानकारी।

खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होंगे पबित्रा मार्गेरिटा और रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल हसनैन

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए भारत अपना एक दो सदस्यीय उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भेज रहा है। जिसमें सरकार के प्रतिनिधि के रूप में विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा और बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन शामिल होंगे। दोनों 3 जुलाई को तेहरान रवाना होंगे। यह जानकारी सोमवार को सरकारी सूत्रों ने दी है। वहीं, लेफ्टिनेंट जनरल हसनैन की तरफ से भी इस तथ्य की पुष्टि प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा उन्हें भेजे गए एक पत्र का उल्लेख करते हुए की गई है। राज्यपाल के सचिवालय के एक अधिकारी के मुताबिक, पीएमओ में उप-सचिव डॉ.विपिन कुमार के हस्ताक्षर से बिहार लोक भवन को एक पत्र मिला है। 4 जुलाई को अंतिम संस्कार कार्यक्रमों की शुरुआत ईरान की राजधानी तेहरान से होगी। जिसमें सबसे पहले खामेनेई की पार्थिव देह को ग्रैंड मोसल्ला कॉम्प्लेक्स में रखा जाएगा। फिर तेहरान और कोम जैसे दो शहरों में सार्वजनिक जुलूस निकाले जाएंगे। जबकि इस दौरान इराक के पवित्र शहरों नजफ और कर्बला में ▸▸ शेष पेज 5 पर

पबित्रा मार्गेरिटा | सैयद अता हसनैन

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन तेलंगाना के हनमकोंडा में आदिवासी समाज के नेताओं से हुए रूबरू

मोदी सरकार ने नक्सलवाद पर निर्णायक प्रहार कर जनजातीय क्षेत्रों में सुरक्षा, विकास और विश्वास का नया वातावरण बनाया: नितिन नवीन

- कहा, कांग्रेस ने कभी भी आदिवासी समाज की चिंता नहीं की, केवल और केवल एक परिवार की चिंता की

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को तेलंगाना के हनमकोंडा में आदिवासी नेताओं और समुदाय के नेताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार जनजातीय समाज के सम्मान, अधिकारों और समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने जनजातीय महापुरुषों के योगदान को नमन करते हुए कहा कि सरकार ने जनजातीय विकास का बजट बढ़ाया, पीएम जनमन योजना, एकलव्य मॉडल विद्यालय, जनजातीय संग्रहालय तथा आधारभूत सुविधाओं के विस्तार जैसे अनेक कदम उठाए हैं। नवीन ने नक्सलवाद के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई, सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और तेलंगाना सहित जनजातीय क्षेत्रों के विकास के प्रति भाजपा की प्रतिबद्धता दोहराते हुए विकसित भारत एवं विकसित तेलंगाना का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान मंच पर तेलंगाना भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एन. रामचंद्र राव सहित अन्य ▸▸ शेष पेज 5 पर

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री सी आर पाटिल, मुख्यमंत्री नायब सैनी और भजनलाल शर्मा भी रहे मौजूद

यमुना जल परियोजना के निर्माण और कार्यान्वयन को लेकर हरियाणा सरकार और राजस्थान सरकार के बीच समझौते पर हुए हस्ताक्षर

- इस समझौते से हरियाणा और राजस्थान के लोगों की पानी से जुड़ी लगभग 3 दशक पुरानी समस्या का समाधान हुआ
- बारिश का जो पानी किसी के काम नहीं आता था, इस समझौते के बाद वह पानी लोगों की प्यास बुझाने और बड़े तालाबों में संचयित होकर भूजलस्तर बढ़ाने के काम आएगा

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में सोमवार को यमुना जल परियोजना के निर्माण और कार्यान्वयन के संबंध में हरियाणा सरकार और राजस्थान सरकार के बीच नई दिल्ली में सोमवार को एक महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर हुए। इस अवसर केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री सी आर पाटिल, मुख्यमंत्री नायब सैनी और भजनलाल शर्मा भी रहे मौजूद रहे। इस परियोजना का उद्देश्य पश्चिमी यमुना नहर से भूमिगत पाइपलाइन के ज़रिए राजस्थान के हिस्से का यमुना का पानी पहुँचाना है। इससे राज्य, अपर यमुना बेसिन के इस्तेमाल लायक सतही पानी के बँटवारे पर 1994 के समझौते के तहत मिले पानी का सही तरीके से इस्तेमाल कर पाएगा। इस परियोजना से राजस्थान के सूखे और कम बारिश वाले इलाकों में पीने के पानी की निरंतर आपूर्ति होगी और सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा, जिससे लाखों लोगों को फ़ायदा होगा। यह समझौता केन्द्र सरकार और समझौते में शामिल राज्य सरकारों के एकजुट प्रयासों से परियोजना को समय पर लागू करने की नींव रखने का काम करेगा। अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि इस समझौते से हरियाणा और राजस्थान के लोगों की पानी से जुड़ी लगभग 3 दशक पुरानी समस्या का आज समाधान हो गया है। उन्होंने कहा कि यह समझौता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए सहकारी संघवाद के मंत्र का ▸▸ शेष पेज 5 पर

‘सहकार से समृद्धि - सहकारिता सप्ताह 2026’ का किया शुभारंभ

सहकारिता आत्मनिर्भरता और सामूहिक विकास का सशक्त माध्यमः रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

सहकारिता केवल आर्थिक व्यवस्था नहीं, बल्कि सामाजिक सहभागिता, आत्मनिर्भरता और सामूहिक विकास का सशक्त माध्यम है। केंद्र सरकार में सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के पाँच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित ‘सहकार से समृद्धि - सहकारिता सप्ताह 2026’ के दिल्ली सचिवालय परिसर में भव्य शुभारंभ के अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यह संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा दिए गए ‘सहकार से समृद्धि’ के मंत्र को जन-जन तक पहुँचाने के लिए दिल्ली सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सहकारिता सप्ताह के माध्यम से अधिक से अधिक नागरिक सहकारी गतिविधियों से जुड़ेंगे तथा समाज के आर्थिक एवं सामाजिक विकास में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएँगे। इस अवसर पर रेखा गुप्ता ने सहकारिता जागरूकता वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा रंग - बिरंगे गुब्बारे उड़ाकर सप्ताहभर चलने वाले जन-जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में दिल्ली सरकार के सहकारिता मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह, मनजिंदर सिंह सिरसा, आशीष सूद, सहकारिता विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और सहकारी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सहकारिता आंदोलन को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से सहकारिता जागरूकता वैन को दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों के लिए रवाना किया गया। इसके साथ ही दिल्ली सचिवालय परिसर में नुक्कड़ नाटक, जन-जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गई।

विभिन्न प्रकार के किए जाएगें आयोजन

मंत्री रविंद्र ने कहा कि सहकारिता सप्ताह के दौरान दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में जन-जागरूकता अभियान, सहकारिता जागरूकता वैन, वृक्षारोपण अभियान, सेमिनार, पैनल चर्चा, ऑनलाइन एवं ऑफलाइन क्विज़ प्रतियोगिताएँ तथा अनेक जनसहभागिता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान के अंतर्गत लगभग 10 हजार पौधों के रोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। साथ ही सहकारी संस्थाओं, विशेषज्ञों एवं नागरिकों की सहभागिता से सहकारिता को और अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से व्यापक संवाद भी आयोजित किए जाएंगे।

अभियान को जन-आंदोलन बनाने में अपना योगदान दें

मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने कहा कि सहकारिता केवल आर्थिक विकास का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, पारदर्शिता, सामूहिक उत्तरदायित्व और आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव है। हमारा प्रयास है कि अधिक से अधिक नागरिक सहकारिता से जुड़ें और उसके माध्यम से अपने आर्थिक एवं सामाजिक विकास को नई दिशा दें। रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने दिल्लीवासियों से आह्वान किया कि वे सहकारिता सप्ताह के सभी कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी करें तथा ‘सहकार से समृद्धि’ के इस राष्ट्रीय अभियान को जन-आंदोलन बनाने में अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि सभी के सामूहिक प्रयासों से ही विकसित दिल्ली और विकसित भारत 2047 का संकल्प साकार होगा।

समापन 6 जुलाई को आयोजित भव्य समारोह के साथ होगा

सहकारिता सप्ताह के दौरान दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के माध्यम से नागरिकों को सहकारी संस्थाओं की भूमिका, उपलब्ध सेवाओं, डिजिटल सहकारिता, पर्यावरण संरक्षण तथा सामुदायिक सहभागिता के प्रति जागरूक किया जाएगा। सप्ताह का समापन 6 जुलाई, 2026 को आयोजित भव्य समारोह के साथ होगा, जिसमें उत्कृष्ट कार्य करने वाली सहकारी संस्थाओं, विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं तथा सहकारिता क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया जाएगा।

26 लाख रुपये की ऑनलाइन बैंकिंग धोखाधड़ी मामले में 10 लोग गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने झारखंड के जामताड़ा और देवघर इलाकों और दिल्ली-एनसीआर से चल रहे एक अंतर-राज्यीय साइबर धोखाधड़ी गिरोह के 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपी 26 लाख रुपये से ज़्यादा की ऑनलाइन बैंकिंग धोखाधड़ी में कथित तौर पर शामिल हैं। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, आरोपी 'एपीके' फाइल समेत कई तरीकों से साइबर ठगी को अंजाम देते थे।

पुलिस ने कहा कि जालसाज़ बैंक अधिकारी या अन्य सेवा प्रदाता कंपनी के अधिकारी बनकर पीड़ितों को फोन करते और 'मैसेजिंग ऐप' के जरिए 'एपीके' फाइल भेजकर इन्हें मोबाइल में डाउनलोड करने के लिए राजी करते। दक्षिण पश्चिम दिल्ली पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) अमित गोयल ने कहा कि एपीके फाइल को डाउनलोड करने के बाद आरोपी पीड़ित का फोन हैक कर लेते जिसके बैंकिंग संबंधी जानकारी हासिल कर ओटीपी के माध्यम से उसके खाते से पैसे स्थानांतरित कर लिया करते थे। उन्होंने बताया कि झारखंड के जामताड़ा, देवघर और हजारीबाग में लगातार चलाए गए अभियान के दौरान ये गिरफ्तारियां की गईं। ये गिरफ्तारियां वित्तीय लेन-देन और डिजिटल सबूतों के तकनीकी विश्लेषण के बाद की गईं। पुलिस ने बताया कि इस गिरोह ने वरिष्ठ नागरिक कार्ड बनवाने में मदद करने के बहाने एक बुज़ुर्ग से 18.5 लाख रुपये की धोखाधड़ी की। पीड़ित को एपीके फाइल डाउनलोड करने के लिए राजी किया गया, जिसके बाद अनधिकृत रूप से उनके बैंक खाते से पैसे स्थानांतरित कर लिए गए। इस मामले में जामताड़ा में गिरोह के कथित सरगना मंजूर आलम समेत छह आरोपियों को गिरफ़्तार किया गया। पुलिस ने ठगी के पैसे से खरीदी गई एक एसयूवी, छह मोबाइल फ़ोन और डिजिटल सबूत भी बरामद किए। पुलिस ने हज़ारीबाग से रवींद्र कुमार मंडल, देवघर से रामविजय कुमार दास और अंकित कुमार व गोलू कुमार को गिरफ़्तार किया है। इन पर क्रेडिट कार्ड की केवाईसी के नाम पर, एम-परिवहन पर फर्जी चालान का झांसा देकर, एपीके के जरिए धोखाधाड़ी और बीएसईएस का अधिकारी बनकर धोखाधड़ी करने का आरोप है। जांच के दौरान पुलिस ने कुल 14 मोबाइल फोन, एक लैपटॉप और अन्य डिजिटल सबूत बरामद किए।

पुलिस के अनुसार, यह लोग कई राज्यों में लोगों को निशाना बनाने के लिए गिरोह चला रहे थे जिसमें ये सिम कार्ड, मोबाइल फोन, 'म्यूल' (कमीशन पर मिलने वाले) बैंक खाते, यूपीआई आईडी और इंटरनेट कनेक्टिविटी का इस्तेमाल करते थे। पुलिस ने बताया कि अब तक दक्षिण पश्चिम ज़िले में दर्ज साइबर धोखाधड़ी के चार मामलों को सुलझा लिया गया है, जबकि गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने की कोशिशें जारी हैं।

पॉक्सो कोर्ट ने 5 दिन में आरोपी को दी थी जमानत, मां की याचिका पर हाईकोर्ट ने पलटा फैसलाः भारद्वाज

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने सोमवार को कोर्ट के उस फैसले का स्वागत किया है जिसमें 3 साल की बच्ची से हुए रेप में पॉक्सो कोर्ट ने 5 दिन में आरोपी को दी जमानत को पीड़ित की मां की याचिका पर हाईकोर्ट ने आरोपी की जमानत रद्द कर दी है। इस मामले पर भारद्वाज ने कहा कि इस मुद्दे को आप पार्टी ने उठाया था और बच्ची की मां ने संघर्ष किया था। जिसके चलते डीसीपी और एसएचओ का तबादला हुआ था। जब पहली बार पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया था, तब उसकी कस्टडी भी नहीं मांगी थी। लेकिन अब इसी मामले में हाईकोर्ट ने बच्ची से दुष्कर्म के आरोपी की जमानत रद्द कर दी है।

केंद्रीय मंत्री आज करेंगे ‘आशुतोष मुखर्जी के संकलित भाषण’ का लोकार्पण

नई दिल्ली। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा, डॉ. आशुतोष मुखर्जी (1864-1924) की 162वीं जयंती के अवसर पर दिल्ली विधान सभा द्वारा प्रकाशित विशेष स्मारक ग्रंथ “बंगाल टाइगर आशुतोष मुखर्जी के संकलित भाषण” का आज मंगलवार को आयोजित एक समारोह में लोकार्पण करेंगे। यह कार्यक्रम दिल्ली विधान सभा सदन में आयोजित होगा, जिसकी अध्यक्षता दिल्ली विधान सभा के अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता करेंगे।

सागरपुर में लूट के प्रयास में व्यक्ति की चाकू मारकर हत्या, दो नाबालिग पकड़े

एजेंसी, नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम दिल्ली के सागरपुर इलाके में 45 वर्षीय व्यक्ति की एक नाबालिग ने इसलिए कथित रूप से चाकू घोंपकर हत्या कर दी, क्योंकि लूटपाट के दौरान उसके पास से कुछ भी कीमती सामान नहीं मिला। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले में दो नाबालिगों को पकड़ लिया गया है, जबकि मुख्य संदिग्ध अब भी फरार है। नसीरपुर निवासी सुनील उर्फ पप्पी रविवार की सुबह नसीरपुर रोड पर खून से लथपथ मिला था। सुबह करीब 6.20 बजे सागरपुर थाने को सड़क किनारे एक व्यक्ति के पड़े होने की सूचना दी गई जिसके बाद एक टीम मौके पर पहुंची और सुनील को मृत पाया और उसके सीने पर चाकू से वार किए जाने का घाव था। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया और मौके का फोरेंसिक विशेषज्ञों ने निरीक्षण किया। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत हत्या का मामला दर्ज किया और उसे मामले में तीन किशोरों के कथित तौर पर शामिल होने का पता चला। जांचकर्ताओं ने कहा कि उनमें से एक किशोर ने 27 जून को डाबरी इलाके से एक स्कूटर चुराया था और बाद में 10 और 14 साल की उम्र के दो अन्य लड़के भी उसके शामिल हो गए। नसीरपुर रोड से गुजरते समय मुख्य आरोपी ने कथित तौर पर सुनील को देखा और उसे लूटने का प्रयास किया। जब कोई कीमती सामान उसके पास से नहीं मिला, तो लड़के ने उसके सीने में कथित तौर पर चाकू घोंप दिया और मौके से फरार हो गया।

पत्नी की हत्या करने के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली के कड़कड़डूमा गांव में एक व्यक्ति को अपनी पत्नी की कथित तौर पर चाकू से हमलाकर हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, रविवार को आनंद विहार थाने को सूचना मिली कि कड़कड़डूमा गांव स्थित एक घर में एक महिला का शव खून से लथपथ अवस्था में पड़ा है। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम को उसके शरीर पर चाकू के कई घाव मिले। शाहदरा के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) राजेंद्र प्रसाद मीणा ने बताया कि महिला की पहचान सोनम जोशी (30) के रूप में हुई है जो मूलरूप से उत्तर प्रदेश के लखनऊ की निवासी और नोएडा में घरेलू सहायिका के रूप में काम करती थी। उन्होंने बताया कि हाल में वह अपनी जेठानी के घर रहने आई थी। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि सूचना मिलने के बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, अपराध शाखा और फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की टीम भी मौके पर पहुंची। घटनास्थल का बारीकी से मुआयना कर साक्ष्य एकत्र किए गए और शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया। उन्होंने बताया कि जांच में सामने आया कि महिला की हत्या उसके पति अनुज जोशी (35) ने की थी। मीणा ने बताया कि वारदात के कुछ ही घंटे के भीतर पुलिस ने परिवार के सदस्यों व पड़ोसियों की मदद से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और उसकी निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल चाकू भी बरामद कर लिया गया। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह लखनऊ से दिल्ली बस से आया था और चाकू लखनऊ में ही खरीदा था। रविवार सुबह करीब पौने छह बजे वह कड़कड़डूमा गांव स्थित घर पहुंचा और उस कमरे में घुस गया, जहां सोनम सो रही थी। उसने बताया कि इसके बाद आरोपी ने कथित तौर पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि लखनऊ में आइसक्रीम की रेहड़ी लगाने वाले अनुज जोशी की पहली शादी ज्योति नामक महिला से हुई थी। ज्योति से तलाक के बाद उसने सोनम जोशी से विवाह किया था। पहली पत्नी से उसके दो और सोनम से तीन बच्चे हैं। सभी बच्चे फिलहाल लखनऊ में रह रहे हैं। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

अस्पताल से भागे विचाराधीन कैदी को हिमाचल से पकड़ा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने जीबी पंत अस्पताल से भागने के 48 घंटे के अंदर 26 वर्षीय विचाराधीन कैदी को पकड़ लिया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी पवन भल्ला को इलाज के लिए रोहिणी जेल से अस्पताल ले जाया गया था और वह 26 जून को शौचालय के रोशनदान से पुलिस हिरासत से भाग गया था। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) आदित्य गौतम ने बताया कि भल्ला ने अपने आप को बीमार करने के लिए 24 जून को रोहिणी केंद्रीय जेल में कोई अज्ञात चीज़ खा ली थी। उसे पहले डॉ. बी.आर. आंबेडकर अस्पताल ले जाया गया और कथित रूप से खून की उल्टी होने पर उसे बेहतर इलाज के लिए जी.बी. पंत अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि 26 जून को शाम 6:45 बजे भल्ला ने शौचालय जाने की इजाज़त मांगी और रोशनदान के रास्ते भाग निकला। उसके साथ मौजूद कर्मचारियों ने फौरन उसकी तलाश की लेकिन वह नहीं मिला। इसके बाद आईपी स्टेट थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। भल्ला को 15 जून को विजय विहार पुलिस ने रोहिणी में लाल फ्लैट्स के पास गश्त के दौरान तब गिरफ्तार किया था, जब उसके पास से कथित तौर पर बटन से चलने वाला प्रतिबंधित चाकू बरामद हुआ था। उस पर सशस्त्र कानून के तहत मामला दर्ज किया गया और एक अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया। उसके फरार होने की घटना को गंभीरता से लेते हुए, अपराध शाखा ने एक विशेष टीम गठित की और तकनीकी निगरानी व खुफिया जानकारी आदि के जरिए उसकी तलाश शुरू की। जांच के दौरान, पुलिस को जानकारी मिली कि भल्ला हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले में है। इस जानकारी के आधार पर, पुलिस की एक टीम ने 28 जून को उसे जितपुर बेहरी से पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान, भल्ला ने पुलिस को कथित तौर पर बताया कि अस्पताल से भागने के बाद वह पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन गया और ऊना जाने वाली ट्रेन में सवार हो गया ताकि राष्ट्रीय राजधानी से दूर पहुंच सके। पुलिस के अनुसार उसने अपने एक पुराने साथी के घर में कथित तौर पर शरण ली और अपनी पहचान छिपाकर एक गोदाम में सामान चढ़ाने-उतारने का काम करने लगा। पुलिस ने बताया कि भल्ला दिल्ली के बुध विहार में रहता है और मूल रूप से हरियाणा के जींद का रहने वाला है। उस पर पहले भी चोरी और सेंधमारी के मामले दर्ज हैं।

सीजेपी प्रदर्शनः दीपके ने की केंद्र सरकार की 'उदासीनता' की आलोचना, वांगचुक का अनशन दूसरे दिन भी जारी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जंतर-मंतर पर सीजेपी का विरोध प्रदर्शन सोमवार को दसवें दिन में प्रवेश कर गया। इस दौरान कॉजपा संस्थापक अभिजीत दीपके ने छात्रों के हालिया आत्महत्या मामलों का उल्लेख करते हुए सरकार की कथित उदासीनता की आलोचना की और उसपर प्रभावित परिवारों से संपर्क नहीं करने का आरोप लगाया। दीपके ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कई पोस्ट में छात्रों—प्रदीप मेघवाल, आकांक्षा चतुर्वेदी, अमायरा कुमार और कहान पटेल—के नाम लेते हुए कहा कि उनके परिवारों को न्याय के लिए भीख मांगने की स्थिति में छोड़ दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के किसी भी प्रतिनिधि ने उनके परिवारों से संपर्क करके बच्चों की मौत पर खेद तक व्यक्त नहीं किया। दीपके ने कहा कि मैं समझ नहीं पा रहा हूं कि सत्ता में बैठे लोग इतने उदासीन और अहंकारी कैसे हो सकते हैं कि उन्हें उन परिवारों से सम्पर्क करने की भी जरूरत महसूस नहीं होती, जिन्होंने अपने बच्चों को खो दिया है। उन्होंने कहा कि आप उनके बच्चों को वापस नहीं ला सकते, लेकिन कम से कम इतना तो कर सकते हैं कि उनके परिवारों से मिलकर खेद व्यक्त करें और माफी मांगें। क्या यह भी बहुत ज्यादा है? दीपके ने गुजरात के नीट अभ्यर्थी कहान पटेल के पिता से अपनी बातचीत का एक वीडियो भी साझा किया। पटेल ने 18 जून को आत्महत्या कर ली थी। उसके पिता केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के समक्ष अपनी चिंता जताने के लिए गुजरात से जंतर-मंतर पहुंचे थे। वीडियो में, पटेल के पिता ने इस बात पर सवाल उठाया कि उनके बेटे को किस तरह पेश किया जा रहा है और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि परिवार चाहता है कि लोग वास्तव में समझें कि वह कौन था। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने भी अपने अनशन के दूसरे दिन लोगों से कॉजपा और लद्दाख से जुड़े मुद्दों पर समर्थन जताते हुए उपवास में शामिल होने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह कॉजपा और लद्दाख के समर्थन में मेरे अनशन का दूसरा दिन है। आप भी हमारे साथ शामिल हो सकते हैं। यदि यहां नहीं आ सकते तो शिक्षा, जवाबदेही और पर्यावरण सुधार के समर्थन में उपवास रखकर एकजुटता दिखाएं। देश को बेहतर बनाने के लिए पूरे भारत के लोगों को साथ आना चाहिए। सोनम वांगचुक ने रविवार को जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की, जो परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर जारी सीजेपी के विरोध प्रदर्शन के समर्थन में है। इस आंदोलन में सरकार से जवाबदेही की मांग की गई है, जिसमें केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग भी शामिल है। सोमवार को मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) महासचिव एम ए बेबी और वरिष्ठ नेता वृंदा करात जंतर-मंतर स्थित प्रदर्शन स्थल पर पहुंचे और आंदोलन के प्रति एकजुटता जतायी। उन्होंने अभिजीत दीपके और सोनम वांगचुक से मुलाकात की। उनके साथ एसएफआई संयुक्त सचिव आइशी घोष सहित स्टूडेंट्स फेडरेशन आफ इंडिया (एसएफआई) के अन्य छात्र नेता भी मौजूद थे। माकपा ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि माकपा महासचिव एम.ए. बेबी और वरिष्ठ नेता वृंदा करात आज जंतर-मंतर पहुंचे। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे, नीट पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था की पूरी तरह से विफलता के लिए जवाबदेही की मांग को लेकर जारी छात्र-युवा आंदोलन के प्रति अपना समर्थन जताया। बेबी और करात ने छात्रों और युवाओं को भरोसा दिलाया कि माकपा न्याय की उनकी लड़ाई में उनके साथ खड़ी रहेगी। कॉजपा का यह प्रदर्शन 20 जून से जारी है और यह परीक्षा प्रणाली में कथित अनियमितताओं पर केंद्रित है। अभिजीत दीपके ने कहा है कि यह आंदोलन केवल शिक्षा तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि चुनावी प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों—जैसे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)—तक भी विस्तारित होगा। इस आंदोलन को छात्रों और नागरिक समाज के सदस्यों का भी समर्थन मिला है।

जंतर-मंतर पर जारी विरोध प्रदर्शन में आईसा से जुड़े छह छात्र मुख्य मंच से अलग एक मंच पर अपना अनशन जारी रखे हुए हैं। इनमें नेहा (आईसा की अखिल भारतीय अध्यक्ष), दानिश (जेएनयूएसयू संयुक्त सचिव), मनीष (आईसा की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष), दीपक (दिल्ली विश्वविद्यालय में आईसा के उपाध्यक्ष), ऋषिकेश (जेएनयू के बराक हॉस्टल अध्यक्ष) और अमीन (एयूडी छात्र परिषद के पूर्व सीसी सदस्य) शामिल हैं।

दिल्ली वालों ने बनाया बिजली जलाने का ऐतिहासिक रिकॉर्ड, पहली बार 8700 मेगावाट खपत हुई दर्ज

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली वालों ने एक दिन में बिजली जलाने के अभी तक सभी पुराने रिकॉर्ड ध्वस्त करते हुए नया ऐतिहासिक 8700 मेगावाट के पार का आंकड़ा दर्ज किया है। स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर (एसएलडीसी) पर दर्ज आंकड़ों के अनुसार सोमवार 29 जून 2026 की दोपहर सवा तीन बजे के लगभग बिजली की अधिकतम खपत 8748 मेगावाट दर्ज हुई। इससे पहले दिल्ली में ऑल सीजन बिजली की डिमांड 19 जून, 2024 को 8,656 मेगावाट का रिकॉर्ड दर्ज किया था। लेकिन गर्मियों के इस सीजन में दिल्ली वालों ने बिजली की मांग का नया रिकॉर्ड 8748 मेगावाट बनाते हुए पुराने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए है। जानकारी अनुसार एसएलडीसी के अनुमानों के अनुसार इस गर्मी में बिजली की पीक डिमांड अभी और बढ़कर 9,000 मेगावाट के आंकड़े को भी पार कर सकती है। क्योंकि सोमवार को 8,748 मेगावाट की रिकॉर्ड पीक डिमांड यह दर्शाती है कि आने वाले दिनों में राजधानी में बिजली की मांग और अधिक बढ़ सकती है, इससे इंकार नहीं किया जा सकता। ऐतिहासिक मांग के बावजूद निजी बिजली कंपनी बीएसईएस व टाटा पावर डीडीए का दावा है कि बिजली आपूर्ति निर्बाध रूप से जारी रही।

बीएसईएस के प्रवक्ता का कहना है कि दिल्ली में बिजली की मांग 8,748 ने इतिहास में अब तक की सबसे ज्यादा मांग दर्ज की है। इस दौरान बीएसईएस की इकाई बीआरपीएल ने अपने क्षेत्र में 3,906 मेगावाट और बीवाईपीएल ने अपने क्षेत्र में 1,876 मेगावाट की पीक डिमांड को सफलतापूर्वक पूरा किया।

टाटा पावर डीडीएल प्रवक्ता का कहना है कि इस ऐतिहासिक बिजली मांग के दौरान कंपनी ने अपने उपभोक्ताओं को निर्बाध आपूर्ति की। कंपनी का कहना है कि 29 जून 2026 को दोपहर 3:15 बजे से 3:30 बजे के बीच हमारे वितरण क्षेत्र में 2,497 मेगावाट की अब तक की सबसे ज़्यादा पीक पावर डिमांड को सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

दिल्ली ट्रांसको लिमिटेड

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

दिल्ली ट्रांसको लि. (राराक्षे दिल्ली सरकार का उपक्रम) निम्नलिखित कार्य के लिए ऑनलाइन निविदा आमंत्रित करता है :

निविदा सं. T25P111924 : टर्नकी आधार पर डीटीएल के विभिन्न 220 केवी सब स्टेशन पर पूर्ण सिविल कार्यों सहित 33 केवी जीआईएस की डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और प्रचालन (आईपी, पार्कस्ट्रीट, वजीरपुर, नारायणा और ओखला)।

निविदा के पूर्ण विवरण के लिए कृपया निम्नलिखित वेबसाइट्स पर पधारें :- https://govtprocurement.delhi.gov.in (निविदा आईडी संख्याः 2026_DTL_294402_1) और **www.dtl.gov.in** के साथ यूनिक नं. DTL-0063-250626. बोली जमा करने की अंतिम तिथि : 14.08.2026 अप. 1.30 बजे।

इस ई-निविदा के सभी शुद्धिपत्र/परिशिष्ट/संशोधन/विस्तार की तिथि/स्पष्टीकरण इत्यादि केवल उपरोक्त वेबसाइट पर प्रदर्शित किए जाएंगे। बोलीदाताओं को स्वयं को अद्यतन रखने के लिए नियमित रूप से वेबसाइट पर पधारना चाहिए।

उत्तर रेलवे

इ–निविदा (इ–प्रोक्यूर्मेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

सं. 128-W/280/इ-निविदा सूचना/32/2026-27/W-3 **दिनांक:25.06.2026**

निम्नलिखित कार्य के लिये वरिष्ठ मंडल अभियंता/III, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल में इ-निविदा आमंत्रण।

1	कार्य का नाम	ADEN/NDLS के अंतर्गत SSE/W/NDLS/Line सेक्शन में स्टाफ क्वार्टर और सर्विस बिल्डिंग के रखरखाव के लिए P.E. 30.06.2027 तक का वार्षिक जोन कार्य।
2	कार्य की अनुमानित लागत (रुपये)	रु. 1,24,91,083.67/- (रुपये एक करोड चौबीस लाख इक्यानवे हजार तिरासी और सड़सठ पैसे मात्र)
3	बयाना राशि (रुपये)	रु. 2,49,800.00/- (रुपये दो लाख उनचास हजार आठ सौ मात्र)
4	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रुपये)	रु. 0.00
5	निविदा बोली प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय	22.07.2026 को 15:00 तक।
6	वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	निविदा **www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर उपलब्ध है।

• ठेकेदारो को ई–टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई–प्रोक्योरमेंट सिस्टम (IREPS) साइट यानी **www.ireps.gov.in** के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए। • सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। • मैनुअल निविदाये स्वीकृत नहीं की जायेगी। • निविदा दस्तावेज और बयाना की लागत केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से स्वीकार्य होगी। 2225/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी शाहनवाज असजद पुत्र** मो. मुस्ताक, **पताः** एबी–406 अमर पुरी, नबी करीम, दिल्ली **FIR No. 280/2022, U/S: 379/411/34 IPC, थानाः कश्मीरी गेट, दिल्ली**, के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **शाहनवाज असजद,** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **शाहनवाज असजद,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **शाहनवाज असजद, FIR No. 280/2022, U/S: 379/411/34 IPC, थानाः कश्मीरी गेट, दिल्ली**, से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **30.07.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री वैभव गर्ग
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–11
केंद्रीय, कमरा नं. 138, केन्द्रीय जिला,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/7671/N/2026
(Court Matter)

सार्वजनिक सूचना

जबकि, ''मेसर्स वुडलॉट इंडस्ट्रीज इंडिया एलएलपी'' के पलवल जिले के सेक्टर–10, गाँव पलवल में 14.43125 एकड़ जमीन पर ''तरंग एलआरजी सिटी'' नाम से एक किफायती रेजिडेंशियल प्लॉटेड कॉलोनी विकसित कर रही है।

जबकि, ''मेसर्स वुडलॉट इंडस्ट्रीज इंडिया एलएलपी'' को हरियाणा रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी, पंचकूला (संक्षेप में ''माननीय प्राधिकरण'') से 14.43125 एकड़ जमीन पर बने प्रोजेक्ट के लिए RERA रजिस्ट्रेशन जारी किया गया है, जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर HRERA-PKL-PWL-922-2026 है और तारीख 24.06.2026 है।

जबकि माननीय प्राधिकारी ने फर्म को निर्देश दिया है कि वह अलॉटीज (आवंटितियों) और आम जनता की जानकारी/संदर्भ के लिए प्रोजेक्ट के बैंक अकाउंट की डिटेल्स पब्लिश करे। इसके तहत फर्म, ''तरंग एलआरजी सिटी'' प्रोजेक्ट के निम्नलिखित बैंक अकाउंट्स की जानकारी देती है।

हैड बैंक खाते	संशोधित खाता संख्या
100% संग्रह खाता	107905003548
70% RERA खाता	107905003549
30% प्रमोटर्स खाता	107905003550

बैंक का नाम : आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड आई एफ एस सी कोड : ICIC0001079
ब्रांच : एससीओ प्लॉट नंबर 43, निर्मल दीप बिल्डिंग, सेक्टर–07, बल्लमगढ़, फरीदाबाद 121006

दिनांक : 30.06.2026
स्थान : फरीदाबाद

वुडलॉट इंडस्ट्रीज इंडिया एलएलपी के अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता
पंजीकृत पताः D2/20, सेक्टर–10,
DLF, फरीदाबाद – 121006

15 हजार करोड़ रुपये का दिल्लीवासियों को मिलेगा लाभ

दिल्ली ईवी नीति-2026 को दी मंजूरी, इलेक्ट्रिक वाहनो को मिलेगा बढ़ावा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली मंत्रिमंडल ने सोमवार को दिल्ली इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति-2026 को मंजूरी प्रदान कर दी है। दिल्ली सचिवालय में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यह जानकारी देते हुए कहा कि यह नीति देश में स्वच्छ एवं सतत परिवहन की दिशा में सबसे महत्वाकांक्षी पहलों में से एक साबित होगी। 1 जुलाई, 2026 से प्रभावी होने वाली इस नीति के माध्यम से इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा मिलेगा, चार्जिंग अवसंरचना का व्यापक विस्तार होगा तथा राष्ट्रीय राजधानी में वाहनों से होने वाले प्रदूषण में उल्लेखनीय कमी आएगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि यह नीति दिल्ली सरकार के उस विज़न का महत्वपूर्ण आधार है, जिसके तहत राजधानी को सतत एवं पर्यावरण-अनुकूल शहरी परिवहन के क्षेत्र में वैश्विक अग्रणी बनाया जाना है। यह नीति 31 मार्च 2030 तक प्रभावी रहेगी तथा इसका उद्देश्य वाहनों से होने वाले प्रदूषण में उल्लेखनीय कमी लाते हुए इलेक्ट्रिक वाहनों को आम नागरिकों के लिए अधिक सुलभ और किफायती बनाना है। इस प्रेसवार्ता में दिल्ली के बिजली मंत्री आशीष सूद, पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह, परिवहन सचिव निहारिका ने इस नीति को लेकर जानकारी दी। सरकार के अनुसार, इस नीति के तहत अगले चार वर्षों में करीब 7 हजार करोड़ रुपये प्रोत्साहन योजनाओं पर खर्च किए जाएंगे, जबकि चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर और अन्य सुविधाओं के विकास पर करीब 8 हजार करोड़ रुपये का निवेश होगा। रोड टैक्स और रजिस्ट्रेशन शुल्क में छूट सहित कुल मिलाकर लगभग 15 हजार करोड़ रुपये का लाभ दिल्लीवासियों को मिलने का अनुमान है। नई नीति के तहत दोपहिया, तिपहिया, चारपहिया, एन-1 श्रेणी के छोटे ट्रक तथा ग्रामीण सेवा वाहनों को शामिल किया गया है। वाहन खरीद पर सब्सिडी, पुराने वाहनों को स्क्रैप करने पर प्रोत्साहन राशि, रोड टैक्स और रजिस्ट्रेशन शुल्क में छूट जैसी कई सुविधाएं दी जाएंगी।

रोड टैक्स एवं पंजीकरण शुल्क में 100 प्रतिशत छूट

मुख्यमंत्री ने बताया कि इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने रोड टैक्स एवं पंजीकरण शुल्क में 100 प्रतिशत छूट देने निर्णय लिया है। इलेक्ट्रिक चारपहिया वाहनों के लिए यह छूट 30 लाख (एक्स-शोरूम) तक की कीमत वाले वाहनों पर उपलब्ध होगी। चार्जिंग अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से नीति के तहत दिल्ली में 30 हजार से अधिक ईवी चार्जिंग प्वाइंट स्थापित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त वाणिज्यिक परिवहन, यात्री परिवहन, माल वाहक वाहनों तथा स्कूल बसों के चरणबद्ध इलेक्ट्रिक फ्लीट का रोडमैप भी तैयार किया गया है। माल परिवहन क्षेत्र से होने वाले उत्सर्जन में कमी लाने के लिए इलेक्ट्रिक ट्रकों हेतु विशेष प्रोत्साहन का भी प्रावधान किया गया है। सभी पात्र लाभार्थियों को प्रोत्साहन राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से प्रदान की जाएगी।

वाहन खरीद और स्क्रैपेज पर आकर्षक प्रोत्साहन

मुख्यमंत्री ने बताया कि इस नीति के अंतर्गत वाहन खरीद प्रोत्साहन हेतु 1,500 करोड़ से अधिक, पुराने वाहनों के स्क्रैपेज प्रोत्साहन हेतु 1,500 करोड़ से अधिक, ईवी चार्जिंग अवसंरचना के विकास हेतु 1,000 करोड़ तथा सड़क कर एवं पंजीकरण शुल्क में छूट के रूप में 3,000 करोड़ से अधिक की राजस्व रियायत का प्रावधान किया गया है। इससे इलेक्ट्रिक वाहनों का प्रयोग नागरिकों के लिए अधिक किफायती होगा। यह नीति पूर्णतः शून्य-उत्सर्जन (ज़ीरो एमिशन) वाले इलेक्ट्रिक वाहनों पर केंद्रित है तथा प्रदूषण नियंत्रण को प्राथमिक उद्देश्य बनाकर तैयार की गई है। नई ईवी पॉलिसी के तहत इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने वालों को पंजीकरण के वर्ष के अनुसार प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन खरीदने पर पहले वर्ष में 30 हजार रुपये तक, दूसरे वर्ष में 20 हजार रुपये तक और तीसरे वर्ष में 10 हजार रुपये तक का प्रोत्साहन मिलेगा। इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहन खरीदने पर पहले वर्ष में 50,000 रुपये तक, दूसरे वर्ष में 30हजार रुपये तक तथा तीसरे वर्ष में 20 हजार रुपये तक की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। वहीं, एन-1 श्रेणी (3.5 टन तक) के इलेक्ट्रिक ट्रक खरीदने पर पहले वर्ष में 1 लाख रुपये तक की सब्सिडी दी जाएगी।

प्रदूषण स्तर में देखने को मिलेगी कमी : सिरसा

पर्यावरण मंत्री सिरसा ने कहा कि यह ईवी नीति प्रदूषण नियंत्रण के उद्देश्य को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। मुझे पूरा विश्वास है कि आने वाले समय में दिल्ली के प्रदूषण स्तर में उल्लेखनीय कमी देखने को मिलेगी और इस लक्ष्य की प्राप्ति में यह नीति महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। साथ ही, इस नीति को दूरदर्शी सोच के साथ तैयार किया गया है।

परिवहन विभाग को सौंपी गई है नोडल विभाग के रूप में जिम्मेदारी: डॉ. पंकज

परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि दिल्ली ईवी नीति 2026 के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी परिवहन विभाग को नोडल विभाग के रूप में सौंपी गई है। यह नीति मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के दूरदर्शी नेतृत्व में तैयार की गई है। उनके मार्गदर्शन में परिवहन विभाग ने वाहन निर्माताओं, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों, विशेषज्ञों तथा अन्य हितधारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श किया।

बिजली की आपूर्ति नहीं बनेगी बाधा : सूद

मंत्रिमंडल के इस निर्णय का स्वागत करते हुए बिजली मंत्री आशीष सूद ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में इस नीति के सभी पक्षों पर गहनता से विचार विमर्श और अध्ययन किया गया है। इस नीति के प्रभावी होने के साथ साथ बिजली की आपूर्ति पर भी पूरा ध्यान संबंधित विभागों का रहेगा और इस नीति के तहत बिजली आपूर्ति की समय समय पर पूर्ति के लिए समीक्षा की जाती रहेगी। बिजली आपूर्ति को लेकर उन्होंने दावा करते हुए कहा कि बिजली की कभी कमी इसमें बाधा नहीं बनेगी।

दिल्ली सरकार की ईवी पॉलिसी अव्यावहारिक, जल्द बाजी में लिया कदम : देवेंद्र

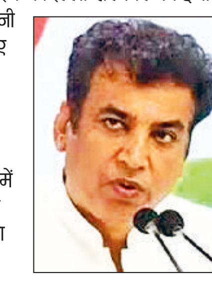

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने दिल्ली सरकार की ईवी पॉलिसी पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि दिल्ली सरकार की ईवी पॉलिसी अव्यावहारिक और जल्दबाजी में लिया गया कदम है। यादव ने कहा कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी 2026 लांच करने से पहले दिल्ली में बढ़ते इलेक्ट्रिक वाहनों को चार्ज करने के लिए चार्जिंग स्टेशन बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए था। बेशक मुख्यमंत्री ने पॉलिसी को लांच करने का उदेश्य जीरो एमीशन व्हीकल को बढ़ावा देकर दिल्ली को प्रदूषण मुक्त एवं स्वच्छ परिवहन वाली राजधानी बनाने का बताया हो, लेकिन दिल्ली की 2.5 करोड़ से अधिक जनसंख्या के अनुपात में क्या दिल्ली में वर्तमान में 4.7 लाख इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए 1900 चार्जिंग स्टेशन पर्याप्त हैं? जबकि 2026 के 5 महीनों में 9471 इलेक्ट्रिक वाहनों का पंजीकरण हुआ है। यादव ने दिल्ली के उपराज्यपाल से अनुरोध किया कि दिल्ली सरकार की इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी 2026 को 1 जुलाई 2026 से आधिकारिक रूप से लागू करने के आदेश देने से पहले दिल्ली के लाखों इलेक्ट्रिक वाहन मालिकों के लिए पर्याप्त चार्जिंग स्टेशन बनाने के लिए भी दिशा निर्देश जारी करे, क्योंकि अभी दिल्ली में मौजूद ईवी के लिए पर्याप्त चार्जिंग स्टेशन नही हैं। यादव ने कहा कि दिल्ली के 1900 चार्जिंग स्टेशनों में अधिकतर चार्जिंग स्टेशन तकनीकी खराबी के कारण बंद रहते है और चार्जिंग स्टेशनों पर लंबी-लंबी लाईने वाहनों को चार्ज कराने के लिए लगी रहती है। सरकार को इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी लागू करने से पहले चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाना चाहिए था।

खबर संक्षेप

नई ईवी पॉलिसी का ऑटो टैक्सी संगठन ने किया विरोध

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की नई ईवी पॉलिसी को लेकर ऑटो टैक्सी संगठन ऑल दिल्ली ऑटो टैक्सी ट्रांसपोर्ट कांग्रेस यूनियन ने पुरजोर विरोध किया है। संगठन के अध्यक्ष किशन वर्मा ने कहा कि संगठन शुरू से ही भाजपा सरकार की नई ईवी पॉलिसी का खुलकर विरोध करता आ रहा है। उन्होंने बताया कि वर्तमान भाजपा सरकार से पूर्व आम आदमी पार्टी की सरकार ने भी 10 अप्रैल 2025 तथा 21 अप्रैल 2026 ईवी पॉलिसी ऑटो टैक्सी चालकों पर थोपने की कोशिश की थी। मगर उस समय भी हमारे संगठन द्वारा पुरजोर विरोध किया गया था। उन्होंने कहा कि ऑटो टैक्सी चालकों के हितों के खिलाफ संगठन कभी चुप नहीं बैठ सकता। वर्मा ने कहा कि हम इस मामले पर मिलकर लड़ाई लड़ेगें।

पूर्व डीपीसीसी अध्यक्ष मीर मुश्ताक अहमद को अर्पित की पुष्पांजलि

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस ने दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष मीर मुश्ताक अहमद की पुण्यतिथि पर सोमवार को प्रदेश कार्यालय में उनको श्रद्धांजलि दी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने उनकी तस्वीर पर फूल चढ़ाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर अन्य मौजूद कांग्रेस नेताओं और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। उल्लेखनीय मीर मुश्ताक अहमद का जन्म 25 अप्रैल 1915 को शिमला में हुआ और 29 जून 2001 को उनका निधन हुआ था।

पूरी प्लानिंग के साथ रेखा सरकार ने 650 करोड़ के स्वास्थ्य घोटाले को दिया अंजाम : सौरभ

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया है कि पूरी सोची-समझी प्लानिंग के साथ रेखा गुप्ता सरकार ने 650 करोड़ के स्वास्थ्य घोटाले को अंजाम दिया है। उन्होंने कहा कि पहले नियमों में बदलाव कर अस्पतालों की बजाए सीपीए को खरीदारी का अधिकार दिया, फिर नियम विरुद्ध डॉ. वत्सला को रेखा गुप्ता सरकार ने डीजीएचएस बनाया। भारद्वाज ने आरोप लगाया कि घोटाले की रकम बढ़ाने के लिए जरूरत से कहीं अधिक सामान की खरीदारी हुई। जिसमें 200 बेड वाले अस्पताल को दबाव डालकर 20 हजार चादरें दी गई। भारद्वाज का आरोप है कि भाजपा के 16 महीने की उपलब्धि के रूप में 650 करोड़ का यह महा घोटाला सामने आया है। इसमें 10 लाख की पोर्टेबल एक्स-रे मशीन 33 लाख में खरीदी, 45 मशीनों के बदले 148 करोड़ का भुगतान किया गया। महज 2.50 रुपए में मिलने वाले ओआरएस के 50 लाख पैकेट को 15 रुपए प्रति पैकेट के हिसाब से खरीदा गया। दिल्ली के अस्पतालों में 15659 बेड हैं, लेकिन इसके लिए 16 लाख 66 हजार 66 बेडशीट खरीदी गई। जेम पोर्टल पर एक बेडशीट 150 रुपए की थी, लेकिन रेखा सरकार ने वही एक बेडशीट 450 रुपए के हिसाब से खरीदी। भारद्वाज का कहना है कि इस महा घोटाले में सरकार के नीचे से लेकर ऊपर तक सब शामिल हैं, लेकिन कार्रवाई केवल छोटे अधिकारियों पर हो रही है। जनता के दवा और इलाज का पैसा चार गुना रफ्तार से भाजपा की चार इंजन सरकार ने लूटा है।

दिल्ली में आज से शुरू हो रही है एसआईआर की प्रक्रिया: सीईओ

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया आज, मंगलवार से शुरू हो रही है और यह प्रक्रिया 29 जुलाई 2026 तक चलेगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) अशोक कुमार ने सोमवार को प्रेसवार्ता में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि 'कोई भी पात्र मतदाता छूटे नहीं और कोई भी अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल न हो।'

उन्होंने बताया कि '30 जून से बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ)' घर-घर जाकर प्रत्येक मतदाता को 'एन्यूमरेशन फॉर्म की दो प्रतियां' उपलब्ध कराएंगे। मतदाताओं को इनमें से एक फॉर्म भरकर बीएलओ को वापस देना होगा और उसकी पावती (रसीद) प्राप्त करनी होगी। फॉर्म में दी गई जानकारी के आधार पर बीएलओ मतदाता का सत्यापन (मैपिंग) करेंगे। सत्यापन सही पाए जाने पर मतदाता का नाम सूची में यथावत रखा जाएगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने दिल्ली के सभी पात्र मतदाताओं से समय पर एन्यूमरेशन फॉर्म भरकर जमा करने की अपील की है, ताकि उनका नाम मतदाता सूची में सुरक्षित बना रहे। वहीं, सीईओ ने बताया कि तोड़फोड़ में जिनका मकान अब जमीन से गायब हो चुका है, उनके लिए सक्षम प्राधिकरण से विचार विमर्श कर निर्णय लिया जाएगा।

29 जुलाई 2026 तक घर-घर जाएंगे बीएलओ

मैपिंग नहीं तो बाहर हो जाएगा मतदाता सूची से नाम

सीईओ अशोक कुमार ने बताया कि बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर फॉर्म वितरित करने का अभियान 29 जुलाई तक चलेगा। यदि कोई मतदाता अपने पंजीकृत पते से कहीं और स्थानांतरित हो चुका है और पुराने पते पर मौजूद नहीं मिलता है, तो उसकी मैपिंग नहीं हो पाएगी और उसका नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं किया जाएगा। हालांकि ऐसे मतदाताओं के लिए भी व्यवस्था की गई है। दावा एवं आपत्ति अवधि के दौरान वे 'फॉर्म-6' भरकर अपने वर्तमान पते पर नया मतदाता पंजीकरण कराने के लिए आवेदन कर सकेंगे। इसके अलावा मतदाता 'ऑनलाइन भी एन्यूमरेशन फॉर्म डाउनलोड, भरकर अपलोड' कर सकते हैं। इस एसआईआर सर्वे के तहत यदि किसी घर पर पहली बार बीएलओ को कोई नहीं मिलता है, तो वे 'कम से कम तीन बार' उस पते पर जाकर संपर्क करने का प्रयास करेंगे।

एसआईआर कार्यक्रम की ये हैं प्रमुख तिथियां

सीईओ ने बताया कि 30 जून से 29 जुलाई 2026 तक बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर सत्यापन एवं फॉर्म वितरण का कार्य होगा। इसके बाद 5 अगस्त ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। 5 अगस्त से 4 सितंबर तक दावे एवं आपत्तियां दर्ज करने की अवधि है। 3 अक्टूबर तक दावों और आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा और 7 अक्टूबर के दिन अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा।

नालों की डी-सिल्टिंग समयबद्ध ढंग से हो पूरी : सत्या शर्मा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम की स्थाई समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने सोमवार को ने शाहदरा नॉर्थ जोन के प्रमुख नालों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर सत्या शर्मा ने निर्देश दिया कि सभी अधिकारी आपस में समन्वय बनाकर मानसून से पहले सभी नालों की डी-सिल्टिंग का कार्य समयबद्ध ढंग से पूरा करें।

उन्होंने कहा कि नालों, सड़कों व जल प्रवाह को रोकने वाले सभी अतिक्रमण को भी हटाएं। इस मौके पर सत्या शर्मा के अलावा स्थानीय पार्षद रेखा रानी, निगम अधिकारी, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग, लोक निर्माण विभाग, दिल्ली जल बोर्ड तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौके पर मौजूद थे। जानकारी अनुसार सत्या शर्मा ने खजूरी चौक स्थित स्केप-1 ड्रेन तथा गंगा विहार ट्रंक ड्रेन टी-पॉइंट का निरीक्षण कर डी-सिल्टिंग कार्यों की प्रगति, जल निकासी व्यवस्था और नालों की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने विभिन्न नालों पर चल रहे कार्यों और अगामी कार्य योजना की जानकारी दी। जिस पर सत्या शर्मा ने कहा कि दिल्लीवासियों को जलभराव की समस्या से राहत दिलाना नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी विभाग पूरी गंभीरता और जवाबदेही के साथ कार्य करें, ताकि मानसून के दौरान नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव के निर्देश पर दिल्ली कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को नामित एक ज्ञापन एसआईआर प्रक्रिया से ठीक पहले पोलिंग बूथ की संख्या बढ़ाने के संबंध में दिल्ली कांग्रेस की ओर से आपत्ति जताई और इस कार्यवाही पर अपना कड़ा विरोध दर्ज भी कराते हुए अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी बलराम मीना को सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री डॉ. नरेद्र नाथ, बूथ मैनेजमेंट कमेटी के अध्यक्ष राजेश गर्ग, लीगल एवं मानवाधिकार विभाग के चेयरमैन एडवोकेट सुनील कुमार शामिल थे। सौंपे गए ज्ञापन में पोलिंग बूथ बढ़ाने के निर्णय पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया और मतदान केंद्रों से संबंधित किसी भी प्रकार के परिवर्तन एसआईआर प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात ही सत्यापित आंकड़ों के आधार पर व्यवस्था पूर्ण तरीके से मतदान केन्द्रों को बढ़ाने में पुनर्गठन करने का काम करें। यादव ने कहा कि दिल्ली के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में 30 जून 2026 से प्रारंभ होने वाली स्पेशल इंटेनसिव रिवीजन (एसआईआर) से ठीक कुछ दिन पहले निर्वाचन आयोग का पोलिंग बूथों की संख्या बढ़ाने का हाल ही में लिया गया निर्णय एक पक्ष और भाजपा के इशारे पर लिया गया है।

खरगे के राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने पर दिल्ली कांग्रेस ने दी शुभकामनाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि मल्लिकार्जुन खरगे का लंबा सार्वजनिक जीवन लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक न्याय, संविधान की रक्षा और आम जनता के अधिकारों के लिए निरंतर संघर्ष का प्रतीक रहा है। राज्यसभा में उनकी उपस्थिति विपक्ष की आवाज़ को और अधिक प्रभावी बनाएगी तथा जनता से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। खरगे ने शपथ लेने के बाद बुद्ध मंदिर, नियर बिरला मंदिर, नई दिल्ली में जाकर पूजा अर्चना की। इस अवसर पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव दिल्ली के सह प्रभारी दानिश अबरार, महासचिव संगठन एवं पूर्व विधायक अनिल भारद्वाज, पूर्व मंत्री डॉ. नरेंद्र नाथ, डॉ. योगानंद शास्त्री, जगजीवन शर्मा उपाध्यक्ष, जिला अध्यक्ष महिंदर भास्कर ने दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी की तरफ से मल्लिकार्जुन खरगे का अभिनंदन किया। यादव ने कहा कि मल्लिकार्जुन खरगे ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत एक जमीनी कार्यकर्ता के रूप में की और पांच दशकों से अधिक समय तक जनता की सेवा करते हुए कांग्रेस संगठन तथा देश की राजनीति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

ट्रैफिक प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए दिल्ली पुलिस के साथ एलजी ने की समीक्षा बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधु ने सोमवार को दिल्ली पुलिस आयुक्त, दिल्ली ट्रैफिक पुलिस और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ राजधानी की यातायात व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में ट्रैफिक प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए चल रहे प्रयासों और भविष्य की रणनीति पर चर्चा की गई। समीक्षा बैठक के दौरान बताया गया कि राजधानी के प्रमुख जाम वाले स्थानों पर लक्षित कार्रवाई, लगातार इंजीनियरिंग सुधार और तकनीक आधारित समाधानों के कारण यातायात व्यवस्था में धीरे-धीरे सकारात्मक सुधार देखने को मिल रहे हैं।

अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि इन प्रयासों को और गति दी जाए तथा ट्रैफिक प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाया जाए। बैठक में 'रॉन्ग साइड ड्राइविंग, अवैध पार्किंग और अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन के खिलाफ सख्त एवं निरंतर प्रवर्तन' को सर्वोच्च प्राथमिकता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया, ताकि सड़क सुरक्षा और यातायात अनुशासन को मजबूत किया जा सके। उपराज्यपाल ने 'प्रोजेक्ट संगम' की भी सराहना की। इस नागरिक-केंद्रित पहल का उद्देश्य स्थानीय निवासियों की भागीदारी बढ़ाना और क्षेत्रवार ट्रैफिक समस्याओं के लिए स्थानीय स्तर पर समाधान विकसित करना है।

मौसम का बदला मिजाज

दिल्ली में भीषण गर्मी और उमस के बीच झमाझम बारिश

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

भीषण गर्मी और भारी उमस के बीच सोमवार शाम के समय दिल्ली के कई क्षेत्रों में हुई बारिश ने दिल्ली वालों को राहत दी जिससे मौसम का मूड भी बदल गया। हालांकि उससे पहले दिल्ली वालों ने अधिकतम तापमान 42-43 डिग्री सेल्सियस का टॉर्चर सहना पड़ा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार शाम के समय आसमान पर बादलों का जमावड़ा हुआ और तेज हवाओं के साथ दिल्ली में कई जगह बारिश हुई। बारिश से पहले दिल्ली का अधिकतम तापमान 42.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो सामान्य से 5 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। वहीं न्यूनतम तापमान 31.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो सामान्य से 3.2 डिग्री अधिक है। वहीं दिल्ली में सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान रिज एरिया में 43.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

इसके अलावा पालम में 42.4 डिग्री, लोधी रोड 42.1 डिग्री, आया नगर 42.2 डिग्री, नजफगढ़ 40.7 डिग्री और मयूर विहार में 40.6 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान दर्ज हुआ। जबकि 24 घंटे के दौरान हवा में आद्रता का अधिकतम स्तर 67 प्रतिशत और न्यूनतम आद्रता का स्तर 41 प्रतिशत दर्ज हुआ। आईएमडी ने अगले तीन दिन यानी 2 जुलाई तक बारिश का अनुमान व्यक्त करते हुए येलो अलर्ट जारी किया है।

खबर संक्षेप

ठगी के मामले में आरोपी को पंजाब से किया काबू

फरीदाबाद। एपीके फाईल भेजकर फोन हैक किया तथा 1,01000 रुपए की ठगी की वारदात को अंजाम दिया। घटनाक्रम में कार्रवाई करते हुए 28 जून को साइबर थाना बल्लभगढ़ की टीम ने 2 और आरोपियों को मोहाली पंजाब से गिरफ्तार किया है। जिनकी पहचान अमन निवासी बाडीवाला बिजनौर उत्तर प्रदेश व दिलखुस बिश्नोई निवासी जोधपुर राजस्थान को गिरफ्तार किया है।

ट्राले से टकराई कार तीन युवक घायल

फरीदाबाद। शादी समारोह से लौट रहे युवकों की कार सड़क किनारे ट्राले में घुस गई। जिसमें तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। बाकी दो को मामूली चोट आई। ट्रॉले में टक्कर के बाद कार के एयरबैग भी खुल गए। घायल युवकों को निजी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। रोहित अपने चार दोस्तों के साथ दौलतराम धर्मशाला में शादी समारोह में शामिल होने गया था।

वाहन की टक्कर से कारोबारी की मौत

फरीदाबाद। खेड़ी पुल थाना क्षेत्र में हार्ले डेविडसन बाइक पर सवार कारोबारी की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत हो गई। मृतक की पहचान ओल्ड रेलवे स्टेशन प्रवेश मार्ग निवासी 47 वर्षीय सुनील धीमान के रूप में हुई है। घर के पास ही वे वर्कशॉप चलाते थे। उनके भाई हेमंत धीमान ने बताया कि शाम को वे किसी काम से मोटरसाइकिल पर सवार होकर घर से निकले थे। ग्रेटर फरीदाबाद में मास्टर रोड पर वजीरपुर गांव के पास किसी अज्ञात वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। इसमें वे बुरी तरह घायल हो गए। राहगीरों ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया।

ग्रीन लंग्स आफ गाजियाबाद:आर्मी लैंड से गंदगी हटी, लहराएंगे लाखों वृक्ष, बढ़ेगी ग्रीनरी

सिटी फॉरेस्ट तथा साईं उपवन जैसा विजयनगर में भी तैयार होगा 7 लाख पौधों से जंगलः विक्रमादित्य मलिक

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

यदि सब कुछ रहा तो लाइन पार के निवासियों को भी सिटी फॉरेस्ट तथा साईं उपवन जैसा मनोरम स्थान मिलेगा। जिससे पर्यावरण की स्थिति में सुधार होगा। जी हां नगर निगम आर्मी लैंड में कुछ ऐसा ही करने जा रहा है। जिसे निगम ने नाम दिया है लंग्स ऑफ गाजियाबाद। जिसको विकसित किये जाने का कार्य शुरू हो चुका है।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने सोमवार को इसका स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने समय से इसे गुणवत्ता के साथ तैयार करने के निर्देश दिए। नगर आयुक्त ने बताया कि उद्यान विभाग द्वारा वृहद प्लांटेशन की तैयारी की जा रही है विजयनगर स्थित आर्मी लैंड पर मियावकी पद्धति से प्लांटेशन का कार्य चल रहा है।

विजयनगर के लिए जहां गाजियाबाद नगर निगम विकास के कार्यों को रफ्तार दे रहा है, वहीं पर्यावरण तथा एयर क्वालिटी में सुधार हेतु भी कार्य कर रहा है लगभग 48 एकड़ भूमि पर लगभग 7 लाख पौधे मियावकी पद्धति से लगाए जाएंगे। जिससे ऑक्सीजन की बढ़ोतरी होगी तथा कार्बन डाइऑक्साइड कम होगा, शहर को लाभ मिलेगा, फलदार छायादार तथा औषधी वाले पौधे लगाए जाएंगे जो की वृक्ष बनकर ग्रीन लंग्स ऑफ गाजियाबाद का कार्य करेंगे।

37 एकड़ में 6 लाख पौधे लगाए जाएंगे

नगर आयुक्त ने बताया 1 जुलाई से आर्मी लैंड पर पौधारोपण का कार्य प्रारंभ होगा। जिसमें 9 एकड़ भूमि पर लगभग सवा लाख से अधिक पौधे लगाए जाएंगे 37 एकड़ भूमि में लगभग 6 लाख पौधे लगाए जाएंगे। ट्रैक्टरों व अन्य उपकरणों के माध्यम से गहरी जुताई का कार्य जारी है। मौके पर पौधारोपण से पहले की तैयारी को देखा गया शीघ्र ही गड्ढा खोदने के कार्य को प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए, साईं उपवन तथा सिटी फॉरेस्ट की भांति विजयनगर में भी वृहद जंगल बनाया जाएगा जिससे क्षेत्र वासियों को भी लाभ मिलेगा शासन के निर्देश के क्रम में कार्यवाही तेजी से की जा रही है।

मंत्री राजेश नागर ने भाजपा कार्यकर्ताओं एवं बीएलओ के साथ की बैठक

मतदाता सत्यापन अभियान में कोई वैध मतदाता छूट न जाएः मंत्री राजेश नागर

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

हरियाणा में चल रहे मतदाता सत्यापन अभियान के मद्देनजर हरियाणा सरकार में मंत्री राजेश नागर ने अपनी तिगांव विधानसभा क्षेत्र के सेक्टर-37 स्थित कार्यालय पर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक का मुख्य उद्देश्य मतदाता सत्यापन कार्य की प्रगति की समीक्षा करना तथा अधिक से अधिक पात्र मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित कराने के लिए कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा.निर्देश देना रहा।

इस अवसर पर मंत्री राजेश नागर ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए शुद्ध एवं अद्यतन मतदाता सूची अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल होना चाहिए तथा किसी भी वैध मतदाता का नाम सूची से छूटना नहीं चाहिए। इसके लिए सभी कार्यकर्ताओं को पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करना होगा। बैठक में तिगांव विधानसभा क्षेत्र के सभी मंडल अध्यक्ष, बीएलए-1, बीएलए-2, बूथ अध्यक्षों सहित बड़ी संख्या में देवतुल्य एवं ऊर्जावान कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। सभी उपस्थित कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने क्षेत्रों में चल रहे मतदाता सत्यापन कार्य की जानकारी सांझा की तथा अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के सुझाव भी दिए।

मंत्री राजेश नागर ने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क स्थापित करें और उन्हें मतदाता सत्यापन प्रक्रिया के प्रति जागरूक करें। उन्होंने विशेष रूप से नए मतदाताओं, स्थान परिवर्तन करने वाले नागरिकों तथा ऐसे लोगों पर ध्यान देने का आह्वान किया जिनका नाम किसी कारणवश मतदाता सूची में दर्ज नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता लोकतंत्र के प्रहरी के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए लोगों को मतदान के अधिकार के महत्व के बारे में भी जागरूक करें। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण और सत्यापन केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं है।

बैठक के दौरान कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया

बैठक के दौरान सभी कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि वे चल रहे मतदाता सत्यापन अभियान में पूरी सक्रियता से भाग लेते हुए प्रत्येक वैध मतदाता को सूचीबद्ध कराने में सहयोग करेंगे। साथ ही लोगों को आवश्यक दस्तावेजों और प्रक्रिया की जानकारी देकर उनका मार्गदर्शन भी करेंगे।
अंत में मंत्री राजेश नागर ने सभी कार्यकर्ताओं के उत्साह, समर्पण और संगठनात्मक क्षमता की सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि तिगांव विधानसभा क्षेत्र मतदाता सत्यापन अभियान में एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करेगा। बैठक में जिला उपाध्यक्ष एवं बीएलए-1 तिगांव मुकेश शर्मा, मण्डल अध्यक्ष हरीश बैंसला, मुकेश झा, सुधीर मेहता, कृष्ण पहलवान एवं राजेश चौधरी,ख पार्षद लाल मिश्रा, सुमंत चंदेल, शक्ति केंद्र प्रमुख एवं बीएलए-2 शंकर ठाकुर, प्रहलाद शर्मा, अजय प्रताप, मुकुल रक्षवाल, मंडल महामंत्री नितिन शर्मा, प्रदीप त्रिपाठी, राजू चन्द्रवंशी, देवेंद्र अग्रवाल, राहुल यादव, लोकेश बैसला, भूपेंद्र शर्मा, डॉ परमानन्द यादव, वीरेंद्र शर्मा आदि।

सोलसेंसई का उद्देश्य लोगों को मानसिक शांति, आत्म-जागरूक करना

प्यार, पैसा, परिवार विषय पर विशेष प्रेरक कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

आध्यात्मिक मार्गदर्शन और व्यक्तिगत विकास के क्षेत्र में कार्यरत सोलसेंसई ने चिन्मय मिशन सेंटर में प्यार, पैसा, परिवार विषय पर एक विशेष प्रेरक कार्यक्रम आयोजित किया। इस तीन घंटे के सत्र का संचालन प्रसिद्ध लाइफ कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर काव्याल सेदानी ने किया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को प्रेम संबंधों, आर्थिक सोच और पारिवारिक रिश्तों के प्रति संतुलित एवं सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में सहायता देना था। सत्र के दौरान काव्याल सेदानी ने बताया कि व्यक्ति की सीमित मान्यताएं, डर और पुरानी आदतें अक्सर उसकी सफलता और खुशियों के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा बनती हैं। उन्होंने समझाया कि हमारा मस्तिष्क बदलाव का स्वाभाविक रूप से विरोध करता है, इसलिए सकारात्मक परिवर्तन के लिए निरंतर अभ्यास आवश्यक है।

मजबूत रिश्तों और संतुलित जीवन की दिशा में व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान करना है

कार्यक्रम में स्कार थ्योरी पर भी चर्चा हुई, जिसके माध्यम से यह बताया गया कि बचपन के अनुभव, रिश्तों में मिले आघात या जीवन की असफलताएं व्यक्ति के वर्तमान निर्णयों और व्यवहार को लंबे समय तक प्रभावित करती हैं। सोलसेंसई की संस्थापक जान्हवी पारिख ने कहा कि सोलसेंसई का उद्देश्य लोगों को मानसिक शांति, आत्म-जागरूकता, मजबूत रिश्तों और संतुलित जीवन की दिशा में व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान करना है। दिल्ली में कार्यक्रम को मिली उत्साहजनक प्रतिक्रिया इस बात का प्रमाण है कि लोग अपने जीवन में वास्तविक और सकारात्मक बदलाव चाहते हैं। संस्था भविष्य में भी देश के विभिन्न शहरों में ऐसे अनुभवात्मक कार्यक्रम आयोजित करती रहेगी। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को विजुअलाइजेशन, आत्मचिंतन और जर्नलिंग जैसी तकनीकों का अभ्यास कराया गया।

पाली पीर कॉलोनी के कोली मोहल्ला में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई संत कबीर दास जयंती

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

पाली पीर कॉलोनी स्थित कोली मोहल्ला में महान संत, समाज सुधारक एवं भक्ति आंदोलन के प्रणेता संत कबीर दास जी की जयंती श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, समाज के वरिष्ठजन, महिलाएं एवं युवा शामिल हुए। इस अवसर पर वक्ताओं ने संत कबीर दास जी के जीवन, उनके आदर्शों और समाज को दिए गए अमूल्य संदेशों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संत कबीर दास ने अपने दोहों और विचारों के माध्यम से समाज में फैली ऊंच-नीच, जात-पात, आडंबर और भेदभाव का विरोध करते हुए मानवता, समानता, प्रेम, भाईचारे और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। उनके विचार आज भी समाज के लिए उतने ही प्रासंगिक हैं जितने सदियों पहले थे। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने संत कबीर दास जी के बताए मार्ग पर चलने तथा सामाजिक समरसता, आपसी प्रेम और सौहार्द बनाए रखने का संकल्प लिया।

जिलाध्यक्ष सतीश शर्मा ने सौंपा प्रदेश अध्यक्ष का पत्र

लोनी तहसील में धरनारत बैनामा लेखकों और अधिवक्ताओं को कांग्रेस का समर्थन

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

लोनी तहसील परिसर में अपनी मांगों को लेकर धरना दे रहे बैनामा लेखकों एवं अधिवक्ताओं को सोमवार को जिला कांग्रेस कमेटी ने समर्थन दिया। धरना स्थल पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सतीश शर्मा के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारी पहुंचे और आंदोलनकारियों के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया।

इस दौरान जिलाध्यक्ष सतीश शर्मा ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय द्वारा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को संबोधित पत्र की प्रति बैनामा लेखक संघ के अध्यक्ष जेपी शर्मा को सौंपते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी बैनामा लेखकों और अधिवक्ताओं की न्यायोचित मांगों के समर्थन में उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा मेहनतकश और आमजन के सम्मान की पक्षधर रही है तथा लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर आवाज उठाती रहेगी। धरना स्थल पर जिला उपाध्यक्ष उमेश त्यागी, शहर अध्यक्ष अजय शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष रविंद्र एडवोकेट, जिला महामंत्री महफूज खान, विनोद धामा, प्रमोद शर्मा एडवोकेट, डॉ. जुल्फिकार त्यागी, शिक्षक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष राजीव भारद्वाज सहित कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा बड़ी संख्या में बैनामा लेखक, अधिवक्ता एवं तहसील से जुड़े अन्य कर्मचारी भी धरना स्थल पर उपस्थित रहे। कांग्रेस नेताओं ने आंदोलनकारियों को आश्वस्त किया कि उनकी मांगों को शासन स्तर तक प्रभावी ढंग से उठाया जाएगा तथा लोकतांत्रिक तरीके से चल रहे आंदोलन को पार्टी का पूर्ण समर्थन जारी रहेगा।

पुलिस ने सूचना के आधार पर की चेकिंग

विदेशी महिला से करा रहा था देह व्यापार, पुलिस ने दबोचा

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

थाना सिहानी गेट पुलिस ने सोमवार को एक ऐसे शख्स को गिरफ्तार किया है जो रिहायशी इलाके में किराए का मकान लेकर उसमें विदेश महिला से देहव्यापार कराता था। पुलिस ने उसके चंगुल से विदेशी महिला को भी रेस्क्यू कर कर लिया। डीसीपी धवल जायसवाल ने बताया कि पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि न्यू गांधीनगर स्थित मकान संख्या सी -32 में अवैध रूप से देह व्यापार कराया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने मौके पर चेकिंग की। चेकिंग के दौरान अभियुक्त अंकित गुप्ता उर्फ राहुल मलिक विदेशी महिला को बहला-फुसलाकर अपने किराए के मकान में बुलाकर उससे अनैतिक देह व्यापार कराता हुआ पाया गया। पुलिस अभियुक्त अंकित गुप्ता उर्फ राहुल मलिक (संचालक) को मौके से गिरफ्तार किया गया तथा विदेशी महिला को सकुशल रेस्क्यू किया गया। पूछताछ के दौरान अभियुक्त अंकित गुप्ता उर्फ राहुल मलिक ने बताया कि वह अपने परिवार का खर्च चलाने के लिए किराए के मकान में देह व्यापार का कार्य कराता है।

पुलिस ने किया हत्याकाण्ड का खुलासा

युवक की हत्या करने के आरोप में दो सगी बहने गिरफ्तार, डंडा, गमछा बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

थाना ट्रोनिका सिटी पुलिस ने लोनी में जाकिर हत्यकाण्ड का खुलासा महज 12 घंटे में ही कर दिया। पुलिस ने हत्या करने के आरोप में दो सगी बहनों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त आलाकत्ल डंडा व गमछा बरामद किये गए हैं। डीसीपी ग्रामीण एसएन तिवारी ने बताया कि थाना ट्रोनिका सिटी पर वादी समीर खान उर्फ नासिर निवासी ट्रोनिका सिटी ने तहरीर दी कि किरन पत्नी धर्मवीर व उसकी बहन कशिश पत्नी कमल ने एक राय होकर उसके भाई जाकिर की हत्या कर दी।

प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना ट्रोनिका सिटी पर तत्काल धारा-103(1)/3(5) बीएनएस के अन्तर्गत अभियोग पंजीकृत कर घटना के अनावरण व गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीमों का गठन किया गया तथा सीसीटीवी कैमरों व मैनुअल इनपुट के आधार पर घटना के अनावरण हेतु लगातार प्रयास किये गए। तत्पश्चात थाना ट्रोनिका सिटी पुलिस टीम द्वारा सर्विलांस व मैनुअल इन्पुट की मदद से उपरोक्त हत्या की घटना का 12 घण्टे के अन्दर सफल अनावरण करते हुए दोनों बहनों को गिरफ्तार कर लिया, गिरफ्तार अभियुक्ताओं से पूछताछ की गई तो अभियुक्ता किरन ने बताया कि मैं और कशिश दोनों सगी बहने हैं। मैं मृतक जाकिर को पिछले 04-05 वर्षों से जानती हूँ। मृतक जाकिर और मैं शाकिरपुर जनपद गौतमबुद्धनगर में किराये के मकान में रहते थे जिस कारण हम दोनों के बीच दोस्ती हो गयी। उसके बाद जाकिर अपने परिवार के साथ खुशहाल पार्क, ट्रोनिका सिटी में रहने लगा। मैं यहां भी जाकिर से मिलती रहती थी। मैं 8-9 माह पहले अपने बच्चो के साथ गाजियाबाद आ गई तथा पूजा कॉलोनी में किराये के मकान में जाकिर के साथ लिव-इन में पति-पत्नी की तरह रहने लगी। हमारे साथ मेरी 01 बेटी उम्र करीब 13 वर्ष तथा 02 बेटे भी रहते थे। लगभग दो महीने से मुझे शक हुआ कि जाकिर मेरी पुत्री पर भी गलत नजर रखने लगा है। मुझे यह अंदर ही अंदर चुभने लगा और मैंने सोच लिया था कि मैं अब जाकिर को अपने रास्ते से हटा दूंगी नहीं तो यह मेरी बेटी के साथ कभी भी गलत काम कर सकता है। इसी इरादे के साथ मैंने लगभग 20 दिन पहले अपनी बहन कशिश को अपने पास बुलाया और यह सब बातें मैंने उसे बतायी। मैंने व मेरी बहन कशिश ने प्लान बनाया कि जाकिर की हत्या करके हम यहां से भाग जाएंगे। सुबह मैंने व कशिश ने योजना कि हम आज इसकी हत्या कर देंगे।

ठप पड़ा व्यापार दोबारा सुचारू रूप से शुरू, शांति बहाली की उम्मीद जागी

वैश्विक शांति के लिए डोनाल्ड ट्रंप के प्रयासों का समाजसेवी जतिंद्र सहगल ने किया समर्थन, भारत-अमेरिका संबंधों में आएगी और मधुरता : जतिंद्र सहगल

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

विश्व में लगातार बढ़ती अशांति, युद्ध और आर्थिक संकट के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा शांति स्थापित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों का समाजसेवी जतिंद्र सहगल ने पत्रकारवार्ता के माध्यम से खुलकर समर्थन किया है।

इस अवसर पर समाजसेवी विक्रम सिंह यादव भी प्रमुख रूप से मौजूद रहे। पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए जतिंद्र सहगल और विक्रम सिंह यादव ने कहा कि आज जिस प्रकार से दुनिया के विभिन्न हिस्सों में अशांति फैली हुई है और कई देशों के बीच युद्ध चल रहे हैं, उससे न केवल मानवता तार-तार हो रही है, बल्कि वैश्विक आर्थिक तंत्र भी पूरी तरह ध्वस्त हो चुका है। उन्होंने होर्मूज जलडमरूमध्य का उदाहरण देते हुए कहा कि होर्मूज जलमार्ग के प्रभावित होने से यूरोप, मध्य एशिया और एशिया के बीच होने वाला व्यापार बुरी तरह चरमरा गया था। इसके चलते दुनिया के अनेक देशों में महंगाई ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गई और आम जनता का जीना मुहाल हो गया। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि उनके द्वारा उठाए गए सकारात्मक कदमों के कारण वैश्विक स्तर पर शांति बहाली की उम्मीद जागी है। ट्रंप के प्रयासों के सकारात्मक परिणाम अब धरातल पर दिखने लगे हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजारों में महंगाई में गिरावट आई है और ठप पड़ा व्यापार दोबारा सुचारू रूप से शुरू हो सका है। भारत की भूमिका पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि भारत हमेशा से ही विश्व में शांति का पुरोधा रहा है। अमेरिका द्वारा वैश्विक शांति के लिए उठाए जा रहे इन सकारात्मक कदमों से भारत और अमेरिका के बीच संबंध और अधिक मधुर तथा मजबूत होंगे।

फरीदाबाद के होटल में ठहरा था,500, 100 के नोट मिले

नकली नोट छापते आईटी इंजीनियर धराया

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

फरीदाबाद में पुलिस ने एक आईटी इंजीनियर को नकली नोट छापते हुए अरेस्ट कर लिया। इंजीनियर दो दिन से होटल में ठहरा हुआ था, लेकिन ताला लगाकर गायब हो गया। होटल कर्मचारियों ने शक होने पर पुलिस को बुला लिया। पुलिस ने होटल का रुम खोलकर तलाशी ली तो मौके से एक लैपटॉप, एक प्रिंटर, नोट छापने में इस्तेमाल होने वाले विशेष कागज, 500 रुपए का एक नकली नोट और 100 रुपए के 10 नकली नोट मिले।

इसके बाद पुलिस ने होटल में जमा की गई आईडी से पता किया तो इंजीनियर अपने घर पर मिला, जहां से उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक आरोपी नोएडा की एक कंपनी में 34 लाख के सालाना पैकेज पर नौकरी कर रहा था। उसके माता-पिता भी सरकारी नौकरी में है। फिलहाल, पुलिस युवक की डिटेल खंगाल रही है। फरीदाबाद पुलिस के यशपाल सिंह ने बताया कि फरीदाबाद के होटल सरोवर पोर्टिको के कर्मचारियों ने सूरजकुंड थाना पुलिस को जानकारी दी कि एक युवक ने 26 जून को कमरा बुक कराया था, जो दिन से बंद ही है। युवक कमरे की चाबी भी अपने साथ ले गया। इसके अलावा दो दिन से कमरे में किसी की भी आवाजाही नहीं हो रही है। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और कमरा नंबर 404 को होटल प्रबंधन की मदद से खुलवाया गया। पुलिस टीम को अंदर युवक तो नहीं मिला, लेकिन एक लैपटॉप, एक प्रिंटर, नोट छापने में इस्तेमाल होने वाले विशेष कागज, 500 रुपए का एक नकली नोट और 100 रुपए के 10 नकली नोट मिले। यह देख पुलिस के होश उड़ गए। इसके बाद होटल में जमा की गई आईडी से युवक को एड्रेस निकाला गया। पुलिस को होटल में जमा की गई आईडी में युवक का एड्रेस मिला फरीदारबाद के सेक्टर-17 हाउस नंबर.1039 और नाम था विनायक झा। इसके बाद पुलिस ने तुरंत एड्रेस पर दबिश दी तो विनायक घर में ही मौजूद मिला। होटल के कमरे और अंदर मिले सामान के बारे में वह कोई संतुष्टपूर्ण जवाब नहीं दे सका तो पुलिस ने उसे अरेस्ट कर लिया और थाने ले आई।

पर्यटन विभाग की पहल आस्था व सांस्कृतिक विरासत को मिलेगा सम्मान

पीलीभीत में 1.04 करोड़ से संवारेगी गोमती नदी का उद्गम स्थल विकसित होंगी पर्यटन सुविधाएं, 78 लाख की धनराशि जारी

पीलीभीत जनपद के पूरनपुर विधानसभा क्षेत्र की कलीनगर तहसील स्थित गोमती उद्गम स्थल के विकास के लिए पर्यटन विभाग ने 1.04 करोड़ रुपए की परियोजना स्वीकृत की है। इसके तहत प्रथम चरण में 78 लाख रुपए की धनराशि जारी कर दी गई है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में लगातार महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। अयोध्या, काशी, मथुरा, नैमिषारण्य और विंध्य धाम जैसे प्रमुख तीर्थ स्थलों के व्यापक विकास के बाद अब प्रदेश सरकार ने जीवनदायिनी मां गोमती नदी के उद्गम स्थल को भी विश्वस्तरीय पर्यटन एवं आस्था केंद्र के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है। इसी क्रम में पीलीभीत जनपद के पूरनपुर विधानसभा क्षेत्र की कलीनगर तहसील स्थित गोमती उद्गम स्थल के विकास के लिए पर्यटन विभाग ने 1.04 करोड़ रुपए की परियोजना स्वीकृत की है। इसके तहत प्रथम चरण में 78 लाख रुपये की धनराशि जारी कर दी गई है।

करोड़ों लोगों के जीवन और आजीविका का आधार

यूपी के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि प्रदेश की जीवनदायिनी एवं सांस्कृतिक आस्था की प्रतीक गोमती नदी का उद्गम पीलीभीत के माधोटांडा ग्राम के समीप गोमत ताल से होता है। सनातन परंपरा में अत्यंत प्रतिष्ठित गोमती नदी प्रदेश के विशाल भूभाग को सिंचित करते हुए करोड़ों लोगों के जीवन व आजीविका का आधार है। पर्यटन विभाग द्वारा गोमती उद्गम स्थल को प्रमुख आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं पर्यटन गंतव्य के रूप में विकसित किया जा रहा है। परियोजना के अंतर्गत श्रद्धालुओं, पर्यटकों की सुविधा के लिए आधुनिक आधारभूत संरचनाओं का निर्माण कराया जाएगा। इसके तहत करीब 48.69 लाख की लागत से बहुउद्देशीय हॉल बनाया जाएगा, जबकि 13.44 लाख से आधुनिक शौचालय ब्लॉक व 9.45 लाख से शेड का निर्माण कराया जाएगा।

मां गोमती सनातन आस्था की प्रतीक

मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश अपनी प्राकृतिक धरोहरों को विशिष्ट पहचान दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। मां गोमती का उद्गम स्थल महज एक भौगोलिक बिंदु न होकर, हमारी सनातन आस्था और लोकजीवन का महत्वपूर्ण स्थल भी है। इसके समग्र विकास से श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। हमारा प्रयास है कि प्रदेश की प्रत्येक पवित्र धरोहर को विश्व पर्यटन मानचित्र पर सम्मानजनक स्थान दिलाया जाए।

खबर संक्षेप

जुलाई से मलाहीपकड़ी तक चलेगी पटना मेट्रो

पटना। पटना मेट्रो का जुलाई से विस्तार हो रहा है। मलाहीपकड़ी स्टेशन तक मेट्रो चलेगी। सीएम ने मलाहीपकड़ी तक पटना मेट्रो के लोकार्पण की तारीख 2 जुलाई तय की है। इस दिन उद्घाटन हो जाएगा। पटना की सड़कों पर ट्रैफिक जाम की समस्या से निपटने अधिकारियों को स्थायी समाधान वाला प्लान भी तैयार करने को कहा है।

झारखंड के सिक्कता गांव में रहस्यमयी बीमारी

पलामू। झारखंड के पलामू जिले के पंडवा प्रखंड अंतर्गत सिक्का गांव में अज्ञात बीमारी से 10 दिनों के भीतर एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो चुकी है। रविवार को सुबह करीब 5 बजे रिम्स में इलाजरत बहू सविता देवी ने भी दम तोड़ दिया। इससे पहले घर के मुखिया व उनकी दो बेटियों की मौत हो चुकी है। परिवार के दो लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है।

पीलीभीत में सीएम योगी का कांग्रेस-सपा पर तीखा हमला, कहा-

सपा की साइकिल चलेगी तो दंगे करवाएगी कर्फ्यू लगवाएगी, प्रदेश में गुंडागर्दी होगी

सीएम योगी आदित्यनाथ ने दावा किया कि प्रदेश में कानून व्यवस्था मजबूत हुई है और भूमाफियाओं पर सख्त कार्रवाई की गई है। साथ ही कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता ने सपा की "साइकिल पंचर" कर दी क्योंकि उसका शासन दंगा, गुंडागर्दी और अराजकता का पर्याय था...

हरिभूमि न्यूज ⏭ पीलीभीत

पीलीभीत में आयोजित जनसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने देश के विभाजन के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि सत्ता की लालसा के कारण पाकिस्तान बना और लाखों हिंदुओं को अपना घर छोड़ना पड़ा। मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार ने नागरिकता संशोधन कानून लागू कर पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए पीड़ित हिंदू, सिख, बौद्ध और जैन समुदाय के लोगों को सम्मानपूर्वक नागरिकता देने का काम किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने इसका विरोध किया और हमेशा तुष्टिकरण की राजनीति की। मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उनके शासन में विकास केवल सैफई तक सीमित रहा, जबकि पीलीभीत की उपेक्षा की गई।

विभाजन के लिए कांग्रेस की सत्ता लोलुपता जिम्मेदार

सपा को लोगों से मतलब नहीं

सीएम योगी ने सपा प्रमुख अखिलेश पर तंज करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी को लोगों से मतलब नहीं था। प्रदेश में उनकी 4 बार सरकार थी, लेकिन बबुआ को समय मिले, तब तो विकास करते. वह 12 बजे सो कर उठेंगे, दो बजे तैयार होंगे और शाम को पांच बजे जिम जाएंगे तो गरीब की पीड़ा कहां से जानेंगे। इन्हें जब तुष्टिकरण से फुर्सत हो तब ये पिछड़ों, दलितों, वंचितों के बारे में सोचते. इन्हें तो सिर्फ मुसलमानों की चिंता थी, सिखों, जैनियों, बौद्ध की चिंता नहीं थी।

कांग्रेस को नहीं थी शरणार्थियों की सुध

उन्होंने कहा, 'स्वतंत्र भारत में लाख हिंदुओं के मन में अभिलाषा थी कि मुझे जिस आधार पर विभाजन किया गया था, उस के आधार पर भारत में शरण मिलेगी, सम्मान के साथ मैं जीवन यापन कर पाऊंगा, लेकिन कांग्रेस ने उनकी कभी सुधि नहीं ली।

भाजपा के शासन में मजबूत हुई कानून व्यवस्था

उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में कानून व्यवस्था मजबूत हुई है। भूमाफियाओं पर कार्रवाई की गई है। प्रदेश की जनता ने सपा की 'साइकिल पंचर' कर दी क्योंकि उसका शासन दंगा, गुंडागर्दी और अराजकता का पर्याय था। मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां आज गौशालाएं बन रही हैं ,ये जमीन 2017 के पहले किसी सपाई के कब्जे में रही होगी।

आधारभूत सुविधाओं का हो रहा विकास

भरत तिवारी के गांव में कटाव पीड़ितों के पुनर्वास का काम तेज

एजेंसी ⏭ आरा

बिलौटी पुनर्वास टाउनशिप में विस्थापित एवं पुनर्वासित परिवारों के बेहतर जीवन के लिए जिला प्रशासन ने बुनियादी सुविधाओं के विकास की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।पेयजल, बिजली, शौचालय, पहुंच पथ और आवास जैसी आवश्यक सुविधाओं के साथ सामाजिक आधारभूत संरचनाओं के निर्माण की योजनाओं पर तेजी से काम शुरू कर दिया गया है। इन कार्यों के पूरा होने से पुनर्वासित परिवारों को सुरक्षित एवं सम्मानजनक जीवन की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

भरत तिवारी ने उठाई थी आवाज

उल्लेखनीय है कि कथित मुठभेड़ में मारे गए भरत तिवारी के फेसबुक एकाउंट से कई ऐसे वीडियो प्रसारित हुए थे, जिनमें वह यहां के लोगों की समस्याओं पर आवाज उठाते दिख रहे हैं।

37 को स्वर्ण पदक एवं 25 को दी पीएचडी

राज्यपाल ने 52,176 छात्रों को दी उपाधि

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिद्धार्थनगर

यूपी की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु के दसवें दीक्षांत समारोह में सहभागिता की। इस अवसर पर 52,176 छात्रों को उपाधियाँ दी गईं तथा सभी अंकपत्र डिजिलॉकर पर अपलोड किए गए। समारोह में 37 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं 25 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। राज्यपाल ने शिक्षा को राष्ट्र निर्माण, नवाचार एवं मानव कल्याण से जोड़ने की आवश्यकता पर बल देते हुए युवाओं से चरित्र, संस्कार एवं नैतिक मूल्यों के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वविद्यालयों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के निर्देश दिए।

पेज एक का शेष

राम मंदिर के दोषी...

पर उन्होंने दो-टूक कहा कि जांच का दायरा बेहद व्यापक है। जो दोषी पाया जाएगा उसे दंड मिलेगा। इसमें न वजीर बचेगा, न राजा। उन्होंने कहा सबके आचरण की जांच होगी। जो भी दोषी होगा उसे जेल की कोठरी में जाना होगा।

पेश है साक्षात्कार...

लोगों ने कहा, आप त्यागपत्र दोगे? कहने लगे, मैं जेल में रहकर के मुख्यमंत्री का काम करूंगा। हमको ध्यान है नरसिम्हा राव के समय में जब कुछ सांसदों को धन देकर के, रिश्वत देकर अपने पक्ष में करने की बात थी, और खुल गई थी, उन्होंने त्यागपत्र नहीं दिया था। बोफोर्स में 64 करोड़ की दलाली का आरोप लगा, राजीव गांधी जी ने त्यागपत्र नहीं दिया था। ब्रीच ऑफ ट्रस्ट के आरोप राहुल गांधी और उनकी माताजी के खिलाफ भी हैं। अपनी ही पार्टी की नेशनल हेराल्ड की संपत्ति को पार्टी से हटाकर अपने नाम कर लेने का अपराध। दोनों जमानत पर हैं, त्यागपत्र नहीं दिया है। परंपरा त्यागपत्र देने की नहीं थी। चंपत जी ने दिया और एफआईआर होने के दो दिन बाद ही दिया है। तो न तो मैं यह मानता हूँ कि कोई रास्ता नहीं बचा था और न मैं यह मानता हूँ कि उसमें देरी हुई है।

⏩ आलोक जी, आपने मुझे कई सारे नाम गिनाए। अरविंद केजरीवाल से आप शुरू हुए, नरसिम्हा राव, राजीव गांधी, फिर राहुल गांधी और सोनिया गांधी तक पहुँचे। तो क्या विश्व हिंदू परिषद के लिए अब रोल मॉडल गांधी परिवार, अरविंद केजरीवाल और नरसिम्हा राव हैं? या आपकी पाठशाला से निकले लालकृष्ण आडवाणी जैसे नेता हैं, जिनका नाम हवाला की डायरी में उल्लेखित हुआ था, तो उन्होंने न केवल लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दिया था, बल्कि साथ-साथ यह ऐलान भी किया था कि "जब तक पाक-साफ साबित नहीं हो जाऊंगा, इस मंदिर में कदम नहीं रखूंगा, तो क्या वक्त गुजरने के साथ आपने अपने आदर्श, अपने निष्ठाओं में बदलाव ला दिया है कि अब अरविंद केजरीवाल और राहुल गांधी, सोनिया गांधी आपके रोल मॉडल हो गए?

⏩ अगर मैं उनको रोल मॉडल मानता तो चंपत जी को त्यागपत्र नहीं देने देता। उन्होंने नहीं दिया, हमने तो दिया है। मैं अंतर स्पष्ट कर रहा था। जो प्रेस कॉन्फ्रेंस में गला फाड़ कर के कह रहे हैं इस्तीफो मैं उनको शीशा दिखा रहा था। और जो आडवाणी जी ने किया, वह इस बार भी हुआ। त्यागपत्र दिया है और जब तक निर्दोषिता साबित नहीं होगी, तब तक उनके लौटकर आने का कोई रास्ता नहीं है।

⏩ वह तो ठीक है पर जो भी नाम आए हैं, वह तो सारे प्यादे हैं। इतना बड़ा मसला और वजीर का कहीं कोई उल्लेख नहीं। आलोक जी को यह बात जनसाधारण के बीच संदेश की दृष्टि से क्या ठीक लगती है? जैसे इस समय का जैसा वातावरण है, क्या आलोक जी को महसूस नहीं हो रहा कि एक धारणा यह बन रही है कि अब चूंकि मामला सार्वजनिक हो गया है, तो कुछ लोगों को गुनहगार बताते हुए असल किरदारों के संदर्भ में ढांकने-छापने की कोशिश है। क्योंकि बड़ा चेहरा तो कोई सामने आया नहीं एफआईआर में। एफआईआर में रख किसे रहे हैं? कैशियर, ड्राइवर, सेवादार।

⏩ न वजीर बचेगा, न राजा बचेगा। जिसने गलती की है, उसको दंड मिलना चाहिए। किसी को भी नहीं बचाएंगे। और उस जांच के स्कोप में यह सब आता है। जो नाम थे, वह दिए। आज नहीं तो कल, कल नहीं तो परसों, सबके आचरण की जांच होगी। और अगर मेरे बार-बार कहने के बाद भी आपको लगता है कि किसी को बचाया गया है, तो मैं कहूंगा कि जांच की रिपोर्ट की प्रतीक्षा करिए। हम एक कॉम्प्रिहेंसिव जांच चाहते हैं और जिन लोगों पर भी आरोप है, उन सब आरोपों की भी बारीकी से जांच चाहते हैं और मेरी समझ में इस एफआईआर में यह मांगा गया है।

⏩ तो मेरा आखिरी सवाल इतना ही है कि विश्व हिंदू परिषद ने एक बड़ी भूमिका राम जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन के संदर्भ में निभाई। अब जब से यह वाला प्रकरण सामने आया है, तब से अलग-अलग तरीके से जिनको इस आंदोलन के साथ सद्भावना नहीं थी, उनके स्वर मुखर हो रहे हैं। आपका संघर्ष कृष्ण जन्मभूमि के संदर्भ में, बाबा विश्वनाथ के संदर्भ में, इस प्रकरण के चलते कुछ कठिन तो नहीं हो जाएगा? क्या अनुभूति है आपकी इस संदर्भ में?

⏩ मेरी इच्छा है, आग्रह भी है, सार्वजनिक रूप से मैंने व्यक्त किया है कि इसका जल्दी पटाक्षेप होना चाहिए। और इसलिए मैंने कहा कि वरिष्ठ, अनुभवी पुलिस अधिकारी जांच करें, जांच को जल्दी पूरा करें, चालान फास्ट ट्रैक कोर्ट में या स्पेशल कोर्ट में जाए, रोज-रोज की सुनवाई हो और मैं चाहूंगा कि अब से लेकर चार-पांच महीने में न्यायालय का निर्णय आना चाहिए। और हिंदू समाज को संतोष होगा अगर इतने समय में निर्णय आकर हम इन सब लोगों को, जिनको दोषी माना जाएगा, जेल की कोठरी में जाते हुए देखेंगे। और दूसरा, हमको संतोष तब होगा जब वहां एक-एक पैसे की सुरक्षित व्यवस्था बना ली जाएगी। और हम चाहेंगे कि इन दोनों कामों में देरी नहीं हो। यही ट्रस्टीज का प्रायश्चित होगा।

जनरल नरावणे, राम ...

पक्षों के बीच सीमा पार आतंकवाद, जल बंटवारे, तनाव के समय संवाद में सुधार से लेकर भावी सैन्य आक्रामकता को रोकने के उपायों पर चर्चा की गई। यहां बता दें कि दोनों देशों के बीच यह पहला मौका नहीं है। जब ऐसे संवाद हुए हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद कुल करीब तीन बार भारत, पाक के बीच इस तरह से वार्ता हो चुकी है। जबकि यह दोनों संवाद कार्यक्रम पूर्व निर्धारित थे। ट्रैक-2 एक अनौपचारिक संवाद प्रक्रिया है। जिसमें समाज के विभिन्न वर्गों की भागीदारी होती है। भारत, पाक के मध्य औपचारिक वार्ता को ट्रैक-1 कूटनीति कहा जाता है।

आतंकवाद के खिलाफ...

ताबड़तोड़ हमला किया। जो पूरी तरह से नाकाम रहा। अंत में घबराकर दुश्मन ने 10 मई की शाम करीब पांच बजे से भारत के साथ संघर्षविराम लागू करने में ही अपनी भलाई समझी। पहलगाम हमले के बाद ही भारत ने पाकिस्तान के साथ पहले से ही ठंडे बस्ते में चल रहे द्विपक्षीय संबंधों पर पूर्ण विराम लगा दिया था। सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया गया। साथ ही पड़ोसी दुश्मन देश को यह भी संदेश दे दिया कि जब तक वह नई दिल्ली के खिलाफ सीमा पार आतंकवाद को पूरी तरह से समाप्त नहीं करेगा। तब तक दोनों देशों के आपसी संबंध पहले की तरह सामान्य नहीं होंगे। भारत आतंकवाद के विरूद्ध शून्य सहिष्णुता (जीरो टॉलरेंस) की नीति पर पूरी मजबूती के साथ डटा रहेगा।

सेशेल्स की स्वतंत्रता...

प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी भी सेशेल्स की यात्रा कर चुकी हैं। जिसके बाद लगभग चार दशक से अधिक वक्त बीत जाने के बाद की गई यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली सेशेल्स यात्रा थी।

सुप्रीम कोर्ट बोला...

अवकाश के बाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित एसआईटी बिना किसी नियमित प्राथमिकी (एफआईआर) के जांच कर रही है, इसलिए करोड़ों भक्तों का भरोसा बनाए रखने के लिए एक स्वतंत्र और विशेषज्ञ एजेंसी से जांच कराई जानी चाहिए। विवादों के बीच श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक की तारीख में बदलाव किया गया है। पहले यह बैठक 11 जुलाई को होनी थी, लेकिन अब यह 6 जुलाई को कारसेवक पुरम में आयोजित की जाएगी।

आरोपियों के खाते खंगाले गए : इस मामले में गिरफ्तार किए गए सभी 8 आरोपियों की न्यायिक हिरासत को कोर्ट ने 14 दिनों के लिए और बढ़ा दिया है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 13 जुलाई को होगी। पुलिस सोमवार को एसबीआई की अयोध्या धाम शाखा पहुंची, जहां 7 आरोपियों के खाते हैं। पुलिस ने बैंक स्टेटमेंट जब्त कर यह जांचना शुरू कर दिया है कि मंदिर में नौकरी मिलने के बाद से उनके खातों में कितना पैसा आया। पुलिस ने मंदिर ट्रस्ट के पूर्व पदाधिकारियों चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव से भी पूछताछ कर उनके बयान दर्ज किए हैं।

3 दिन में अयोध्या नहीं छोड़ा तो शहर ब्लॉक कर देंगे : फैजाबाद बार एसोसिएशन ने इस मामले को लेकर बेहद सख्त रुख अपनाया है। एसोसिएशन की आम सभा की बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास किया है कि कोई भी स्थानीय वकील इन 8 आरोपियों की पैरवी नहीं करेगा। यदि कोई वकील इस फैसले का उल्लंघन करता है, तो उस पर 5 लाख रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। वकीलों का कहना है कि इस चोरी से करोड़ों हिंदुओं की भावनाएं आहत हुई हैं। वकीलों ने मंदिर प्रबंधन से जुड़े चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव को 3 दिन के भीतर अयोध्या छोड़ने का अल्टीमेटम दिया है। वकीलों ने चेतावनी दी है कि यदि वे तीन दिन में नहीं गए, तो पूरे अयोध्या शहर को ब्लॉक कर दिया जाएगा।

6 जुलाई को होगी राम...

से कराई गई। जबकि श्री राम जन्मभूमि सेवा समिति चंदे में हेराफेरी के बाद मंगलवार को पहली बार कॉन्फ्रेंस करने जा रही है!

खामेनेई के अंतिम...

प्रार्थना सभाएं भी आयोजित की जाएंगी। इस पूरे घटनाक्रम के अंत में 9 जुलाई को सर्वोच्च ईरानी नेता को उनके पैतृक शहर मशहद में इमाम रज़ा की दरगाह पर सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। जिसमें उनके पुत्र मोजताबा खामेनेई की अहम भूमिका रहेगी। कार्यक्रम में लाखों (लगभग 20 मिलियन) की तादाद में लोगों के जुटने और अपने प्रिय नेता को श्रद्धांजलि देने की संभावना है। युद्ध और तनाव के बीच आयोजित किए जा रहे इस कार्यक्रम में तेहरान की आम जनता लगभग 40 वर्षों तक ईरान को दिशा देने वाले अपने प्रिय नेता को अंतिम विदाई देगी।

28 फरवरी को मारे गए खामेनेई : गौरतलब है कि ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने सर्वोच्च नेता के राजकीय अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए आधिकारिक रूप से आमंत्रित किया था। जिसके बाद केंद्र के स्तर पर उक्त निर्णय लिया गया है। खामेनेई की इस साल 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल द्वारा संयुक्त रूप से किए गए हवाई हमले में मौत हो गई थी। जिसके बाद लगातार टाले जाने की वजह से अभी तक उनका अंतिम संस्कार नहीं हो पाया है। अब उसके लिए ईरान ने 4 से 9 जुलाई तक का समय तय किया है। जिसमें दुनियाभर के कई दिग्गज नेता शामिल होंगे।

ईरानी दूतावास जाकर दुख जताया : पूर्व में 28 फरवरी को अली खामेनेई की मौत के करीब एक सप्ताह बाद भारत की ओर से विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने नई दिल्ली स्थित ईरान के दूतावास जाकर वहां शोक पुस्तिका में हस्ताक्षर कर देश की ओर से शोक-संवेदनाएं प्रकट की थीं। 2024 में ईरान के पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की हेलीकॉप्टर दुर्घटना में हुई मृत्यु के बाद भी उनके अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए भारत की तरफ से पूर्व राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की अगुवाई में एक प्रतिनिधिमंडल को ईरान भेजा गया था। साथ ही राष्ट्रपति रईसी की मौत के बाद देश में एक दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा भी की गई थी।

मोदी सरकार ने नक्सलवाद...

गणमान्य एवं पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। नितिन नवीन ने कहा कि आज जिस प्रकार से जनजातीय चेतना पूरे देश और पूरे विश्व में बहुत तेज़ी से आगे बढ़ी है, उसी प्रकार हर समाज चाहता है कि उसका सम्मान बढ़े, उसके जीवन स्तर में सुधार आए और वह भारत के विकास में अपना योगदान भी दे। नवीन ने कहा कि हर व्यक्ति, चाहे वह किसी भी समाज में जन्म क्यों न ले, हमेशा चाहता है कि उसे पहले सम्मान मिले और फिर संसाधन तो मिलेंगे ही। जो व्यक्ति सम्मान देगा, वह निश्चित रूप से संसाधनों की भी चिंता करेगा और आपकी समस्याओं के समाधान के लिए भी आगे बढ़ेगा। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि जिस भारत में जनजातियों के विकास के लिए वर्ष 2014 से पहले भारत सरकार का बजट मात्र 4,000 करोड़ रुपये होता था और उसी बजट से समाज के विकास की बात की जाती थी, उसे प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2025-26 में इस समाज के विकास के लिए लगभग 15,000 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है। आज केवल योजनाएँ कागज़ों पर नहीं बन रही हैं और न ही उनका आकार केवल आँकड़ों तक सीमित है, बल्कि योजनाओं के क्रियान्वयन का पूरा रोडमैप तय किया है। जिस पीवीटीजी समूह की चर्चा की जा रही थी, जनजाति गौरव दिवस के अवसर पर वर्ष 2023 में, जबकि कुल 76,000 करोड़ रुपये की राशि निर्धारित है, उसी वर्ष लगभग 24,000 करोड़ रुपये की पीएम जनमन योजना की शुरुआत की गई। यह योजना उन 18 राज्यों में चिन्हित 75 पीवीटीजी समूहों तथा 22,500 गाँवों में रहने वाले जनजाति समाज के भाई-बहनों के उत्थान के लिए प्रारंभ की गई है। इसका उद्देश्य उनके गाँवों में पक्के आवास, स्वच्छ पेयजल, बिजली, शिक्षा, पोषण, सड़क, दूरसंचार तथा अन्य सभी आवश्यक सुविधाएँ पहुँचाना है, ताकि जनजाति समाज का कोई भी भाई अपना घर, अपना जंगल और अपनी जड़ों को छोड़ने के लिए मजबूर न हो।

यमुना जल परियोजना के...

एक उत्कृष्ट उदाहरण है। यह समझौता इस बात का उदाहरण है कि अगर राज्य सहकारी संघवाद की सोच को आगे बढ़ाएं तो तीन दशक पुरानी समस्या भी सरलता से सुलझ सकती है। शाह ने कहा कि आज हुए समझौते के तहत जुलाई से अक्टूबर तक लगभग 580 एमसीएम पानी यमुना नहर से तीन भूमिगत पाइपलाइंस के जरिए राजस्थान तक पहुंचाया जाएगा। इन तीन पाइपलाइंस का व्यास 3.6 मीटर से भी अधिक है जिनके माध्यम से राजस्थान और हरियाणा राज्यों के लोगों के लिए पेयजल की व्यवस्था होगी। श्री शाह ने कहा कि यह समझौता दोनों राज्यों के लिए लाभदायक है। समझौते में वित्तीय जिम्मेदारी, लागत साझीकरण, जल आवंटन और जल छोड़ने के प्रोटोकॉल और रखरखाव का बारीकी से ध्यान रखा गया है। इस वैज्ञानिक रूप से परिपूर्ण समझौते में बुनियादी ढांचे का संचालन, रखरखाव, निगरानी तंत्र, पारदर्शिता के उपायों और विवाद समाधान की प्रक्रिया को भी बहुत बढ़िया तरीके से समाहित किया गया है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि हरियाणा, राजस्थान और विशेषकर केन्द्रीय जल आयोग ने इस समझौते का जो प्रारूप बनाया है वह आने वाले कई दशकों तक विवादहीन समझौते के रूप में स्थापित रहेगा। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री सी आर पाटिल की अध्यक्षता में कुछ ही दिनों में इस समस्या का समाधान निकल गया। इस समझौते के बाद राजस्थान के सीकर, चूरू और झुंझुनू के साथ-साथ हरियाणा के भिवानी और फतेहाबाद क्षेत्रों में भी पीने का पानी पहुंचाने की व्यवस्था हो जाएगी। शाह ने कहा कि इस समझौते से हरियाणा और राजस्थान विशेषकर राजस्थान, में पीने के पानी की समस्या के निवारण में बहुत सहायता मिलेगी। जो पानी किसी काम नहीं आ रहा था, इस समझौते के बाद अब वह पानी लोगों की प्यास बुझाने और बड़े तालाबों में संचयित होकर भूजलस्तर बढ़ाने के काम आएगा।

लखनऊ एयरपोर्ट बना

देश का पहला एफएसएसएआई प्रमाणित 3 स्टार 'ईट राइट कैंपस'

हरिभूमि न्यूज ⏭ लखनऊ

चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण से 'ईट राइट कैंपस' प्रमाणन हासिल करने वाला यह भारत का पहला एयरपोर्ट बन गया है। यह प्रमाणन 23 मार्च 2028 तक दो वर्षों के लिए दिया गया है। खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता मानकों के उत्कृष्ट पालन पर एयरपोर्ट को 3-स्टार रेटिंग भी मिली है। यह प्रमाणपत्र अपर जिलाधिकारी (पूर्वी) महेंद्र पाल सिंह ने प्रदान किया। स्वतंत्र थर्ड-पार्टी ऑडिट के दौरान एयरपोर्ट के सभी फूड आउटलेट्स का खाद्य सुरक्षा, स्वच्छता, पौष्टिक भोजन, सुरक्षित पेयजल, खाद्य अपशिष्ट प्रबंधन और जागरूकता जैसे मानकों पर मूल्यांकन किया गया।

राबड़ी देवी ने घर खाली करने के लिए मांगी मोहलत

5 जुलाई तक का समय दें, भवन निर्माण विभाग को लिखा पत्र

एजेंसी ⏭ पटना

पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी का आवास आज यानी सोमवार को भी खाली होगा या नहीं इसपर अब सस्पेंस बन गया है। जी हां, दरअसल राबड़ी देवी ने भवन निर्माण विभाग को खत लिख कर 10 सर्कुलर रोड स्थित आवास को खाली करने के लिए अतिरिक्त समय दिए जाने की मांग की है। बताया जा रहा है कि राबड़ी देवी की तरफ से इस संबंध में आवास खाली करने के लिए 5 जुलाई तक का समय मांगा गया है। यहां आपको बता दें कि 5 जुलाई राष्ट्रीय जनता दल का स्थापना दिवस भी है। हालांकि, पूर्व सीएम राबड़ी देवी द्वारा भवन निर्माण विभाग को खत लिख कर आवास खाली करने के लिए अतिरिक्त समय मांगे जाने को लेकर कहा जा रहा है इसकी वजह एक रजिस्टर है।

नई दिल्ली, मंगलवार
30 जून 2026
हरिभूमि

सहेली

पचास-पचपन की उम्र हुई नहीं कि हमें यह लगने लगता है, अब कुछ नया करने की उम्र गई। यह सोचना गलत है, उम्र के किसी पड़ाव पर आप कुछ ऐसा कर सकती हैं, जो आपको नई पहचान दे। अपने आस-पास ऐसे कई उदाहरण भी मिल जाएंगे, जब महिलाओं ने बड़ी उम्र में कुछ अनोखा करके अपनी नई पहचान के लिए उड़ानें भरी हैं।

हर उम्र में संभव है नई पहचान की उड़ान

कवर स्टोरी
स्नेहा सिंह

'अब उम्र हो रही है, इस उम्र में क्या कुछ नया करूंगी।' पचास-पचपन की उम्र की महिलाओं को यह कहते हुए हम अकसर सुनते हैं। हमारे समाज में लंबे समय तक महिलाओं को कुछ निश्चित भूमिकाओं में बांधकर देखा जाता है- बेटी, पत्नी, बहू और मां की भूमिका में। इन भूमिकाओं को निभाते-निभाते ज्यादातर महिलाएं यह मान बैठती हैं कि उनके अपने सपने पूरा करने, कुछ नया करने की संभावनाओं का समय पीछे छूट चुका है, अब वे कोई उड़ान नहीं भर सकती हैं, अपनी कोई नई पहचान नहीं बना सकती हैं। लेकिन सच इससे बिल्कुल अलग है। जीवन किसी कैलेंडर की तारीख का नाम नहीं, निरंतर बदलती संभावनाओं की यात्रा है। आज समय भी काफी बदल चुका है। इस नए दौर में आप किसी भी उम्र में जीवन के नए पड़ाव पर आकर कुछ नया कर सकती हैं। हर उम्र में नई पहचान बना सकती हैं। किसी क्षेत्र में नए सिरे से अपना करियर शुरू कर सकती हैं, अपने भीतर छिपी क्षमताओं को पहचान सकती हैं, कुछ बड़ा कर सकती हैं। इतना ही नहीं, लोगों के लिए एक मिसाल बन सकती हैं।

उम्र केवल बताती है शारीरिक अवस्था

महिलाओं के लिए यह समझना आवश्यक है कि उम्र केवल शारीरिक अवस्था बताती है, संभावनाओं की सीमा नहीं। अनेक महिलाएं बच्चों के बड़े हो जाने के बाद अपने पुराने शौक फिर से शुरू करती हैं। कोई संगीत-नृत्य सीखती है, कोई अभिनय, कोई चित्रकला, लेखन तो कोई अपना व्यवसाय शुरू करती हैं। कई महिलाएं सामाजिक कार्यों में सक्रिय होकर अपनी पहचान बनाती हैं।

स्वयं को फिर से पहचानने का समय

महिलाओं का एक बड़ा वर्ग ऐसा है, जिसने जीवन का अधिकांश समय दूसरों के लिए समर्पित कर दिया होता है। परिवार की जिम्मेदारियों के बीच उन्होंने अपने सपनों को पीछे छोड़ दिया होता है। लेकिन जीवन का कोई भी चरण हो, स्वयं को पुनः खोजने का अवसर बन सकता है। यह समय स्वयं से कुछ प्रश्न पूछने का होता है कि 'मुझे वास्तव में क्या करना अच्छा लगता है? कौन-सा सपना मैंने अधूरा छोड़ दिया था? मैं अपने लिए क्या नया सीखना चाहती हूं? मैं अपने जीवन को और अर्थपूर्ण कैसे बना सकती हूं?' इन प्रश्नों के उत्तर कई बार जीवन की नई दिशा तय कर देते हैं। आज ऑनलाइन एजुकेशन, डिजिटल प्लेटफॉर्म और सामाजिक अवसरों ने सीखने और आगे बढ़ने की अनंत संभावनाएं खोल दी हैं।

आत्मविश्वास की नई उड़ान

देखा जाता है कि कुछ नया करने की चाहत में महिलाओं को अकसर यह डर सताता है कि समाज क्या कहेगा? लेकिन जीवन के नए खूबसूरत पड़ाव उन्हीं को मिलते हैं, जो दूसरों की धारणाओं से अधिक अपने सपनों पर विश्वास करते हैं। पचास-पचपन साल की आयु में कोई नया काम शुरू करना असामान्य नहीं है। दुनिया में ऐसे अनगिनत उदाहरण हैं, जहां लोगों ने जीवन के उत्तरार्ध में बहुत बड़ी सफलताएं प्राप्त की हैं। महत्वपूर्ण यह नहीं कि शुरुआत कब हुई, शुरुआत हुई यह बात मायने रखती है। जब महिलाएं स्वयं पर विश्वास करती हैं, तब उम्र उनकी राह का अवरोध नहीं बनती, बल्कि अनुभव उनकी सबसे बड़ी पूंजी बन जाती है, जिसके सहारे वे अपनी तरक्की की सीढ़ियां चढ़ती हैं। एक बड़ी पहचान पाती हैं।

नई शुरुआत का साहस

जीवन का सबसे सुंदर सत्य यह है कि हर सुबह एक नया अवसर लेकर आती है। चाहे कोई सपना पूरा करना हो, नया कौशल सीखना हो या स्वयं को फिर से पहचानना हो, हर उम्र

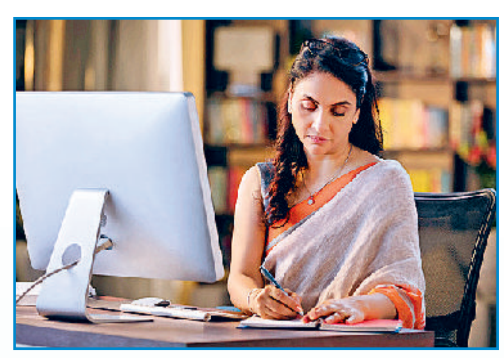

इसके लिए उपयुक्त होती है। महिलाओं को यह याद रखना चाहिए कि उनकी पहचान केवल उनकी जिम्मेदारियों तक सीमित नहीं है। वे सपने देखने, स्वयं निर्णय लेने और नया जीवन शुरू करने का पूरा अधिकार रखती हैं। हम इस बात को समझें, उम्र केवल वर्षों की गिनती है, जबकि जीवन संभावनाओं का नाम है। इसलिए यदि मन में उम्मीद, आत्मविश्वास और सकारात्मक भाव हैं तो कोई भी उम्र जीवन का नया पड़ाव बन सकती है। किसी भी उम्र में कोई नई शुरुआत की जा सकती है, अपने सपने पूरे किए जा सकते हैं और एक शानदार पहचान पाई जा सकती है।

सकारात्मक सोच का जादू

नई शुरुआत की सबसे बड़ी शर्त है- सकारात्मक सोच। जीवन में हर व्यक्ति को असफलताओं, निराशाओं और संबंधों की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। लेकिन जो लोग आशा बनाए रखते हैं, वे हर कठिनाई में अवसर खोज लेते हैं। सकारात्मक सोच का अर्थ समस्याओं को नकारना नहीं, बल्कि यह विश्वास रखना है कि उनका समाधान संभव है। यही सोच व्यक्ति को आगे बढ़ने की शक्ति देती है। स्वयं के प्रति सम्मान और भविष्य के प्रति आशा जगाती है, जीवन को नई दिशा प्रदान करती है। जब हम अतीत के बोझ को छोड़कर वर्तमान को स्वीकार करते हैं, तब नए रास्ते अपने आप खुलते जाते हैं।

अपने रिश्तों को ऐसे बनाए रखें स्ट्रॉन्ग

मैरीड रिलेशन का स्ट्रॉन्ग होना बहुत जरूरी है। मजबूत रिश्तों की नींव प्रेम, अपनापन, भरोसा, खुला संवाद, संवेदनशीलता और आपसी सम्मान पर टिकी होती है। इन बातों को अपनाकर आप अपने पार्टनर के साथ एक खुशहाल जिंदगी जी सकती हैं।

मैरीड लाइफ
शिखर चंद जैन

हमारे जीवन में मजबूत रिश्तों का बहुत महत्व है, ये हमारा जीवन खुशहाल बनाते हैं। बात जब पति-पत्नी के रिश्ते की हो तो यह बात और ज्यादा मायने रखती है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की प्रसिद्ध हार्वर्ड स्टडी ऑफ एडल्ट डेवलपमेंट बताती है कि खुशहाल जीवन का सबसे बड़ा आधार सिर्फ रोमांटिक रिश्ते नहीं, मजबूत सामाजिक संबंध भी होते हैं। रिश्तों का दायरा जब दोस्ती, परिवार, सहकर्मियों और समाज तक फैलता है, तब जीवन अधिक संतुलित और संतोषजनक हो जाता है। मैरीड लाइफ में अपने पार्टनर के साथ रिश्ते मजबूत और मधुर रखने के लिए कुछ सामान्य बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

'ट्रस्ट बैंक' बनाएं: रिश्ते बैंक अकाउंट की तरह होते हैं। इसमें ट्रस्ट का होना बहुत जरूरी है। जब आप किसी से किया वादा निभाती हैं, तो आप प्यार-स्नेह और साख अपने रिश्ते के बैंक अकाउंट में डिपॉजिट करती हैं। जब आप वादा तोड़ती हैं, तो आपका खाता डेबिट होता है। हमेशा एक मजबूत रिश्ते के लिए अकाउंट में भरोसा और प्यार का बैलेंस ज्यादा होना चाहिए।

विनम्र और संवेदनशील बनें: किसी भी रिश्ते में मजबूती की पहली शर्त विनम्रता और संवेदन शीलता होती है। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की एक स्टडी बताती है कि परोपकार और दूसरों की मदद करने से दिमाग में 'लव हार्मोन' यानी ऑक्सीटोसिन का लेवल बढ़ता है। जब हम बिना किसी स्वार्थ के कुछ देते हैं तो खुद के भीतर भी अपनापन और संतोष बढ़ता है। संतोष की यही भावना हमारे पारस्परिक रिश्तों को भी मजबूत बनाती है।

खुली बातचीत जरूरी: रिश्तों में मौन और मन ही मन शिकायत से अकसर गलतफहमी पैदा होती है। अपनी जरूरतों, डर और इच्छाओं को खुलकर कहें। यह मान लेना कि 'उसे तो पता ही होगा' अकसर रिश्तों में दूरी का कारण बनता है। अपनी भावनाओं को स्पष्ट रूप से कहें और पार्टनर को समझने का मौका दें।

बनाए रखें रिश्ते की मर्यादा: किसी भी रिश्ते में नोक-झोंक या छोटे-मोटे झगड़े होना सामान्य सी बात है। चाहे झगड़ा कितना भी बड़ा क्यों न हो, रिश्ते की मर्यादा बनाए रखें। कभी भी 'ब्रेकअप' या अलग होने की धमकी न दें। अपशब्दों का प्रयोग या पार्टनर को नीचा दिखाना आपके रिश्ते में हमेशा के लिए कड़वाहट घोल सकता है।

बिना शर्त स्वीकार्यता: यूनिवर्सिटी ऑफ टोरंटो की रिसर्च बताती है कि जो लोग रिश्तों को परफेक्ट मानने की उम्मीद करते हैं, वे जल्दी निराश होते हैं। दूसरों को वैसा स्वीकार करें, जैसे वे हैं। उन्हें बदलने की कोशिश न करें।

एक-दूसरे को दें क्वालिटी टाइम: सिर्फ एक-दूसरे के साथ होना काफी नहीं है, एक-दूसरे से बातें भी करें। बिना फोन या टीवी के एक-दूसरे के साथ समय बिताएं। यह जुड़ाव को गहरा करता है, पुराने मीठे पलों को याद करने का मौका देता है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया की रिसर्च बताती है कि रिश्तों की गुणवत्ता इस बात से तय नहीं होती कि हम साथ में कितना समय बिताते हैं, यह इस बात से तय होती है कि हम बिना किसी डिस्ट्रक्शन के एक-दूसरे के साथ कितनी और कैसी बातचीत करते हैं।

आभार और प्रशंसा: अकसर हम छोटी-छोटी चीजों या बातों को टेकेन फॉर ग्रांटेड ले लेते हैं। छोटी बातों पर तारीफ करना, रिश्ते में जादू की तरह असर करती हैं। रिलेशनशिप एक्सपर्ट जॉन गेटमैन कहते हैं, 'रिश्तों में संवाद का मतलब सिर्फ शिकायत या अपेक्षाएं करना नहीं होता बल्कि एक-दूसरे की सराहना करना भी शामिल होता है।'

यह सही है कि वर्कप्लेस पर बढ़िया परफॉर्म करने और उन्नति के लिए मेहनत, लगन से कार्य करना सबसे जरूरी है। लेकिन ऑफिस में आपका मन न लगे तो कुछ वास्तु उपायों को आजमा सकते हैं। इससे आपका मन तो लगेगा ही आप निरंतर उन्नति भी करेंगे।

अगर ऑफिस में नहीं लगता मन वास्तु के अनुसार करें ये बदलाव

वास्तु सलाह
अनीता जैन, वास्तुविद

ऑफिस में हमारी डेस्क केवल काम करने की जगह नहीं होती, बल्कि यह हमारी ऊर्जा, मनोदशा और कार्यक्षमता को भी प्रभावित करती है। कई बार व्यक्ति उत्साह के साथ ऑफिस तो पहुंच जाता है, लेकिन डेस्क पर बैठते ही थकान, चिड़चिड़ापन या काम में मन न लगने जैसी समस्याएं महसूस होने लगती हैं। वास्तुशास्त्र के अनुसार कार्यस्थल पर मौजूद सकारात्मक या नकारात्मक ऊर्जा का सीधा प्रभाव हमारे मन और करियर पर पड़ता है। इसलिए यदि आपकी ऑफिस डेस्क व्यवस्थित, सुंदर और सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर होगी, तो कार्य में मन भी लगेगा और तरक्की के रास्ते भी खुलेंगे।

डेस्क पर बढ़ाएं हरियाली: वास्तुशास्त्र में हरे-भरे पौधों को समृद्धि और शांति का प्रतीक माना गया है। ऑफिस डेस्क के उत्तर या पूर्व दिशा में मनी प्लांट, बैंबू प्लांट या छोटे इनडोर प्लांट्स रखना शुभ माना जाता है। हरा रंग मानसिक सुकून देने के साथ तनाव को कम करने में भी सहायक होता है। वहीं सूखे, कांटेदार या बोनसाई पौधों को डेस्क पर नहीं रखना चाहिए, क्योंकि इन्हें निराशा और रुकावट का सूचक माना गया है। डेस्क के उत्तर दिशा में हरियाली, जंगल या लहलहाती फसलों का चित्र लगाने से मन प्रसन्न रहता है और मेहनत का पूरा फल मिलता है।

सकारात्मक चित्र देते हैं प्रेरणा: ऑफिस डेस्क पर लगाए गए चित्र भी आपके मन और ऊर्जा पर प्रभाव डालते हैं। रोता हुआ बच्चा, डूबता जहाज, आग, टूटी मूर्ति या कांटेदार पौधों के चित्र नकारात्मकता बढ़ाते हैं। इसके स्थान पर उगते सूर्य, उड़ते पक्षी, भागते घोड़े, स्वस्तिक या पेड़-पौधों के चित्र लगाना शुभ माना जाता है। वास्तुशास्त्र के अनुसार डेस्क के उत्तर-पूर्व दिशा में अपने इष्टदेव की छोटी तस्वीर अवश्य रखनी चाहिए। कार्य शुरू करने से पहले उन्हें प्रणाम करने से मानसिक स्पष्टता प्राप्त होती है और व्यक्ति को सकारात्मक मार्गदर्शन मिलता रहता है। इससे आत्मविश्वास और कार्य क्षमता में भी वृद्धि होती है।

फूल-प्रकाश बढ़ाते हैं उत्साह: ऑफिस डेस्क पर ताजे फूलों का छोटा गुलदस्ता रखने से वातावरण खुशनुमा बना रहता है। वास्तु के अनुसार फूल सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करते हैं और मानसिक तनाव कम करने में मदद करते हैं। ध्यान रखें कि मुरझाए या सूखे फूल तुरंत हटा देने चाहिए, क्योंकि ये नकारात्मकता बढ़ाते हैं। इसके साथ ही डेस्क के आस-पास सही प्रकाश व्यवस्था होना भी बेहद जरूरी है। बहुत तेज या बहुत कम रोशनी आंखों और मन दोनों को प्रभावित करती है। पर्याप्त प्रकाश न होने पर वहां नकारात्मक ऊर्जा बढ़ने लगती है, जिससे कार्यों में बाधा, बहस और मानसिक अस्थिरता पैदा हो सकती है। इसलिए हमेशा ऐसी लाइटिंग रखें, जो आंखों को सुकून दे और काम करने में सहजता महसूस हो।

साफ-सुथरी और व्यवस्थित हो डेस्क: वास्तुशास्त्र के अनुसार गंदी-अव्यवस्थित डेस्क नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाती है। डेस्क को हमेशा साफ-सुथरा और व्यवस्थित रखना चाहिए। पेन-पेंसिल और अन्य जरूरी सामान के लिए सुंदर पेन स्टैंड का उपयोग करें।

नेचुरल कूलिंग क्रीम से पाएं ताजगी का एहसास

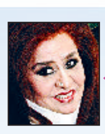

स्किन केयर
शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

उमस भरे इस मौसम में इंटरनल हेल्थ के साथ-साथ त्वचा की देखभाल भी जरूरी है। गर्मी, पसीना और धूल मिट्टी से त्वचा चिपचिपी और बेजान हो जाती है। कुछ लोगों को तो जलन भी महसूस होने लगती है। इससे राहत पाने के लिए कई महिलाएं ब्यूटी सैलूनों में ट्रीटमेंट करवाने जाती हैं या ब्रांडेड कंपनियों के ब्यूटी प्रोडक्ट्स अप्लाई करती हैं। ये काफी महंगे तो होते ही हैं, कई बार इनसे कोई खास फायदा भी नहीं मिलता है। ऐसे में आप चाहें तो घर में मौजूद नेचुरल चीजों से ही ईजिली नेचुरल कूलिंग क्रीम तैयार कर सकती हैं। ये क्रीम्स फेस स्किन को कूल करेंगी और आपको ताजगी का अहसास भी दिलाएंगी।

एलोवेरा-गुलाब जल क्रीम: इस कूलिंग क्रीम को तैयार करने के लिए कांच की कटोरी में एक चम्मच एलोवेरा जैल, एक चम्मच गुलाब जल और एक चम्मच खीरे के रस को एक चम्मच की मदद से तब तक अच्छे से मिक्स करें, जब तक कि यह एक हल्की और मुलायम क्रीम जैसा न दिखने लगे। जैसे ही इसका टेक्सचर क्रीमी हो जाए, समझ लीजिए आपकी होममेड कूलिंग क्रीम तैयार है। इस क्रीम को फ्रिज में रख लें। इस क्रीम को आप सीधे चेहरे और त्वचा के खुले हिस्से पर लगा सकती हैं और लगाने के कुछ देर बाद ताजे ठंडे पानी से धो डालिए। चिपचिपी गर्मी के मौसम में राहत दिलाने में यह बहुत कारगर क्रीम है। रात या दिन में लगाने से पहले चेहरे को साफ पानी से जरूर धो लें ताकि चेहरे पर जमा धूल, मिट्टी और प्रदूषण को हटाया जा सके, अन्यथा यह क्रीम ज्यादा प्रभावी नहीं होगी। चेहरे को साफ करने के बाद इस क्रीम को हल्के हाथों से आहिस्ता-आहिस्ता लगाएं और इसे कुछ समय के लिए छोड़ दें। कुछ देर बाद आप चेहरा धो सकती हैं। इस क्रीम को आप दिन में दो बार यानी सुबह और रात में इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके नियमित उपयोग से चेहरे को ठंडक मिलेगी और ताजगी का भी अहसास होगा। इस क्रीम को बनाने के दो-तीन दिन के अंदर ही उपयोग कर लें, क्योंकि इसमें किसी प्रिजर्वेटिव का इस्तेमाल नहीं होता है।

एलोवेरा-कैस्टर ऑयल क्रीम: कांच की कटोरी में 2 चम्मच एलोवेरा जैल, एक चम्मच कैस्टर ऑयल और 2 विटामिन-ई के कैप्सूल मिला लें। रात को सोते समय इस क्रीम को चेहरे पर इस तरह लगाएं कि क्रीम चेहरे पर पूरी तरह से एब्जॉर्ब हो जाए। रोज लगाने से कुछ ही दिनों में आपको फर्क नजर आना शुरू हो जाएगा।

उमस भरे मौसम में ऐसी हो डाइट

इस मौसम में डाइट प्लान बनाते समय महिलाओं को अपनी उम्र का ध्यान रखना जरूरी है। किस एज की महिलाओं का कैसा होना चाहिए डाइट प्लान, यहां डिटेल में बता रहे हैं।

डाइट एडवाइस
डॉ. अंशु चौहान
डाइटीशियन

हालांकि कई इलाकों में बारिश शुरू हो चुकी है लेकिन अभी उमस भरी गर्मी बरकरार है। दिन के समय धूप निकलते ही गर्मी बेचैन करने लगती है। ऐसे में आपको थकान, चिड़चिड़ापन, कमजोरी या डिहाइड्रेशन जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इनसे बचने के लिए अपनी डाइट सही ढंग से प्लान करना जरूरी है।

टीनएजर्स डाइट: इस उम्र में लड़कियों का शरीर तेजी से बढ़ता है। पीरियड्स भी शुरू हो जाते हैं और हार्मोनल उतार-चढ़ाव सबसे अधिक होते हैं। इसलिए इनकी डाइट में आयरन, कैल्शियम और मैक्रो न्यूट्रिएंट्स सबसे जरूरी होते हैं।

क्या खाएं: सुबह सबसे पहले खाली पेट एक ग्लास सादा पानी पिएं। नाश्ते में मूंग दाल का चीला या दलिया लें। दोपहर के भोजन में रोटी, दाल, हरी सब्जी और एक कटोरी दही लें। जिससे सारे पोषक तत्व शरीर को पर्याप्त मात्रा में मिल सकेंगे। दही में मौजूद प्रोबायोटिकस हार्मोस को नेचुरली बैलेंस करते हैं। भीगे हुए पांच से छह बादाम रोज खाएं। छाछ में जीरा और काला नमक मिलाकर दोपहर में लें, क्योंकि यह पेट को ठंडा रखने में मदद करता है। सत्तू के शर्बत में नीबू, काला नमक और जीरा पावडर मिलाकर लें। यह सबसे सस्ता प्रोटीन और एनर्जी ड्रिंक है। नारियल पानी का सेवन इलेक्ट्रोलाइट्स बैलेंस करने के साथ-साथ थकान और डिहाइड्रेशन से भी बचाता है।

क्या न खाएं: पैकेज्ड फूड्स, ड्रिंक्स, पिज्जा, बर्गर और मैदा की बनी कोई चीज खाने से बचें। चाय-कॉफी भी कम पिएं।

युवा महिलाएं: इस उम्र की महिलाओं को एनर्जी, फर्टिलिटी और हार्मोनल बैलेंस, तीनों का एक साथ ध्यान रखना जरूरी है। आपकी थोड़ी-सी लापरवाही से पीसीओडी, थायरॉइड और क्रॉनिक फटीग जैसी समस्या से आप घिर सकती हैं।

क्या खाएं: आपकी डाइट में पर्याप्त प्रोटीन, कार्ब्स, गुड फैट्स, फाइबर और मिनरल्स होने चाहिए। साथ ही एक छोटी चम्मच अलसी का पावडर आहार में शामिल करें, जो ओमेगा 3 फैटी एसिड्स जैसे तत्वों से भरपूर होती है। इसके अलावा रात को भिगोकर रखे गए मेथी बीज को सुबह खाएं। यह थायरॉइड और ब्लड शुगर दोनों को मेंटेन रखता है। नारियल पानी के साथ-साथ सीजनल फ्रूट्स जैसे पपीता, अनार, खीरा नियमित अपने दिनचर्या में शामिल करना फायदेमंद होता है।

क्या न खाएं: रिफाइंड शुगर, मैदा, बाहर का तला-भुना खाना और पैकेज्ड फ्रूट जूस न लें। रात को भारी खाना न खाएं, क्योंकि यह मेटाबॉलिज्म को नुकसान पहुंचा सकता है।

40 प्लस महिलाएं: इस उम्र में अकसर मेटाबॉलिज्म धीमा होने लगता है। इसलिए इस उम्र में सही डाइट का चयन सबसे अधिक जरूरी हो जाता है। रात भर भिगोए मेथी के दाने का पानी सुबह खाली पेट पीना ब्लड शुगर, कोलेस्ट्रॉल और हार्मोन बैलेंस में सहायक है। नाश्ते में सत्तू का परांठा या दलिया खाएं। तिल इस उम्र की महिलाओं के लिए सबसे जरूरी फूड है। दोपहर में नारियल का पानी, बेल का शर्बत पिएं, जो लिवर को ठंडा रखने में कारगर साबित होता है। शाम को छाछ में जीरा और सेंधा नमक मिलाकर पिएं। लौकी, तोरई, टिंडा और पुदीने की चटनी रोज खाने से इस उमस भरे मौसम में शरीर में ठंडक बनी रहती है।

क्या न खाएं: अधिक नमक वाला और तला-भुना खाना न खाएं क्योंकि ये ब्लड प्रेशर को बढ़ाते हैं। चाय और कॉफी की मात्रा बहुत कम लें। डाइट प्लान के लिए डाइटीशियन से संपर्क कर सकती हैं।

प्रस्तुतिः संध्या रानी

भविष्य की न्याय व्यवस्था डिजिटल साक्ष्यों, रियल-टाइम सूचना आदान-प्रदान तथा तकनीक आधारित प्रक्रियाओं पर होगी निर्भर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

न्यायमूर्ति संजीव एस. कालगांवकर ने कहा कि इंटरऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम केवल एक तकनीकी मंच नहीं, बल्कि पुलिस, न्यायपालिका, अभियोजन, फॉरेंसिक एवं अन्य विभागों के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित करने वाला एक सशक्त माध्यम है।

उन्होंने कहा कि भविष्य की न्याय व्यवस्था डिजिटल साक्ष्यों, रियल-टाइम सूचना आदान-प्रदान तथा तकनीक आधारित प्रक्रियाओं पर आधारित होगी। राज्य अपराध अभिलेख ब्यूरो की ओर से रविवार को आईसीजेएस इंप्लीमेंटेशन एंड डिजिटल इंटीग्रेशन विषय पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का भव्य एवं सफल आयोजन मिंटो हॉल भोपाल में किया गया। यह कार्यशाला अपने स्वरूप और उद्देश्य की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण साबित हुई, जिसमें इन्ट्रोपेरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम के तहत समस्त स्तंभ पुलिस, न्यायालय, अभियोजन, जेल, फॉरेंसिक एवं स्वास्थ्य एक ही मंच पर एकत्रित हुए। कार्यशाला में इन विभिन्न स्तंभो के प्रतिनिधियों ने आपसी अनुभवों, व्यावहारिक चुनौतियों तथा समाधान-आधारित विचारों को साझा करते हुए आईसीजेएस के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु समन्वित रूपरेखा पर विचार-विमर्श किया। इसमें न्यायमूर्ति संजीव एस. कालगांवकर, डीजीपी कैलाश मकवाणा, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक जयदीप प्रसाद के नेतृत्व तथा पुलिस महानिरीक्षक हरिनारायणचारी मिश्र के समन्वय में किया गया।

पुलिस, न्यायपालिका, अभियोजन, जेल एवं फॉरेंसिक सभी पांच स्तंभों के वरिष्ठ अधिकारी एक मंच पर आए

आईसीजेएस के समस्त पिलर को एकजुट करते हुए राज्य स्तरीय आईसीजेएस कार्यशाला का हुआ आयोजन

नागरिक को मिलने वाला लाभ पैमाना

न्यायमूर्ति संजीव एस. कालगांवकर ने मप्र की ओर से ई-समन, ई-वारंट, सीसीटीएनएस आधारित समन्वय एवं डिजिटल संचार जैसी पहलों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि डिजिटल व्यवस्था की सफलता का वास्तविक पैमाना आम नागरिक को मिलने वाला लाभ है। उन्होंने डिजिटल साक्ष्यों के सुरक्षित प्रबंधन, गुणवत्तापूर्ण डेटा, तकनीकी नवाचारों के उपयोग तथा सभी एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय पर बल दिया। सीसीटीएनएस 2.0 एआई एवं मशीन लर्निंग जैसी आधुनिक तकनीकों के माध्यम से भारतीय आपराधिक न्याय प्रणाली को अधिक प्रभावी, त्वरित एवं स्मार्ट बनाएगा। ऑनलाइन प्रक्रियाओं को और मजबूत करने की आवश्यकता अपर मुख्य सचिव (गृह) संजय शुक्ला ने कहा कि प्रशासनिक सुधार तथा सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के उपयोग में राज्य ने उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त की हैं, जबकि ऑपरेशनल एफिशिएंसी, विभागों के बीच डिजिटल इंटीग्रेशन एवं ऑनलाइन प्रक्रियाओं को और मजबूत करने की आवश्यकता है।

मध्यप्रदेश में 65 डीएसपी के तबादले

चर्चित अधिकारी संतोष कुमार बने भोपाल कोतवाली के एसीपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश सरकार के गृह विभाग ने शनिवार देर रात राज्य पुलिस सेवा (एसपीएस) के 65 उप पुलिस अधीक्षकों (डीएसपी) के तबादलों के आदेश जारी किए। तबादला सूची में ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन और पीथमपुर के नगर पुलिस अधीक्षकों (सीएसपी) के साथ भोपाल और इंदौर में भी कई महत्वपूर्ण पदों पर बदलाव किए गए हैं। सबसे अधिक 18 अधिकारियों की तैनाती बालाघाट स्थित हॉक फोर्स में सहायक सेनानी के रूप में की गई है।

एसीपी कोतवाली रहे चंद्रशेखर पांडे को एसडीओपी बैहर बनाया गया है, जबकि एसीपी निशातपुरा अक्षय चौधरी को बालाघाट हॉक फोर्स में सहायक सेनानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके स्थान पर शशांक जैन को भोपाल का नया एसीपी निशातपुरा बनाया गया है। चर्चित अधिकारी संतोष कुमार पटेल को हॉक फोर्स बालाघाट से भोपाल के एसीपी कोतवाली के पद पर पदस्थ किया गया है।

पदस्थापना आदेश के तहत इनका जिक्र

तबादला आदेश के तहत बालाघाट हॉक फोर्स में उदित मिश्रा, अभिलाष कुमार भलावी, आकाश अमलकर, रवि सोनेर, उमेश प्रजापति, रितेश कुमार शिव, रविंद्र सिंह राठी, आयुष कुमार अलावा, सचिन पटेल, कुंदन मंडलोई, राहुल कुमार सय्याम, अक्षय चौधरी, अतुल कुमार सोनी, अमन मिश्रा, रोहित राठौर और राकेश आर्य सहित 18 अधिकारियों को सहायक सेनानी बनाया गया है। इसके अलावा दीपक तोमर को एसडीओपी लांजी, चंद्रशेखर पांडे को एसडीओपी बैहर तथा अभिषेक गौतम को एसडीओपी परसवाड़ा (बालाघाट) पदस्थ किया गया है। तबादला सूची में ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन और पीथमपुर के सीएसपी स्तर पर भी बदलाव किए गए हैं।

खबर संक्षेप

बीयू: बीएड फोर्थ सेम परीक्षा तारीख में किया बदलाव

भोपाल। राजधानी स्थित बरकतउल्ला विश्वविद्यालय ने 2 वर्षीय बीएड (आरआईई) चतुर्थ सेमेस्टर प्रश्नपत्रों की तिथियों में बदलाव किया है। बीयू के परीक्षा नियंत्रक द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार 23/06/2026 द्वारा जारी समय सारणी अधिसूचना के अनुक्रम में 2 वर्षीय बीएड (आरआईई) चतुर्थ सेमेस्टर के सुबह 11 से 2 बजे के बीच होने वाली क्रिएटिंग एन एक्क्ल्यूसिव स्कूल विषय का पेपर पूर्व निर्धारित 3 जुलाई के स्थान पर अब 22 जुलाई को होगा। परीक्षा का समय पूर्व निर्धारित ही रहेगा।

सीएम को पत्रः वन माफिया कर रहा हमला

भोपाल। मध्य प्रदेश वन कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को पत्र लिखकर वन कर्मियों पर लगातार हो रहे हमले के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। पत्र में वन कर्मियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि आएदिन वन माफिया कर्मचारियों पर हमला कर रहे हैं, लेकिन पुलिस वन माफिया पर कोई सख्त कार्रवाई नहीं कर रही है। मंच के प्रदेशाध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया है कि रविवार खंडवा में अतिक्रमण रोकने गए वन कर्मचारियों के ऊपर वन माफिया ने प्राण घातक हमला कर दिया है। पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। गत दिनों में वन कर्मियों पर उमरिया, देवास, बैरसिया, राजगढ़ में हमला करने के बाद अब खंडवा में वन कर्मचारियों पर वन माफिया पे जानलेवा हमला कर दिया। पांडे ने बताया कि वर्ष 2026 में प्रदेश के 25 जिलों में वन कर्मचारी के ऊपर वन माफिया कर चुका है लेकिन किसी भी मामले में वन माफिया के खिलाफ ठोस कार्रवाई अभी तक नहीं की।

सैलानियों के आकर्षण के लिए होंगे एडवेंचर स्पोर्ट्स, स्थानीय युवाओं को मिलेगा प्रशिक्षण

कुकरू, चिखलदरा, मुक्तागिरी और मेलघाट को मिलाकर बनेगा एकीकृत टूरिज्म सर्किट

- प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर कुकरू पर्यटन का बनेगा प्रमुख केंद्र
- मुख्यमंत्री ने कुकरू में योगाभ्यास से की दिन की शुरुआत
- दैनिक दिनचर्या में योग को शामिल करने का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बैतूल जिले के हिल स्टेशन कुकरू को प्रदेश के बड़े पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की दिशा में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि कुकरू में पर्यटन विकास के लिए 15 करोड़ रुपए की लागत से कुकरू, चिखलदरा, मुक्तागिरी और मेलघाट को जोड़ते हुए एकीकृत टूरिज्म सर्किट विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने दिन की शुरूआत योग से की। उन्होंने योग कर प्रदेशवासियों को अपनी दैनिक जीवनशैली में योग को शामिल करने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को बैतूल के पर्यटन स्थल कुकरू के भ्रमण के दौरान यह बात कही। प्राकृतिक वादियों के बीच आयोजित योग सत्र में मुख्यमंत्री ने योग साधक की भांति विभिन्न योगासन कर सभी को नियमित योग के प्रति प्रेरित किया। मुख्यमंत्री ने योगाभ्यास के दौरान मयूरासन, शीर्षासन सहित अन्य आसनों का भी सहजता एवं पारंगत रूप से प्रदर्शन किया। उन्होंने ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, भद्रासन, वक्रासन, भुजंगासन एवं शलभासन सहित अनेक योगासनों का स्थानीय ग्रामीणों के साथ सामूहिक अभ्यास किया। साथ ही नाड़ी शोधन, तितली एवं भ्रामरी प्राणायाम भी किए। मुख्यमंत्री ने कुकरू से पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ कर बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई।

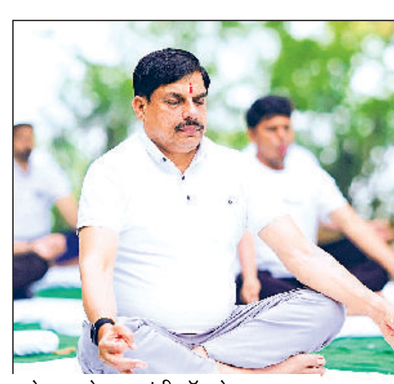
योग करते मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव।

पर्यटन सुविधाओं का होगा विकास

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कुकरू में ईको टूरिज्म, सनराइज एवं सनसेट प्वाइंट सहित अन्य प्रमुख दर्शनीय स्थलों का विकास किया जाएगा। पर्यटकों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए यहां आधुनिक सुविधाओं से युक्त ईको रिसोर्ट एवं अन्य पर्यटन अधोसंरचना विकसित की जाएगी। साथ ही ट्रैकिंग सहित विभिन्न एडवेंचर स्पोर्ट्स और रोमांचक गतिविधियां प्रारंभ की जाएंगी। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर कुकरू के पर्यटन विकास के लिए बजट में और वृद्धि भी की जाएगी।

स्थानीय उत्पादों का होगा विपणन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कुकरू अपनी उत्कृष्ट कॉफी के साथ-साथ कोदो कुटकी, आंवला, हनी, हर्रा, बहेड़ा, सफेद मूसली, भिलवा एवं अन्य प्राकृतिक उत्पादों के लिए भी प्रसिद्ध है। इन उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए स्व-सहायता समूहों की महिलाओं तथा वन विभाग के सहयोग से कुकरू नेचुर के नाम से इकाइयां स्थापित की जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुकरू क्षेत्र में दुग्ध उत्पादन की अपार संभावनाओं को देखते हुए रबड़ी, मावा, दही सहित अन्य दुग्ध उत्पादों के विक्रय केंद्र भी वन विभाग की ओर से स्थापित किए जाएंगे।

स्व-सहायता समूह की महिलाओं-नागरिकों को हेलमेट किए वितरित, अभ्यर्थियों को दिए नियुक्ति प्रमाण-पत्र

महिलाओं व नागरिकों को हेलमेट वितरित करते सीएम।

भोपाल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बैतूल जिले के कुकरू में जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान स्व-सहायता समूह की महिलाओं एवं नागरिकों को हेलमेट वितरित किए। उन्होंने वंदना सावे, सविता आठोले, संतोषी बेलकर, धर्मेंद्र सावे, सायबू आठोले तथा अशोक बेतकर को हेलमेट प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने वन रक्षक भर्ती परीक्षा में विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग से चयनित 45 अभ्यर्थियों को नियुक्ति प्रमाण पत्र वितरित किए। उन्होंने राजू बेगा, प्रमोद ठकरिया, अजय सहरिया, रानूबाई बैगा तथा ज्योति मिल्थरे को नियुक्ति प्रमाण पत्र प्रदान किए।

स्थानीय किसानों को कॉफी उत्पादन से जोड़े

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कुकरू स्थित कॉफी बागान का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कॉफी उत्पादन क्षेत्र के ग्रामीणों की आय बढ़ाने का सशक्त माध्यम बन सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कॉफी प्रोसेसिंग का कार्य कर रही ल-वॉन कंपनी के प्रतिनिधियों से चर्चा कर कॉफी प्रोसेसिंग, विपणन एवं क्षेत्र में कॉफी उत्पादन के विस्तार की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया। कुकरू में वर्ष 1944 में ब्रिटिश महिला फ्लोरेंस हेंड्रिक्स की ओर से कॉफी बागान की स्थापना की गई थी। यह कॉफी बागान लगभग 40 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला हुआ है।

छत्रपति शाहूजी महाराज की जयंती मनाई

सामाजिक न्याय और संगठन विस्तार का लिया संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

आरक्षण के जनक एवं महान समाज सुधारक राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज की 152वीं जयंती प्रदेश के विभिन्न जिलों में अपना दल (एस) ने उत्साह के साथ मनाई। इस अवसर पर सामाजिक न्याय, व्यवस्था परिवर्तन और संगठन विस्तार को लेकर कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया। कटनी, इंदौर, भोपाल, मऊगंज, सिंगरौली और सागर सहित कई जिलों में बड़ी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समाज के प्रबुद्धजन शामिल हुए। अपना दल (एस) के राष्ट्रीय महासचिव एवं मप्र प्रभारी आर.बी. सिंह पटेल ने कहा, शाहूजी महाराज और डॉ. सोनेलाल पटेल के विचारों को आधार बनाकर अपना दल (एस) सामाजिक न्याय, समान भागीदारी और व्यवस्था परिवर्तन की लड़ाई को निरंतर आगे बढ़ा रहा है। कटनी में मुख्य समारोह में अपना दल (एस) के कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष मान सिंह बिसेन मुख्य अतिथि रहे, जबकि अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सुभाष पटेल ने की। इस दौरान कई लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इंदौर में कार्यक्रम राजनीतिक रणनीतिकार डॉ. अतुल मलिकराम के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

विद्युत सामग्रियों की शिकायत पर कार्रवाई

सीधी संभाग में पदस्थ कनिष्ठ अभियंता रंजीत साहू निलंबित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने हनुमना स्थित 2 मेगावाट क्षमता के सौर ऊर्जा संयंत्र में विद्युत उपकरणों एवं विभिन्न विद्युत कंपनियों की सामग्री के संभावित दुरुपयोग संबंधी शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए कार्यालय कार्यपालन अभियंता (एसटीएम-एसटीसी), संभाग सीधी में पदस्थ कनिष्ठ अभियंता रंजीत कुमार साहू को निलंबित कर दिया है।

प्राप्त शिकायत के आधार पर मुख्य अभियंता (प्रवर्तन) रीवा की ओर से गठित जांच समिति ने स्थल निरीक्षण, अभिलेखों के परीक्षण तथा संबंधित अधिकारियों के कथनों के आधार पर विस्तृत जांच की गई। जांच में यह तथ्य सामने आया कि संबंधित 2 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र के विद्युत संयोजन एवं लाइन विस्तार का कार्य मे. ओम एंटरप्राइजेज, जिसकी प्रोपराइटर ममता कुमारी पत्नी रंजीत कुमार साहू ने किया था।

वीसीबी की नेम प्लेट पर मिटा दिया था विवरण

जांच के दौरान स्थापित उपकरणों एवं सामग्री के परीक्षण में कुछ विद्युत उपकरणों पर मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड का नाम अंकित पाया गया, जबकि कंट्रोल केबल पर मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड का उल्लेख पाया गया। इसके अतिरिक्त वीसीबी की नेम प्लेट पर क्रेता संबंधी विवरण मिटा हुआ पाया गया, जिसके संबंध में संबंधित कंपनियों से अभिलेखीय सत्यापन की अनुशंसा की गई है। जांच समिति ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर प्रथम दृष्टया रंजीत कुमार साहू की संभावित संलिप्तता का उल्लेख किया गया था।

पिकअप ने मारी टक्कर, ट्रक ने कुचला

सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की दर्दनाक मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सरगुजा

जिले के बतौली थाना क्षेत्र में बीती रात एक भीषण सड़क हादसा हुआ। राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर लालमाटी घाट में हुए इस हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह दुर्घटना तब हुई जब तेज रफ्तार पिकअप ने पीछे से एक बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद सड़क पर गिरे दो युवकों को पीछे से आ रहे ट्रक ने कुचल दिया। ग्राम मानपुर निवासी नान्हू (30), जयप्रकाश (35) और अकलसाय (25) एक ही बाइक पर थे। वे पत्थलगांव थाना क्षेत्र के कापू गांव से दशकर्म कार्यक्रम की सूचना देकर लौट रहे थे। शांतिपारा और बतौली के बीच लालमाटी घाट में यह हादसा हुआ। नान्हू और जयप्रकाश के सिर ट्रक के पहिए के नीचे आने से उनकी मौत हो गई। बाइक चला रहा अकलसाय सड़क किनारे गिरने से गंभीर घायल हुआ। उसे प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर रेफर किया गया है।

- शांतिपारा बतौली के बीच लालमाटी घाट में यह हादसा हुआ

हेलमेट के कारण नहीं आई गंभीर चोट

पुलिस के अनुसार, घायल अकलसाय ने हेलमेट पहन रखा था। इससे उसके सिर में गंभीर चोट नहीं आई और उसकी जान बच गई। पीछे बैठे नान्हू और जयप्रकाश ने हेलमेट नहीं पहना था। सड़क पर गिरने के बाद ट्रक की चपेट में आने से दोनों की मौत हो गई। यह घटना हेलमेट के महत्व को दर्शाती है। हादसे के बाद पिकअप और ट्रक चालक अपने वाहनों सहित फरार हो गए। पुलिस ने दोनों अज्ञात वाहनों की तलाश शुरू कर दी है। बतौली पुलिस ने अज्ञात पिकअप और ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। हादसे के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पुलिस ने किया देह व्यापार का भंडाफोड़, पांच पकड़ाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

कोतवाली थाना क्षेत्र में रविवार को पुलिस ने देह व्यापार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने कार्रवाई को पुख्ता करने के लिए पुलिस अफसरों ने अड्डे पर एक सिपाही को ग्राहक बनाकर भेजा था। मौके पर पहुंचकर सिपाही ने जानकारी दी। इसके बाद मौके पर पहुंची टीम ने छापा मारकर संचालक विजय गुजराती, देह व्यापार में लिप्त तीन महिला और दो ग्राहक को मौके से पकड़ लिया है। जानकारी के मुताबिक, पुलिस की टीम रविवार को इंदिरा मार्केट में तीन वाहनों सहित मौके पर पहुंची। इसके बाद परिसर घेरकर जांच की शुरू गई।

नीचे दुकान और आइसक्रीम पार्लर का कारोबार

जिस भवन में कार्रवाई की गई वहां नीचे मिठाई दुकान और आइसक्रीम पार्लर संचालित होता था। जबकि ऊपर बने लॉज में कथित तौर पर देह व्यापार का कारोबार चलाया जा रहा था। पकड़े गए लॉज संचालक विजय गुजराती द्वारा पिछले 5 महीने से देह व्यापार को संचालित कर रहा था। आरोपी द्वारा लॉज में हर किसी को प्रवेश नहीं दिया जाता था। केवल उन्हीं लोगों को अंदर आने दिया जाता था। जिनका मोबाइल नंबर पहले से दर्ज या सेव रहता था। इससे आशंका जताई जा रही है कि पूरा काम सुनियोजित तरीके से संचालित किया जा रहा था।

लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम नरकालो की घटना

जमीन पर सो रही बुजुर्ग महिला की सांप के काटने से मौत, शव परिजनों को सौंपा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सरगुजा

जिले के लखनपुर में एक दुखद घटना सामने आई है। जमीन पर सो रही एक 62 वर्षीय महिला को जहरीले करैत सांप ने काट लिया। इस घटना के कारण महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम नरकालो में यह हादसा हुआ। मुनिया बाई (62) 26 जून की रात अपनी बेटी शीतल और बच्चों के साथ जमीन पर सो रही थीं।

- पोस्टमार्टम के बाद अस्पताल प्रबंधन ने शव परिजनों को सौंप दिया।

रात करीब 3 बजे उन्हें किसी जहरीले जीव के काटने का एहसास हुआ। नींद खुलने पर उन्होंने सांप के काटने का शोर मचाया। परिजनों ने तलाश की तो महिला के कपड़ों के अंदर करैत सांप मिला। गंभीर हालत में उन्हें पहले स्थानीय संगवारी अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर रेफर कर दिया। 27 जून की शाम करीब 4 बजे इलाज के दौरान मुनिया बाई ने दम तोड़ दिया। पोस्टमार्टम के बाद अस्पताल प्रबंधन ने शव परिजनों को सौंप दिया।

परिजनों ने देखा जहरीले करैत सांप

यह घटना 26 जून की रात ग्राम नरकालो में हुई। मुनिया बाई अपने परिवार के साथ जमीन पर बिस्तर लगाकर सो रही थीं। करैत सांप महिला के पेटीकोट के अंदर घुस गया था। इसी सांप ने उन्हें डस लिया। परिजनों ने सांप को मौके पर ही देखा था। बारिश के मौसम में ग्रामीण क्षेत्रों में सर्पदंश के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसी अधिकांश घटनाएं जमीन पर सोने के दौरान होती हैं। लोगों को जमीन पर सोने से बचना चाहिए। सांपों से बचाव के लिए सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

दिल्ली में 24 घंटे लगातार पेंटिंग बनाकर जागरूकता फैलाएंगी मानन चतुर्वेदी

एजेंसी नई दिल्ली/जयपुर

राजस्थान की बेटी, प्रसिद्ध समाजसेवी, चित्रकार एवं सुरमन संस्थान की संस्थापक मनन चतुर्वेदी आज से दिल्ली के पालिका बाजार (कनॉट प्लेस) में 24 घंटे की लगातार लाइव पेंटिंग मैराथन का शुभारंभ करेंगी। इस प्रेरणादायी अभियान का शुभारंभ दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता करेंगी। यह आयोजन केवल कला का प्रदर्शन नहीं, बल्कि 127 बेसहारा और परित्यक्त बच्चों के भविष्य को संवारने का एक मानवीय अभियान है। मैराथन के दौरान तैयार होने वाली पेंटिंग्स की बिक्री से प्राप्त राशि बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, पालन-पोषण और उनके उज्ज्वल भविष्य पर खर्च की जाएगी।

127 बच्चों की 'मां' बनीं मनन

मनन चतुर्वेदी का जीवन सेवा, समर्पण और मातृत्व की मिसाल है। उन्होंने अब तक 127 से अधिक बेसहारा एवं परित्यक्त बच्चों को नया जीवन दिया है। जिन बच्चों को कभी समाज ने ठुकरा दिया था, उन्हें मनन ने न केवल आश्रय दिया बल्कि मां का स्नेह, शिक्षा और आत्मसम्मान भी दिया। आज कई बच्चे उच्च शिक्षा प्राप्त कर समाज की मुख्यधारा से जुड़ चुके हैं, जबकि अनेक बच्चों का उनके परिवारों से पुनर्मिलन भी कराया गया है। वर्ष 1998 में स्थापित सुरमन संस्थान आज उन बच्चों के लिए परिवार बन चुका है, जिनके सिर से माता-पिता का साया उठ चुका था। यहां बच्चों को भोजन, शिक्षा, चिकित्सा, संस्कार और आत्मनिर्भर बनने का प्रशिक्षण दिया जाता है। संस्थान का उद्देश्य केवल आश्रय देना नहीं, बल्कि बच्चों को सम्मानपूर्वक जीवन जीने योग्य बनाना है।

चिंतन

छात्रों पर नहीं हो बेवजह का दबाव

आज के प्रतियोगी जमाने में छात्रों पर अनावश्यक दबाव बढ़ता जा रहा है। ऐसे में ज्ञान बढ़ाने के लिए तो अतिरिक्त भाषा ठीक है, लेकिन इसे बेवजह दबाव के रूप में लिया जाना किसी भी रूप में ठीक नहीं होगा। एक तरह से देखा जाए तो त्रिभाषा को लेकर सरकार का फैसला ठीक है। इससे बच्चों पर दबाव कम होगा और छात्र अपनी मर्जी के मुताबिक तीसरी भाषा को चुन पाएंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत सीबीएसई द्वारा तीन-भाषा नीति को लेकर जारी नई गाइडलाइन ने लाखों छात्रों और अभिभावकों को बड़ी राहत दी है। बोर्ड ने स्पष्ट कर दिया है कि वर्तमान 10वीं के छात्रों के साथ-साथ अभी 7वीं, 8वीं और 9वीं में पढ़ रहे विद्यार्थियों को 10वीं बोर्ड में तीसरी भाषा की बोर्ड परीक्षा नहीं देनी होगी। हालांकि सीबीएसई ने यह भी स्पष्ट किया है कि 2026-27 में कक्षा छह में प्रवेश लेने वाले नए बैचों पर तीन-भाषा नीति पूरी तरह लागू होगी। यह निर्णय इसलिए उचित माना जा सकता है, क्योंकि इन छात्रों के पास नई व्यवस्था के अनुसार पढ़ने के लिए पर्याप्त समय होगा। साथ ही स्कूल स्तर पर तीसरी भाषा के मूल्यांकन और आवश्यक छूट का प्रावधान यह संकेत देता है कि बोर्ड चरणबद्ध तरीके से बदलाव लागू करना चाहता है। शिक्षा सुधार में यही संतुलन सबसे अधिक आवश्यक होता है। यह फैसला इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि शिक्षा सुधार का उद्देश्य छात्रों की क्षमता को बढ़ाना होना चाहिए, न कि उन पर ऐसा अतिरिक्त बोझ डालना, जिससे पढ़ाई तनाव का कारण बन जाए। आज का छात्र पहले ही कई मोर्चों पर दबाव झेल रहा है। बोर्ड परीक्षाएं, जेईई, नीट, सीयूईटी और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, कोचिंग का बढ़ता चलन और करियर की अनिश्चितता उसके मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहे हैं। ऐसे समय में यदि अचानक नई भाषा को बोर्ड परीक्षा के साथ जोड़ दिया जाता, तो यह लाखों छात्रों के लिए अतिरिक्त तनाव का कारण बन सकता है। इसलिए सीबीएसई ने संक्रमण काल के छात्रों को राहत देकर व्यावहारिक और संवेदनशील निर्णय लिया है। अब सरकार को जेन जी विशेषकर स्कूली छात्रों पर फोकस करने की जरूरत है, क्योंकि यह वर्ग हर मामले में सरकार से 100 प्रतिशत डिलीवरी की उम्मीद करता है। कम्प्यूटर युग में पैदा हुए इस वर्ग को तकनीक से भी कोई दिक्कत नहीं है और इसे अपनाने के लिए वह हमेशा से तैयार है। सरकार को भी चाहिए कि वह परीक्षाओं में तकनीक का अधिक से अधिक प्रयोग करे और परीक्षाओं की शुचिता बनाए रखे। इसमें तकनीक का अहम योगदान हो सकता है और आज का युवा इससे डरता भी नहीं है। सरकार को यह भी समझना होगा कि आज का छात्र केवल डिग्री नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, निष्पक्ष परीक्षा और स्पष्ट करियर अवसर चाहता है। यदि नई शिक्षा नीति इन तीनों अपेक्षाओं को पूरा करती है, तभी उसका वास्तविक उद्देश्य सफल माना जाएगा। शिक्षा में सुधार का अर्थ केवल पाठ्यक्रम बदलना नहीं, बल्कि छात्रों के आत्मविश्वास और सीखने की क्षमता को भी हर तरह से मजबूत करना होता है। भाषा केवल संचार का माध्यम नहीं होती, बल्कि संस्कृति और पहचान का आधार भी मानी जाती है। इसलिए भाषा नीति को किसी भी बोझ के बजाय अवसर के रूप में लागू किया जाना चाहिए। यदि सरकार और शिक्षा बोर्ड पर्याप्त संसाधनों, प्रशिक्षित शिक्षकों और स्पष्ट दिशा-निर्देशों के साथ इस नीति को आगे बढ़ाते हैं, तो यह भारतीय भाषाओं को मजबूत करने के साथ-साथ छात्रों के समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

भारत के भविष्य पर मंडराता संकट

अल नीनो
राज कुमार सिन्हा

साल के आखरी महीनों में एक अत्यधिक शक्तिशाली अल नीनो उभरने की पूरी आशंका है। वैज्ञानिकों ने भारत पर पड़ने वाले इस संभावित अल नीनो के प्रभाव को चार प्रमुख तिमाहियों में विभाजित किया है, जो देश के आर्थिक और सामाजिक ताने-बाने पर असर डालेगा। पहला जून से सितंबर 2026 में मॉनसून पर संकट और बुवाई में देरी, दूसरा अक्टूबर से दिसंबर तक खरीफ फसलों को नुकसान और बढ़ती महंगाई और तीसरा जनवरी से मार्च 2027 तक गर्म सर्दियां और रबी फसलों पर प्रतिकूल प्रभाव शामिल है। प्रशांत महासागर में विकसित होने वाली जलवायु घटना अल नीनो केवल भारत की कृषि, जल, अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य और सामाजिक स्थिरता पर गहरा प्रभाव डालने वाली वैश्विक जलवायु प्रक्रिया है।

ताजा पूर्वानुमानों के अनुसार, 2026 के आखरी महीनों में एक अत्यधिक शक्तिशाली अल नीनो उभरने की पूरी आशंका है। वैज्ञानिकों ने भारत पर पड़ने वाले इस संभावित अल नीनो के प्रभाव को चार प्रमुख तिमाहियों में विभाजित किया है, जो देश के आर्थिक और सामाजिक ताने-बाने पर असर डालेगा। पहला जून से सितंबर 2026 में मॉनसून पर संकट और बुवाई में देरी, दूसरा अक्टूबर से दिसंबर तक खरीफ फसलों को नुकसान और बढ़ती महंगाई और तीसरा जनवरी से मार्च 2027 तक गर्म सर्दियां और रबी फसलों पर प्रतिकूल प्रभाव शामिल है। प्रशांत महासागर में विकसित होने वाली जलवायु घटना अल नीनो केवल एक मौसमी बदलाव नहीं, बल्कि भारत की कृषि, जल, अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य और सामाजिक स्थिरता पर गहरा प्रभाव डालने वाली वैश्विक जलवायु प्रक्रिया है।

वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन के कारण अल नीनो की तीव्रता और अनिश्चितता दोनों बढ़ रही हैं, जिससे भारत जैसे मानसून-निर्भर देश के लिए इसके खतरे और गंभीर हो गए हैं। सामान्य परिस्थितियों में प्रशांत महासागर की व्यापारिक पवनें (ट्रेड विन्डस) गर्म जल को पश्चिम की ओर एशिया और ऑस्ट्रेलिया की तरफ धकेलती हैं। जब ये पवनें कमजोर पड़ जाती हैं, तब मध्य और पूर्वी प्रशांत महासागर का समुद्री तापमान सामान्य से अधिक गर्म हो जाता है। इसी स्थिति को अल नीनो कहा जाता है। यह घटना वैश्विक वायुमंडलीय परिसंचरण को बदल देती है और भारतीय मानसून को कमजोर कर सकती है। भारत की लगभग आधी कृषि भूमि आज भी वर्षा आधारित है। देश के जलाशय, भूजल पुनर्भरण, बिजली उत्पादन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था दक्षिण-पश्चिम मानसून पर निर्भर हैं। अल नीनो सीधे मानसून को प्रभावित करता है, इसलिए इसका प्रभाव बहुआयामी होता है। अल नीनो का सबसे बड़ा प्रभाव भारतीय मानसून पर पड़ता है।

विगत कई वर्षों के मानसून अध्ययन से पता चलता है कि भारत में बड़े सूखे अल नीनो आए हैं। मानसून कमजोर होने पर वर्षा की मात्रा घटती है और उसका वितरण भी असमान हो जाता है। देर से मानसून आगमन लंबे "ड्राई स्पेल" हैं और अचानक अत्यधिक वर्षा की घटनाएं सूखा और बाढ़ दोनों का जोखिम बढाता है, अर्थात जलवायु परिवर्तन के कारण अब "कम बारिश" के साथ "अत्यधिक बारिश" की घटनाएं भी बढ़ रही हैं। यानी मानसून कमजोर हो सकता है, लेकिन कुछ दिनों में अत्यधिक बारिश से विनाशकारी बाढ़ भी आ सकती है। पर्यावरण क्षेत्र में काम करने वाले इशांत अग्रवाल का कहना है कि आमतौर पर मानसून के इस तरह अचानक रूठ जाने या थम जाने का सारा दोष 'ग्लोबल वॉर्मिंग', अल-नीनो या समुद्र के गर्म होने के सिर मढ़ दिया जाता है। भारत के बेहतरीन वैज्ञानिकों की लगातार आ रही रिसर्च ने एक ऐसा कड़वा सच सामने रखा है, जिसके जिम्मेदार कहीं न कहीं हम खुद हैं। विज्ञान कहता है कि मानसून के इस तरह कमजोर होने की एक बहुत बड़ी वजह हमारे ठीक सामने है। बढ़ते शहरीकरण, वनों की कटाई, आर्द्रभूमियों के विनाश और एकल फसल आधारित कृषि पद्धतियों ने स्थानीय जल चक्र को कमजोर किया है। इससे भूमि की नमी घट रही है और

मानसून के पैटर्न में भी बदलाव देखने को मिल रहा है। भूमि उपयोग में परिवर्तन और वनस्पति आवरण में कमी भी मानसून की अनिश्चितता बढ़ाने वाले महत्वपूर्ण कारक बनते जा रहे हैं। भारत को अल नीनो के बढ़ते खतरे से निपटने के लिए बहुस्तरीय रणनीति अपनानी होगी। इसमें वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण, जलग्रहण क्षेत्र विकास, फसल विविधीकरण, सूखा-रोधी बीजों को बढ़ावा, रासायनिक खेती पर निर्भरता कम करना, प्राकृतिक एवं जलवायु-अनुकूल कृषि को प्रोत्साहित करना, स्थानीय जल निकायों का संरक्षण और मौसम पूर्वानुमान प्रणाली को मजबूत करना शामिल है। साथ ही शहरों में हरित क्षेत्र बढ़ाकर और हीट एक्शन प्लान लागू करके गर्मी के प्रभाव को कम किया जा सकता है। लगभग 315 जिलों में वर्षा सामान्य से कम रहने की संभावना है और इन जिलों में सिंचाई की व्यवस्था बहुत सीमित है। इनमें से अधिकांश जिले मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक, बिहार, झारखंड, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और ओडिशा के हैं। भारत सरकार ने किसानों के हित और खेती को सुरक्षित रखने के लिए जल प्रबंधन, बीज की उपलब्धता, और वैकल्पिक फसलों पर रणनीति तैयार की गई है। 315 संवेदनशील जिलों को चिन्हित कर विशेष रूप से खरीफ फसलों जैसे धान और मक्का की सुरक्षा पर जोर दिया जा रहा है। कम बारिश होने की स्थिति में किसानों को कम अवधि में तैयार होने वाली फसलों और सूखे के प्रति सहनशील बीजों की आपूर्ति की जा रही है। राज्य स्तर पर मॉनिटरिंग कमेटियां बनाई गई हैं, जो बारिश, जल स्तर और बीज-खाद की आपूर्ति पर लगातार नजर रख रही हैं।

भारत की अर्थव्यवस्था में कृषि अभी भी केंद्रीय भूमिका निभाती है। कमजोर मानसून का सबसे बड़ा असर किसानों पर पड़ता है। धान, गेहूं, दाल, गन्ना और तिलहन उत्पादन में गिरावट होती है, खरीफ फसलों की बुवाई प्रभावित और सिंचाई लागत में वृद्धि होती है। हाल के वर्षों में सरकार को चीनी निर्यात रोकने जैसे कदम उठाने पड़े क्योंकि कमजोर मानसून से गन्ना उत्पादन प्रभावित होने की आशंका बढ़ी है। जल संकट और भूजल पर दबाव कम वर्षा का सीधा असर नदियों, बांधों और भूजल स्तर पर पड़ता है। भारत में महाराष्ट्र, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, राजस्थान, बुंदेलखंड और तेलंगाना पहले से ही भूजल दोहन के गंभीर संकट से जूझ रहा है। अल नीनो इस संकट को और गहरा कर सकता है। अल नीनो वाले वर्षों में वैश्विक तापमान सामान्य से अधिक बढ़ जाता है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि भविष्य में बनने वाले अल नीनो वैश्विक तापमान को रिकॉर्ड स्तर तक पहुंचा सकता है। इस कारण लंबी और तीव्र हीटवेव, शहरी "हीट आइलैंड" प्रभाव,श्रमिकों की कार्यक्षमता में कमी, लू से मौतें होंगी और गरीब और असंगठित क्षेत्र के मजदूर सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। इससे ग्रामीणों का पलायन, आय असमानता और सामाजिक असुरक्षा बढ़ने का खतरा पैदा होता है। कम जल उपलब्धता और बढ़ती गर्मी ऊर्जा क्षेत्र को भी प्रभावित करती है। कमजोर मानसून का असर जीडीपी वृद्धि पर भी पड़ सकता है क्योंकि भारत की बड़ी आबादी कृषि आधारित है। अल नीनो समुद्री तापमान को बढ़ाकर समुद्री जैव विविधता को प्रभावित करेगा।

प्रशांत महासागर में पनप रहा अल नीनो भारत के लिए केवल मौसम संबंधी घटना नहीं, बल्कि खाद्य सुरक्षा, जल संकट, स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और सामाजिक स्थिरता से जुड़ा राष्ट्रीय खतरा है। जलवायु परिवर्तन ने इस खतरे को और जटिल बना दिया है। यदि भारत ने समय रहते जल, कृषि और ऊर्जा नीतियों में व्यापक परिवर्तन नहीं किए, तो भविष्य में अल नीनो जैसी घटनाएं करोड़ों लोगों की आजीविका और जीवन पर गंभीर प्रभाव डाल सकती हैं।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

विचार

-डॉ. अशोक कुमार जायसवाल

पंचायतीराज संस्थाओं का ई-गवर्नेंस युग

महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज की अवधारणा का साकार स्वरुप आर्थिक विकास एवं सामाजिक न्याय की स्थापना के माध्यम से समाज के अंतिम पंक्ति पर बैठे हुए व्यक्ति को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने एवं योजनाओं का लाभ अंतिम छोर तक पहुँचाने एवं समाज के अंतिम पंक्ति पर बैठे व्यक्ति के आय की वृद्धि करने से दृष्टि गोचर हुआ, जिसमें संविधान के 73 वॉ संशोधन ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। संविधान का 73वॉं संशोधन पंचायतीराज संस्थाओं को संवैधानिक मान्यता प्रदान करने के साथ-साथ 11 वीं अनूसूची में सौंपे गए 29 विषयों पर कार्य योजना तैयार करने का आधार प्रदान किया, यही संवैधानिक मान्यता पंचायतों में डिजिटल तकनीक, साक्ष्य आधारित निर्णय और तय समय सीमा में नागरिक केन्द्रित सेवाएं प्रदान करने के माध्यम से ई-गवर्नेंस युग का प्रारंभ हुआ। राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 में पंचायतीराज संस्थाओं का चयन इसका जीता जागता प्रमाण है। राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार ने पंचायतों की उपलब्धियों को राष्ट्रीय पहचान ही नहीं दी है, बल्कि यह सिद्ध किया है, कि विकसित भारत 2047 के लक्ष्यों को प्राप्त करने में पंचायतीराज संस्थाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। विकसित भारत 2047 के लक्ष्यों को प्राप्त करने में एआई-साक्ष्य आधारित डिजिटल आंकडे, डिजिटल सु-शासन की प्रतिबद्धता को परिलक्षित करता है। पंचायतीराज संस्थाओं में डिजिटल प्रौद्योगिकी आंकडों के विश्लेषण, निर्णय लेने एवं मजबूत साइबर सुरक्षा, कुशल तथा सुरक्षित और नागरिक केन्द्रित सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने के पंचायतीराज संस्थाओं की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 हेतु 07 पुरस्कार श्रेणियों में 17 परियोजनाओं में 10 स्वर्ण पुरस्कार, 06 रजत पुरस्कार और 01 जूरी पुरस्कार सम्मिलित है। पंचायतीराज से संबंधित 04 नवाचारों को राष्ट्रीय ई-गवर्नेस पुरस्कार 2026 के लिए चयनित किया गया है, जो डिजिटल सु-शासन और नागरिक केन्द्रित सेवा वितरण को बढ़ावा देने में पंचायतीराज संस्थाओं की बढ़ती भूमिका को उजागर करती हैं। विकसित भारत के लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 हेतु राष्ट्रीय स्तर पर पंचायतीराज, मंत्रालय को पंचायत उन्नति सूचकांक (पी.ए.आई) पहल पर डिजिटल प्लेटफार्म में आंकडों के विश्लेषण एवं उपयोग के माध्यम से पंचायतीराज संस्थाओं में डिजिटल परिवर्तन हेतु स्वर्ण पुरस्कार प्राप्त हुआ। पंचायत उन्नति सूचकांक देश की 2.66 लाख ग्राम पंचायतों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए मापने का एक पैमाना है। पंचायत उन्नति सूचकांक स्थानीय सतत विकास के लक्ष्यों (एल.एस.डी.जी.) के 09 थीमों से जुड़े संकेतकों पर ग्राम पंचायतों का आंकलन करता है, जिससे ग्राम स्तर पर सु-शासन और साक्ष्य आधारित की तस्वीर प्राप्त होती है, जो योजना निर्माण और क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। पंचायत उन्नति सूचकांक 2.0 सूचकांकों का नवीनतम और आधुनिक संस्करण है, जिसमें 150 संकेतकों और 230 साक्ष्य आधारित आंकडों के बिन्दुओं का उपयोग किया गया है, जिसमें पंचायतों के परफार्मेन्स की प्रतिबिंब दिखाई पड़ती है। महाराष्ट्र के सांगली जिले के कादेगांव जनपद पंचायत की कांदेपुर ग्राम पंचायत ने राष्ट्रीय ई-गवर्नेस पुरस्कार 2026 में ग्राम पंचायतों एवं स्थानीय निकायों द्वारा सेवा वितरण को जमीनी स्तर पर विस्तारित करने के नवाचार हेतु स्वर्ण पुरस्कार प्राप्त किया। कादेपुर ग्राम पंचायत ने डिजिटल सु-शासन प्रणाली विकसित कर 4300 से अधिक लाभार्थियों को 1355 से अधिक सेवाएं डिजिटल माध्यम से प्रदान की जा रही है, जिसमें प्रमुख रुप से पेपर लेस ई-ऑफिस, एआई आधारित प्रशासनिक अनुप्रयोग, ब्लॉक चेन आधारित रिकार्ड प्रबंधन, जी.आई.एस. आधारित सम्पत्तियों का जियों-टैगिंग। ग्राम पंचायत कादेपुर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ब्लॉक चेन, नैनो तकनीक, जैव प्रौद्योगिकी और रोबोटिक्स पर औपचारिक रुप से नीतियों को बनाने प्रयोग करने वाली देश की एक मात्र ग्राम पंचायत है। त्रिपुरा में पश्चिम त्रिपुरा जिले की मोहनपुर जनपद पंचायत की बीजॉनगर ग्राम पंचायत ने रजत पुरस्कार प्राप्त किया है। बीजॉनगर ग्राम पंचायत ने सहभागी सु-शासन, वित्तीय जवाबदेही और समावेषी डिजिटल तकनीक अपनाने का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत कर स्वयं के आय स्त्रोत (ओ.एस.आर.) में 194 प्रतिशत की वृद्धि कर ई-ऑफिस के माध्यम से 100 से अधिक सेवायें ऑन-लाइन, महिलाओं में 100 प्रतिशत डिजिटल साक्षरता तथा ग्राम वार्ता प्लेटफार्म प्रत्येक घर के साथ वास्तविक समय-सीमा में ध्वनि संचार को सक्षम बनाया है। महाराष्ट्र के नन्दुरबार जिला पंचायत को ई-गवर्नेस में जिला स्तर पर नवाचार हेतु स्वर्ण पुरस्कार प्राप्त हुआ है। नन्दुरबार जिला पंचायत के स्वास्थ्य विभाग ने ई-आरोग्य धमनी में ई-गवर्नेस के तहत आधुनिक डिजिटल उपकरणों का उपयोग करके नन्दुबार जिले के आदिवासियों और दुरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों को त्वरित और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की है। नन्दुरबार जिला पंचायत ने समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता करायी है, जो पंचायतीराज संस्थाओं की सामाजिक न्याय की स्थापना की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, तथा पंचायतों की पहचान ''बेस्ट प्रेक्टिस'' और ''पंचायत लर्निग सेन्टर हब'' के मॉडल के तौर पर विकसित हो रही है। महात्मा गांधी ने ग्राम स्वराज का जो स्वप्न देखा था, वह ई-गवर्नेंस के माध्यम से आकार लेकर आत्मनिर्भरता, पारदर्शिता और सामुदायिक सहभागिता के रुप में विकसित हो रही है, जो डिजिटल तकनीक से संभव हुआ है। राष्ट्रीय ई-गवर्नेस पुरस्कार 2026 में 30 राज्यों से 1.65 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों ने भाग लिया। ग्राम पंचायतों की यह भागीदारी पंचायती राज मंत्रालय की पंचायतीराज संस्थाओं में क्षमता निर्माण, मार्गदर्शन और डिजिटल शासन को बढ़ावा देने के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कांदेपुर ग्राम पंचायत और बीजॉनगर ग्राम पंचायत ने यह सिद्ध किया है, कि विकसित भारत 2047 की राह ग्राम पंचायतों के भागीदारी से ही संभव है।

-लेखक संकाय सदस्य (पंचायती राज), ठाकुर प्यारेलाल राज्य पंचायत एवं ग्रामीण विकास संस्थान निमोरा, रायपुर (छ.ग.)

एकनिष्ठ भक्ति

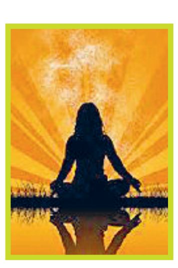

संकलित
दर्शन

अनेक महापुरुष हैं, अनेक देवी-देवता हैं, अनेक मार्ग हैं, किंतु एकनिष्ठता आवश्यक है। इसी कारण इष्ट देवता की अवधारणा है। घर की बहू सास, ससुर, जेठ, जेठानी सबका आदर सम्मान करती है, किसी की अवज्ञा या उपेक्षा नहीं करती। सबकी सेवा करती है, किंतु अपने पति को वह सबसे अधिक चाहती है। इसी तरह तुम भी अपने इष्ट देवता पर दृढ़ एकनिष्ठ भक्ति रखो, जबकि अन्य देवी-देवताओं का सम्मान करो, सबके प्रति श्रद्धा रखो। सभी देव एक ही परमेश्वर के रूप हैं। किंतु किसी एक के प्रति एकनिष्ठ रहो। चौसर के खेल में गोटी सब खानों का चक्कर लगाए बिना लक्ष्य पर नहीं पहुंचती। यदि दो गोटियां जोड़ी बांधकर इकट्ठी चलें तो उन्हें कोई काट नहीं सकता, नहीं तो अकेली गोटी लक्ष्य के पास पहुंचकर पकते-पकते भी कट जा सकती है। इसी प्रकार साधना के मार्ग पर भी यदि गुरु अथवा इष्ट के साथ युक्त होकर आगे बढ़ा जाए तो बाधा विघ्न का भय नहीं रहता, यात्रा निर्विघ्न रूप से सफल हो सकती है। एक बार किसी यात्री ने एक आदमी से कलकत्ता (अब कोलकाता) जाने का रास्ता पूछा। उस आदमी ने कहा, इस रास्ते से चले जाओ। थोड़ी दूर चलकर उसने और एक जन से रास्ता पूछा। उसने दूसरा रास्ता बताया। इस तरह वह थोड़ा सा आगे बढ़कर किसी से रास्ता पूछता तो पहले वाले का रास्ता छोड़ उस पर चल देता। ऐसा करते हुए वह रास्तों पर ही भटकता रहा, कलकत्ता नहीं पहुंच पाया। उसे किसी ऐसे व्यक्ति से रास्ता पूछना चाहिए था, जिस पर विश्वास हो कि वह सही मार्ग जानता है।

मृत्यु टाले नहीं टलती

संकलित
प्रेरणा

भगवान विष्णु गरुड़ पर बैठ कर कैलाश पर्वत पर गए। द्वार पर गरुड़ को छोड़ कर खुद शिव से मिलने अंदर चले गए। तब कैलाश की अपूर्व प्राकृतिक शोभा को देख कर गरुड़ मंत्रमुग्ध थे कि तभी उनकी नजर एक खूबसूरत छोटी सी चिड़िया पर पड़ी। चिड़यिा कुछ इतनी सुंदर थी कि गरुड़ के सारे विचार उसकी तरफ आकर्षित होने लगे। उसी समय कैलाश पर यम देव पधारे और अंदर जाने से पहले उन्होंने उस छोटे से पक्षी को आश्चर्य की दृष्टि से देखा। गरुड़ समझ गए उस चिड़िया का अंत निकट है और यमदेव कैलाश से निकलते ही उसे अपने साथ यमलोक ले जाएंगे। गरूड़ को दया आ गई। इतनी छोटी और सुंदर चिड़िया को मरता हुआ नहीं देख सकते थे। उसे अपने पंजों में दबाया और कैलाश से हजारो कोस दूर एक जंगल में एक चट्टान के ऊपर छोड़ दिया, और खुद वापिस कैलाश पर आ गए। आखिर जब यम बाहर आए तो गरुड़ ने पूछ ही लिया कि उन्होंने उस चिड़िया को इतनी आश्चर्य भरी नजर से क्यों देखा था। यम देव बोले- गरुड़ जब मैंने उस चिड़िया को देखा तो मुझे ज्ञात हुआ कि वो चिड़िया कुछ ही पल बाद यहां से हजारों कोस दूर एक नाग द्वारा खा ली जाएगी। मैं सोच रहा था कि वो इतनी जल्दी इतनी दूर कैसे जाएगी, पर अब जब वो यहां नहीं है तो निश्चित ही वो मर चुकी होगी। गरुड़ समझ गए मृत्यु टाले नहीं टलती चाहे कितनी भी चतुराई की जाए।

अंतर्मन

आज की पाती

'अग्नि-जाल' में फंसते शहरी भवन

भारत आज विश्व के सबसे तेजी से शहरीकरण करने वाले देशों में शामिल है। आर्थिक विकास, औद्योगीकरण, सेवा क्षेत्र के विस्तार और ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की ओर निरंतर हो रहे पलायन ने भारतीय शहरों का स्वरूप तेजी से बदला है। महानगरों से लेकर छोटे शहरों तक बहुमंजिला इमारतें, व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स, कोचिंग संस्थान, होटल, अस्पताल और मिश्रित-उपयोग वाले भवन विकास के नए प्रतीक बनकर उभरे हैं। किंतु इस विकास के पीछे एक गंभीर सच्चाई भी छिपी है- शहरी नियोजन की अनदेखी, सुरक्षा मानकों की उपेक्षा और प्रशासनिक शिथिलता। परिणामस्वरूप आज अनेक शहरी भवन आर्थिक प्रगति के केंद्र होने के साथ-साथ संभावित 'अग्नि-जाल' भी बनते जा रहे हैं। हाल के वर्षों में हुई अग्नि-दुर्घटनाओं ने इस संकट की भयावहता को उजागर किया है। *- रमेश यादव, दुर्ग*

करंट अफेयर

यूरोप में पड़ रही भीषण गर्मी आखिर क्या है इसकी वजह

यूरोप में चिलचिलाती धूप के कारण तापमान के सारे रिकॉर्ड टूट रहे हैं और पूरा महाद्वीप भीषण गर्मी का सामना कर रहा है। मंगलवार और बुधवार को फ्रांस में इतिहास के सबसे गर्म दिन दर्ज किये गए। देश के पश्चिमी हिस्सों में अधिकतम तापमान 39 से 43 डिग्री सेल्सियस के बीच पहुंच गया। बुधवार ब्रिटेन के इतिहास में जून का सबसे गर्म दिन रहा, जहां तापमान 36.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, स्पेन, जर्मनी, ऑस्ट्रिया, नीदरलैंड और स्विट्जरलैंड में भी कई स्थानों पर जून के तापमान के रिकॉर्ड टूट गए हैं। और यह सिलसिला अभी थमा नहीं है। इस बीच, लोगों की जान भी गई है। एक अध्ययन में, जून 2025 में दक्षिण-पूर्वी इंग्लैंड में पड़ी भीषण गर्मी का विश्लेषण किया गया। इसमें पाया गया कि यदि मानव गतिविधियों से होने वाले ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का प्रभाव न होता, तो ऐसी भीषण गर्मी लगभग 50 वर्षों में केवल एक बार आती। लेकिन मानव-जनित जलवायु परिवर्तन के कारण वैश्विक तापमान में हुई 1.3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि को ध्यान में रखते हुए पाया गया कि ऐसी भीषण गर्मी की स्थिति अब 50 वर्ष में एक बार नहीं, बल्कि कम से कम हर पांच वर्ष में एक बार देखने को मिल रही है।

ऑफ बीट

क्या युवाओं में कैंसर के लिए रसायन ज़िम्मेदार हैं?

पहले कैंसर को आमतौर पर बुज़ुर्गों की बीमारी माना जाता था लेकिन अब 50 साल से कम उम्र के लोगों में कैंसर के मामले बढ़ रहे हैं, जो चिंताजनक है।

आपके शरीर की प्रत्येक कोशिका में आपके डीएनए की एक प्रति होती है - जो उस कोशिका को ठीक से कार्य करने का निर्देश देती है। हालांकि, डीएनए में ऐसे तरीकों से म्युटेशन हो सकता है जिससे वह कोशिका अपना वह कार्य करना बंद कर देती है जो उसे करना होता है। कुछ म्युटेशन कोशिका को अनियंत्रित रूप से बढ़ने में सक्षम बनाते हैं। कुछ म्युटेशन इसे मरने से बचाते हैं। और कुछ इसे शरीर के अन्य भागों में फैलने में मदद करते हैं जहां यह नहीं होना चाहिए। डीएनए में अधिक मात्रा में म्युटेशन कैंसर को जन्म दे सकता है। जब भी शरीर में नई कोशिका बनती है, तो डीएनए की एक नई प्रति भी बनती है। कभी-कभी संयोगवश गलतियां हो जाती हैं, जिससे म्युटेशन हो सकता है। इसे आप ऐसे समझें जैसे एक फोटोकॉपी की फोटोकॉपी बनाना। इस प्रक्रिया में हर प्रति दूसरे से थोड़ी भिन्न होती है। ज्यादातर डीएनए म्युटेशन हानिरहित होते हैं। लेकिन शरीर में हर दिन अरबों कोशिकाएं बनती हैं। इसलिए जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, शरीर में डीएनए की प्रतियों की संख्या बढ़ती जाती है, जिससे गलतियां होने की संभावना भी बढ़ जाती है।

ट्रेंड

भारत की स्थिरता

अपनी संरचनात्मक कमज़ोरियों के बावजूद, भारत ने वैश्विक स्तर पर मुश्किल और चुनौतीपूर्ण समय में भी ज़बरदस्त स्थिरता दिखाई है। यह पिछले दशक में मैक्रो-इकोनॉमिक स्थिरता बनाए रखने और साथ ही नीति-निर्माण को संवेदनशील और फुर्तीला बनाने से हासिल हुआ है।
- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना

हमने जो सपना देखा था, वह आज हर धड़कन में बसता है। एक नया भारत बनाने का संकल्प हमारे दिलों में है। अटल जी के इसी संकल्प के तहत, आज हम 'प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना' के ज़रिए एक नए भारत को आकार लेते हुए देख रहे हैं।
- शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय कृषि मंत्री

तरुण चुघ को बधाई

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव, तरुण चुघ को राज्यसभा सांसद के रूप में शपथ लेने पर हार्दिक बधाई। आपका संगठनात्मक अनुभव और राष्ट्र-हित के प्रति समर्पण अब संसदीय कर्तव्यों के माध्यम से देश सेवा को नई दिशा प्रदान करेगा।
- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

विकास को प्राथमिकता

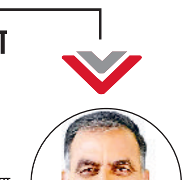

हिमाचल का कोई भी इलाका विकास से अछूता नहीं रहना चाहिए; यही हमारी प्राथमिकता है। जिन इलाकों को दुर्गम बताकर बरसों तक नज़रअंदाज़ किया गया, हमारी सरकार अब उन्हें प्राथमिकता दे रही है और उनका विकास कर रही है।
-सुखविंदर सिंह सुखु, सीएम, हिमाचल प्रदेश

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

पुणे में 3 साल की बच्ची से रेप-मर्डर का मामला

दोषी को फांसी की सजा, अदालत ने केस को 'रेयरेस्ट ऑफ रेयर' बताया

अदालत ने कहा कि यह बिना किसी उकसावे के ठंडे दिमाग की हत्या है। यह अपराध इतनी बेरहमी से अंजाम दिया गया कि यह न केवल न्यायिक विवेक को, बल्कि समाज की अंतरात्मा को भी झकझोर देता है

एजेंसी ▶▶ पुणे

महाराष्ट्र के पुणे जिले में 3 साल की बच्ची से रेप और हत्या करने के आरोपी 65 साल के दोषी भीमराव कांबले को विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई है। कोर्ट का यह फैसला वारदात के 60 दिन बाद आया है। अदालत ने इस मामले को 'रेयरेस्ट ऑफ रेयर' श्रेणी का बताते हुए कहा कि आरोपी का कृत्य बेहद क्रूर, अमानवीय और बर्बर था। आरोपी को प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंस एक्ट, 2012 (पॉक्सो एक्ट) में फांसी की सजा मिली। सोमवार सुबह 11 बजे कड़ी सुरक्षा के बीच आरोपी को अदालत में पेश किया गया था। कांबले पेशे से मजदूर हैं। वह 7 बच्चों का पिता और 11 बच्चों के दादा हैं। बच्ची के वकील ने कहा कि कांबले सुधरने योग्य नहीं है। इससे पहले वह एक 62 साल की महिला, एक 17 साल की लड़की और एक पशु के साथ भी अपराध कर चुका है

विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट ने 60 दिन में फैसला दिया

कांबले पर पहले भी एक महिला और 17 साल की किशोरी से साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप

अपराध ने समाज की अंतरात्मा को झकझोर दिया

दोषी भीमराव कांबले

जज एसआर सालुंखे ने कहा कि यह अपराध अत्यंत जघन्य तरीके से किया गया। इसमें पीड़िता के साथ अमानवीय व्यवहार और यातना शामिल थी। पीड़िता एक मासूम, असहाय बच्ची थी। यह हत्या सेक्स के लिए की गई, जो पूर्ण रूप से नैतिक पतन को बताती है। यह बिना किसी उकसावे के ठंडे दिमाग की हत्या है। यह अपराध इतनी बेरहमी से अंजाम दिया गया कि यह न केवल न्यायिक विवेक को, बल्कि समाज की अंतरात्मा को भी झकझोर देता है।

बच्ची के साथ किया अमानवीय व्यवहार

जज ने कहा कि इस उम्र में भी आरोपी की वासना की प्यास नहीं बुझी, बल्कि यह एक अत्यंत खतरनाक स्तर पर पहुंच चुकी है। पीड़िता के शरीर पर पाई गई चोटें मात्र 3 साल की बच्ची के साथ आरोपी के अमानवीय व्यवहार को उजागर करती हैं। आरोपी ने बच्ची के साथ जो करना चाहा वह निडरता से, अत्यंत हिंसक तरीके से और बिना किसी परिणाम की परवाह किए किया, क्योंकि उसे पूर्व अनुभव था कि मुकदमे में भी कुछ नहीं होगा।

बच्ची छुट्टियों में नानी के घर आई हुई थी

यह घटना 1 मई को पुणे जिले के नसरापुर गांव में हुई थी। बच्ची गर्मियों की छुट्टियों में अपनी नानी के घर आई हुई थी। दोपहर 3 से 4 बजे के बीच कांबले ने उसे खाने-पीने की चीजें और गाय का नवजात बछड़ा दिखाने का लालच देकर बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। इसके बाद वह उसे मवेशियों के तबेले के पास बने एक शेड में ले गया, जहाँ उसने उसके साथ रेप किया और फिर पत्थर से सिर कुचलकर उसकी हत्या कर दी। सीसीटीवी में आरोपी बच्ची को तबेले की ओर ले जाता हुआ नजर आया था।

क्या है 'रेयरेस्ट ऑफ रेयर' क्राइम

भारत में फांसी अपवाद है, सामान्य सजा नहीं है। फांसी सिर्फ 'रेयरेस्ट ऑफ रेयर' मामलों में होती है। क्राइम को रेयरेस्ट ऑफ रेयर मानने के लिए सुप्रीम कोर्ट देखता है कि अपराध कितना क्रूर और समाज को झकझोरने वाला है। कोर्ट ने इस केस को 'रेयरेस्ट ऑफ रेयर' इसलिए माना क्योंकि पीड़िता 3 साल की बच्ची थी। रेप के बाद पत्थर से सिर कुचलकर हत्या। शरीर पर 18 चोटों के निशान मिले।

खबर संक्षेप

दो दीक्षांत समारोह में भाग लेंगी द्रौपदी मुर्मू

अमरावती। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 30 जून और 1 जुलाई को आंध्र प्रदेश में दो विश्वविद्यालयों के दीक्षांत

समारोहों में शामिल होंगी। वे 30 जून को विशाखापत्तनम में केंद्रीय जनजातीय विवि के पहले दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होंगी। 1 जुलाई को, वे अनंतपुर के केंद्रीय विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी।

खाई में गिरी कार, 4 लोगों की मौके पर मौत

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा जिले के चायखान-बेगानिया मार्ग पर सोमवार दोपहर करीब ढाई बजे

बलिया गांव के पास मारुति आल्टो कार अचानक अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे गहरी खाई में जा गिरी। हादसे के वक्त कार में कुल 6 लोग सवार थे, जिनमें से 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 2 गंभीर रूप से घायल हो गए।

जयपुर में होटल की दीवार गिरी, 3 की मौत

जयपुर। जयपुर में होटल के निर्माणाधीन सीवरेज की दीवार अचानक गिर गई। वहां काम कर

रही 2 महिलाओं सहित 3 मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। 12 से ज्यादा मजदूर घायल हो गए। हादसा चंदवाजी थाना इलाके में जयपुर-दिल्ली हाईवे (एनएच-48) पर ताला मोड़ स्थित अरावली पैलेस होटल में सोमवार दोपहर 12:50 बजे हुआ।

क्रैश हुआ प्रशिक्षु विमान महिला पायलट घायल

कासगंज। अलीगढ़ की धनीपुर हवाई पट्टी से प्रशिक्षण उड़ान पर निकला एक प्रशिक्षु विमान सोमवार

शाम करीब चार बजे कासगंज पुलिस लाइन के पीछे तकनीकी खराबी आने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में विमान उड़ा रही 27 वर्षीय प्रशिक्षु महिला पायलट कायनात खान गंभीर रूप से घायल हो गईं।

सीएम ने व्यापारियों को हरियाणा में अधिक से अधिक निवेश करने का दिया निमंत्रण

मुख्यमंत्री सैनी ने दिल्ली के थोक व्यापारियों से किया सीधा संवाद, हरियाणा में विश्वस्तरीय मार्केट बनाने का दिया भरोसा

हरियाणा में बड़ी ड्राई फ्रूट मंडी स्थापित होगी

इलेक्ट्रॉनिक्स, मार्बल, ड्राई फ्रूट, लोहा मंडी समेत कुल 26 व्यापारिक एसोसिएशन के प्रतिनिधि रहे मौजूद

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में दिल्ली की विभिन्न मार्केट्स से जुड़े थोक व्यापारियों के साथ सीधा संवाद किया। उन्होंने कहा कि हरियाणा में विश्वस्तरीय मार्किट स्थापित की जाएगी, जिसमें बेहतर से बेहतर इन्फ्रॉस्ट्रक्चर की सुविधाएं मुहैया करवाई जाएगी। उन्होंने व्यापारियों को अधिक से अधिक संख्या में हरियाणा में निवेश करने के लिए आह्वान किया। इस दौरान इलेक्ट्रॉनिक्स, मार्बल, ड्राई फ्रूट, लोहा मंडी समेत दिल्ली की कुल 26 व्यापारिक एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री से सीधा संवाद किया और अपने सुझाव दिए।

मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि दिल्ली की मार्केट्स में भीड़भाड़ और जगह की समस्या को समझते हुए हरियाणा के दिल्ली के आसपास के इलाके में बड़ी व्यापारिक मार्किट व पूरा औद्योगिक इकोसिस्टम बनाने का फैसला लिया है ताकि व्यापारियों को खुला और सुविधायुक्त

वातावरण मिल सके। उन्होंने बताया कि अमृतसर की ड्राई फ्रूट मार्केट के व्यापारियों ने भी लगभग 280 प्लॉट लिए हैं और अब बड़ी ड्राई फ्रूट मंडी हरियाणा में स्थापित होगी। इसी तरह लुधियाना के व्यापारियों ने भी लगभग 180 प्लॉट लिए हैं। यह मार्केट विश्व स्तर की अलग पहचान वाली होगी। आने वाले 50 वर्षों को ध्यान में रखते हुए इतनी चौड़ी सड़कों और सुविधाओं के साथ इस मार्केट को विकसित किया जाएगा कि आवागमन में कोई दिक्कत न आए। यह एक ग्रीन और पॉल्यूशन मुक्त मार्केट होगी, जहां परिवार भी घूमने के लिए आ सकेंगे।

5,000 एकड़ में बनेगी नमो सिटी

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि लगभग 5,000 एकड़ क्षेत्र में एक 'नमो सिटी' विकसित करने का प्रस्ताव है, जिसमें व्यापारियों और आम लोगों के लिए अलग प्रकार की आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि हमारे व्यापारी और उद्यमी केवल व्यापार ही नहीं करते, बल्कि सेवा का काम, रोजगार सृजन और विश्वास बहाली का सबसे बड़ा काम भी करते हैं। उन्होंने कहा कि एक-एक व्यापारी कई बार सैकड़ों लोगों को रोजगार देता है – ये जॉब सीकर नहीं बल्कि जॉब क्रिएटर हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बड़े निवेशकों के लिए कस्टमाइज्ड इंसेंटिव पैकेज, रोजगार आधारित प्रोत्साहन, सिंगल विंडो क्लीयरेंस और टाइम बाउंड अप्रूवल जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं। सरकार का प्रयास है कि कोई भी निवेशक हरियाणा आए तो उसे लगे कि सरकार स्वयं उसके साथ खड़ी है।

उन्होंने कहा कि राई के नजदीक मारुति का बड़ा प्लांट तैयार हो गया है, जहां सालाना करीब 10 लाख गाड़ियां बनेंगी। साथ ही खरखौदा में आईएमटी और इलेक्ट्रिक व्हीकल जोन भी विकसित हो रहा है। इसके अतिरिक्त 600 एकड़ में एक बड़ी हॉर्टिकल्चर मंडी का निर्माण भी गति से चल रहा है, जो उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर तक की कनेक्टिविटी से जुड़ी होगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि हरियाणा सरकार उन्हें किसी प्रकार की दिक्कत नहीं आने देगी और किसी भी समस्या पर सीधे मुख्यमंत्री से मिलने के द्वार खुले हैं।

हरियाणा में अब एक मंजिल पर बना सकेंगे केवल एक ही फ्लैट, भवन निर्माण को लेकर नया नियम लागू

चंडीगढ़। गुरुग्राम, फरीदाबाद, पंचकूला, करनाल, हिसार, झज्जर, रोहतक और सोनीपत सहित विभिन्न शहरों में अब सेक्टरों और कॉलोनियों में एक मंजिल पर सिर्फ एक फ्लैट बनाया जा सकेगा। एक बिल्डिंग में अधिकतम चार मंजिल तक बनाने की अनुमति दी जाएगी, जिसमें प्रत्येक फ्लोर पर एक घर बनाने की अनुमति होगी। अभी तक एक मंजिल पर दो से तीन-तीन घर भी बनाए जाते रहे हैं, जिन पर सरकार ने रोक लगा दी है। हाल ही में विभिन्न स्थानों पर आग लगने की घटनाओं को देखते हुए भवन निर्माण से जुड़े नियमों को संशोधित करने का निर्णय लिया गया है। बहुमंजिला भवनों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हरियाणा सरकार ने बिल्डिंग कोड में बदलाव का प्रारूप जारी कर दिया है। नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग ने लोगों से 25 जुलाई तक सुझाव मांगें हैं। विभाग के निदेशक अमित खत्री द्वारा जारी ड्राफ्ट के मुताबिक एक बिल्डिंग में अधिकतम चार फ्लोर बनाए जा सकेंगे।

राज्य में साझेदारी और मजबूत करने पर हुई चर्चा

सीएम सैनी से फ्लिपकार्ट के सीईओ कल्याण कृष्णमूर्ति ने की मुलाकात

▶▶ किसानों और एमएसएमई के लिए बाजार तक पहुंच बढ़ाने, स्किलिंग व रोजगार के अवसरों पर हुआ मंथन

▶▶ फ्लिपकार्ट ने हरियाणा के साथ लंबे समय तक साझेदारी जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराई

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से नई दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में फ्लिपकार्ट ग्रुप के सीईओ कल्याण कृष्णमूर्ति और चीफ कॉर्पोरेट अफेयर्स ऑफिसर रजनीश कुमार ने मुलाकात की। इस दौरान राज्य के साथ फ्लिपकार्ट की साझेदारी को और अधिक मजबूत करने के अवसरों पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में मुख्यमंत्री सैनी ने किसानों और एमएसएमई के लिए बाजार तक पहुंच को व्यापक बनाने, कृषि वैल्यू चेन को सशक्त करने, उद्यमिता को बढ़ावा देने, स्किलिंग और रोजगार के अवसरों को बेहतर बनाने तथा समावेशी आर्थिक विकास को गति देने के लिए तकनीक के उपयोग पर विचार-विमर्श किया गया।

हॉर्टिकल्चर और फ्रेश प्रोड्यूस सोर्सिंग में सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने हॉर्टिकल्चर और फ्रेश प्रोड्यूस सोर्सिंग के क्षेत्र में सहयोग को गहरा करने की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हरियाणा के अधिक से अधिक किसान और प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन तकनीक-सक्षम सप्लाई चेन के माध्यम से व्यापक बाजारों तक अपनी पहुंच बना सकें।

फ्लिपकार्ट ने दोहराई हरियाणा के साथ साझेदारी की प्रतिबद्धता

इस अवसर पर फ्लिपकार्ट ग्रुप ने हरियाणा राज्य के प्रति अपनी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दोहराया। फ्लिपकार्ट ने कहा कि वह हरियाणा सरकार के साथ अपनी निरंतर साझेदारी के माध्यम से राज्य भर के किसानों, उद्यमियों और स्थानीय व्यवसायों के लिए नए अवसर सृजित करने हेतु प्रतिबद्ध है।

अकालतख्त ने बेअदबी-विरोधी कानून पर आपत्ति जताई

सभी सिख विधायकों को किया तलब अधिकार क्षेत्र में 'दखल' का आरोप

एजेंसी ▶▶ चंडीगढ़

अकालतख्त ने बेअदबी के खिलाफ कानून, 'जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) कानून, 2026' के कुछ प्रावधानों पर आपत्ति जताई है और इस कानून पर स्पष्टीकरण के लिए सोमवार को अमृतसर में मंत्रियों सहित सभी सिख विधायकों को तलब किया। सिखों की सर्वोच्च धार्मिक संस्था ने पंजाब सरकार पर धार्मिक मामलों और उसके अधिकार क्षेत्र में दखल देने का आरोप लगाया है। अकालतख्त का कहना है कि इस प्रावधान का दुरुपयोग ग्रंथियों, सेवादारों या गुरुद्वारा प्रबंधन समितियों

के खिलाफ किया जा सकता है। अकालतख्त के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गरगज ने पंजाब सरकार को निर्देश दिया कि वह एक महीने के भीतर बेअदबी-विरोधी कानून की आपत्तिजनक धाराओं को हटाए। यह निर्देश तब दिया गया जब राज्य के सभी सिख विधायक, जिनमें मंत्री भी शामिल थे, बुलाए जाने पर सिखों की सर्वोच्च पीठ के सामने पेश हुए।

असम में बाढ़ का भीषण कहर

अमित शाह ने सीएम हिमंता को सहायता का दिया भरोसा

एजेंसी ▶▶ गुवाहाटी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा को फोन कर राज्य के कुछ हिस्सों में आई बाढ़ की स्थिति की जानकारी ली और इससे निपटने के लिए केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहायता का भरोसा दिया। शाह ने राज्य में नदियों का जलस्तर बढ़ने से हुए नुकसान और मौजूदा हालात, राहत और बचाव कार्यों की प्रगति के बारे में भी जानकारी हासिल की। सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने बताया कि गृह मंत्री ने हमें

इस स्थिति से निपटने के लिए भारत सरकार की ओर से हरसंभव मदद और सहयोग का भरोसा दिया है। मैं गृह मंत्री अमित शाह को धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने फोन कर धेमाजी में बाढ़ की स्थिति के बारे में जानकारी ली। धेमाजी जिले के चार राजस्व सर्किलों के 69 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। यहां करीब 16,000 लोग प्रभावित हुए हैं।

भगवान जगन्नाथ की 'स्नान यात्रा' में उमड़ी भीड़

पुरी। भगवान जगन्नाथ और उनके भाई-बहनों के पारंपरिक स्नान अनुष्ठान का आयोजन सोमवार तड़के 12वीं शताब्दी के मंदिर परिसर में किया गया। इस दौरान देव स्नान पूर्णिमा के अवसर पर भगवान के दर्शन के लिए लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। स्नान यात्रा वार्षिक रथ यात्रा का पूर्व आयोजन मानी जाती है। इस अवसर पर भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ को गर्भगृह से बाहर लाया जाता है और सार्वजनिक रूप से 108 कलशों के जल से पवित्र स्नान कराया जाता है। मंदिर परिसर में बने ऊंचे मंच पर आयोजित इस अनुष्ठान का दर्शन श्रद्धालु मंदिर के सामने स्थित भव्य मार्ग से करते हैं। इस वर्ष स्नान यात्रा की शुरुआत सुबह 5:15 बजे देवताओं की पारंपरिक 'पाहंडी' यानी शोभायात्रा के साथ हुई।

सम्मेलन में 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के ग्रामीण विकास मंत्री पहली बार एक साथ, एक मंच पर जुटे

शिवराज सिंह चौहान ने ग्रामीण महिलाओं के लिए 'लखपति दीदी डैशबोर्ड' और 'SHE LEAPS' प्लेटफॉर्म लॉन्च किया

हर पात्र को आवास, कोई भी वंचित नहीं रहेगा, राजनीति से ऊपर उठकर काम करें: शिवराज

- चौहान की अध्यक्षता में राष्ट्रीय ग्रामीण विकास सम्मेलन में 'विकसित ग्राम–विकसित भारत' का साझा रोडमैप

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

नई दिल्ली के पूसा परिसर में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय ग्रामीण विकास सम्मेलन "ग्रामोदय से राष्ट्रोदय" के दूसरे दिन केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने देशभर से आए 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के ग्रामीण विकास मंत्रियों के साथ व्यापक मंथन किया। मंत्रालय के अनुसार सम्मेलन में न

केवल योजनाओं की समीक्षा हुई, बल्कि "विकसित ग्राम–विकसित भारत" के विजन को जमीन पर उतारने के लिए ठोस रणनीतियाँ भी सामने आईं। इस अवसर पर चौहान ने कहा कि गाँव केवल धूल-मिट्टी या चौपाल का नाम नहीं, गाँव भारत की शक्ति, भारत की चेतना और भारत की आत्मा हैं। उन्होंने कहा कि अगर हमें समृद्ध और विकसित भारत बनाना है तो गाँव को समृद्ध और विकसित बनाए बिना काम नहीं चलेगा, गाँव की प्रगति के बिना देश की प्रगति संभव नहीं है।

29 राज्य-केंद्र शासित प्रदेश के मंत्रियों का ऐतिहासिक जुटान : पहली बार एक मंच पर देश के 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के ग्रामीण विकास मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और नीति-निर्माता एक साथ जुटे। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा सहित राज्यों के ग्रामीण विकास मंत्रियों और अन्य वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

एक जुलाई से नई रोजगार योजना लागू : केंद्रीय मंत्री चौहान ने घोषणा की कि 1 जुलाई से "विकसित भारत- जी राम जी" योजना देशभर में लागू होगी जो मनरेगा की जगह लेगी। इसके लिए 95,682 करोड़ रूपये की अंतरिम स्वीकृति दी जा चुकी है। उन्होंने राज्यों से अपील की कि वे समय पर अपनी औपचारिकताएँ पूरी करें ताकि योजना का सुचारू क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके।

लखपति दीदी मिशन को नई गति : सम्मेलन में "लखपति दीदी डैशबोर्ड" लॉन्च किया गया और स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के लिए "SHE LEAPS" डिजिटल प्लेटफॉर्म का शुभारंभ करते हुए शिवराज सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 3 करोड़ से बढ़ाकर 6 करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा गया है जिसके लिए अगले 5 वर्षों में 10 लाख करोड़ रूपये का बैंक लिंकिंग रोडमैप तैयार किया गया है।

क्रियान्वयन में सुधार पर जोर : शिवराज सिंह ने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कई अहम बिंदु रखे- राज्यों को समय पर अपना वित्तीय हिस्सा जारी करना होगा, ग्रामीण विकास से जुड़े खाली पदों को शीघ्र भरना जरूरी, अधिकारियों के बार-बार ट्रांसफर से काम प्रभावित होता है, जिम्मेदार पदों पर अधिकारियों को कम से कम दोतीन वर्ष एक ही स्थान पर रखा जाए, योजनाओं के प्रचार-प्रसार और जनजागरूकता पर विशेष ध्यान, सोशल ऑडिट और एआई आधारित मॉनिटरिंग को मजबूत करने की जरूरत।

आवास, सड़क और कौशल योजनाओं की समीक्षा : प्रधानमंत्री आवास योजना, ग्रामीण सड़क योजना और दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि कई राज्यों ने उत्कृष्ट कार्य किया है जबकि कुछ को सुधार की जरूरत है।

बेस्ट प्रैक्टिस साझा करने और सुधार की अपील

झारखंड, बिहार, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश आदि राज्यों के सफल मॉडल जैसे मल्टीचैनल मार्केटिंग, सामुदायिक उद्यम और हाउसहोल्ड आजीविका ऋण योजनाओं का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इन बेस्ट प्रैक्टिस को सभी राज्यों के साथ साझा किया जाएगा ताकि अच्छा काम पूरे देश में दोहराया जा सके। उन्होंने खुले मन से स्वीकार किया कि कई योजनाओं और प्रक्रियाओं में अभी भी सुधार की गुंजाइश है और भरोसा दिलाया कि यदि राज्यों को किसी नियम या प्रक्रिया में व्यावहारिक दिक्कत है तो ग्रामीण विकास मंत्रालय कैबिनेट और वित्त मंत्रालय के साथ मिलकर उचित संशोधन की दिशा में काम करेगा।

चीन ने बना डाला 'एंथ्रोपिक माइथोस' जितना पावरफुल मॉडल, अमेरिका को झटका

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

एआई मॉडल की रेस में चीन लगातार सरप्राइज दे रहा है। पहले डीपसी मॉडल के साथ तहलका मचाने वाले चीन ने एक और धमाके की तैयारी कर ली है। रिसर्चर का कहना है कि चाइनीज स्टार्टअप जिनपिक एआई ने एक नया जीएलएम-5.2 मॉडल तैयार किया है, जो बग ढूंढने के मामले में एंथ्रोपिक के पावरफुल माइथोस मॉडल को टक्कर दे सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, झिंपु एआई ने इसी महीने अपने जीएलएम-5.2 मॉडल को रिलीज किया है। इसे जेड एआई भी कहा जा रहा है और सॉफ्टवेयर में खामियां ढूंढने के मामले में यह कई अमेरिकी मॉडल को टक्कर दे सकता है। हालांकि, रीजनिंग और जनरल एआई कैपेबिलिटीज को लेकर यह ओपन एआई और एंथ्रोपिक जैसी कंपनियों से पीछे है, लेकिन जानकारों का मानना है कि साइबर सिक्योरिटी के फील्ड में अब अमेरिकी और चाइनीज मॉडल में अंतर लगातार कम होता जा रहा है।

चीन लगातार एआई मॉडल की रेस में सरप्राइज दे रहा

अमेरिकी कंपनियों के लिए बजी खतरे की घंटी

जीएलएम-5.2 को लेकर हैरान कर देने वाले दावे ऐसे समय सामने आए हैं, जब दुनियाभर की कंपनियां सस्ते एआई मॉडल की तरफ देख रही हैं। माइक्रोसॉफ्ट समेत कई कंपनियां इस बात पर विचार कर रही हैं कि क्या उन्हें अपने प्लेटफॉर्म्स पर चाइनीज एआई मॉडल अवेलेबल करवाने चाहिए। अगर यह ट्रेंड जोर पकड़ता है तो कंपनियों का झुकाव चाइनीज मॉडल्स की तरफ होगा और यह अमेरिकी कंपनियों के लिए खतरे की घंटी बन सकता है।

गलत हाथों में पड़ जाए तो खतरा

जीएलएम-5.2 एक ओपन वेट मॉडल है। इसका मतलब है कि यूजर बिना किसी क्लाउड एक्सेस के इसे अपने डिवाइस पर डाउनलोड, मॉडिफाई और रन कर सकते हैं। इससे डेवलपर्स और एंटरप्राइजेज को ज्यादा फ्लेक्सिबिलिटी मिलती है, लेकिन अगर यह गलत हाथों में पड़ जाए तो इसके खतरे भी हैं।

मार्केट न्यूज

फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' दे रही मनोरंजन का एहसास वहीं, डा. ऑर्थो दे रहा हर कदम पर आराम का विश्वास

फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' व आयुर्वेदिक 'डा. ऑर्थो' की विशेष ब्रांड साझेदारी

चंडीगढ़। बॉलीवुड की बहु-प्रतिक्षित कॉमेडी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' दर्शकों का भरपूर मनोरंजन कर रही है। अहमद खान के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ 30 से अधिक कलाकारों की बहुत बड़ी स्टारकास्ट है। फिल्म के प्रमोशन के दौरान कलाकारों ने कहा कि चाहे जिंदगी में कितनी भी भागदौड़ और चुनौतियां क्यों न हों, मजबूत कदमों के साथ हर सफर आसान बनाया जा सकता है और ऐसे मजबूत कदमों के लिए, चाहिए डा. ऑर्थो एक्यूप्रेशर स्लीपर एवं शूज, जो हर पल देते हैं नई ऊर्जा, मजबूती और दर्द से पूरी आजादी। फिल्म की सफलता की कामना करते हुए एंटरप्रेन्योर और इन्वेस्टर डॉ. संजीव जुनेजा ने कहा कि 'वेलकम टू द जंगल' ऐसी फिल्म है जो दर्शकों को हंसी, मनोरंजन, सकारात्मक ऊर्जा से भर देती है। उन्होंने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोगों को तनाव से दूर रखने वाले मनोरंजन की आवश्यकता है और यह फिल्म उसी उद्देश्य को पूरा करती नजर आती है। उन्होंने फिल्म की पूरी टीम को शुभकामनाएं देते हुए इसकी सफलता की कामना की। इस अवसर पर कंपनी के प्रतिनिधि ने कहा कि डा. ऑर्थो एक्यूप्रेशर स्लीपर एवं शूज़ को पैरों की बेहतर देखभाल और आराम को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है। यह उत्पाद दैनिक जीवन में पैरों को आराम प्रदान करने के साथ-साथ सक्रिय और ऊर्जावान जीवनशैली को बढ़ावा देने में सहायक है।

खबर संक्षेप

नोवा 2 नियो और नोवा 2 प्रो की अगली बिक्री शुरू

गुरुग्राम। एआई प्लस स्मार्टफोन ने हाल ही में लॉन्च किए गए नोवा 2 नियो और नोवा 2 प्रो की अगली बिक्री का ऐलान किया है। 26 जून को फ्लिपकार्ट पर हुई पहली बिक्री में दोनों स्मार्टफोन का पूरा स्टॉक बिक गया था। इन स्मार्टफोन्स को 22 जून को आयोजित इंडियाज गॉट नोवा कार्यक्रम में पेश किया गया था। यह ब्रांड का प्रमुख लॉन्च इवेंट था, जिसकी मेजबानी जाने-माने गैजेट गुरु राजीव मखनी ने की। इस कार्यक्रम में कॉमेडियन और यूट्यूबर समय रैना तथा एआई+ स्मार्टफोन के सीईओ माधव शेठ भी मौजूद रहे।

रुपया नौ पैसे कमजोर होकर 94.54 प्रति डॉलर पर

मुंबई। रुपया सोमवार को नौ पैसे कमजोर होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.54 पर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की अनुकूल कीमतों और विदेशी निवेश प्रवाह में सुधार के कारण रुपये ने सकारात्मक शुरुआत की। अमेरिका-ईरान के बीच फिर से सैन्य संघर्ष के कारण निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई जिससे घरेलू मुद्रा पर दबाव बना।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

पहली नोटिस में खामियां सुधारने का अवसर

नोटिस में खामी का विवरण दिया जाएगा

उपभोक्ता मामलों के विभाग ने लागू की व्यवस्था

सरकार ने लागू की 'सुधार नोटिस' व्यवस्था : पहली चूक पर राहत

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

उपभोक्ता मामलों के विभाग ने विधिक मापविज्ञान अधिनियम, 2009 के तहत 'सुधार नोटिस' व्यवस्था लागू की है। इसके तहत पहली बार प्रक्रियागत नियमों का उल्लंघन करने वाले कारोबारियों को दंडात्मक कार्रवाई से पहले अपनी खामियां सुधारने का अवसर दिया जाएगा।

विभाग ने सोमवार को बयान में कहा कि यह बदलाव सरकार के 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' (कारोबार करने में सुगमता) लक्ष्य के तहत जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) अधिनियम, 2026 के माध्यम से किया गया है।

नियामकीय कमी का पता लगाना

नई व्यवस्था के तहत यदि कोई विधिक मापविज्ञान अधिकारी पहली बार किसी निर्धारित प्रक्रियागत या नियामकीय कमी का पता लगाता है, तो वह संबंधित इकाई को सुधार नोटिस जारी कर सकेगा। नोटिस में खामी का विवरण दिया जाएगा और उसे दूर करने के लिए उचित समय सीमा निर्धारित की जाएगी।

दोबारा गलती करने पर होगी कड़ी कार्रवाई

अनावश्यक मुकदमेबाजी कम करना

सरकार ने कहा कि इस सुधार का उद्देश्य स्वैच्छिक अनुपालन को बढ़ावा देना, अनावश्यक मुकदमेबाजी कम करना, अनुपालन लागत घटाना और उद्योग के लिए नियामकीय स्पष्टता बढ़ाना है। विभाग ने कहा, ''यह सुधार ईमानदार कारोबारियों को नियमों के अनुपालन में सहयोग देने और साथ ही विधिक मापविज्ञान प्रणाली की विश्वसनीयता बनाए रखने के बीच संतुलित दृष्टिकोण अपनाता है।''

समय के भीतर सुधार पर कार्रवाई नहीं होगी

यदि संबंधित इकाई तय समय के भीतर सुधार कर लेती है, तो उसके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। विभाग ने कहा कि, ''यदि सुधार नोटिस का पालन नहीं किया जाता है या नियमों का दोबारा उल्लंघन होता है, तो विधिक मापविज्ञान अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।''

अन्य मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी

विभाग ने स्पष्ट किया कि इस व्यवस्था से उपभोक्ता संरक्षण या कानून के प्रवर्तन को कमजोर नहीं किया गया है और धोखाधड़ी, छेड़छाड़, बार-बार नियमों का उल्लंघन और उपभोक्ताओं के हितों को प्रभावित करने वाले अन्य मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

अन्य इकाइयों पर लागू होगा

यह सुधार विनिर्माताओं, आयातकों, पैकिंग करने वालों, डीलर, मरम्मतकर्ताओं, व्यापारियों, सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) तथा अधिनियम के तहत विनियमित अन्य इकाइयों पर लागू होगा।

नोटिस इन उल्लंघनों पर लागू होगी

सुधार नोटिस पहली बार होने वाले उन उल्लंघनों पर लागू होगा, जो पंजीकरण संबंधी आवश्यकताओं, दस्तावेजीकरण, मॉडल अनुमोदन, बाट एवं माप उपकरणों के निर्माण, बिक्री और मरम्मत, आयात, पैक बंद वस्तुओं के लेनदेन तथा वैधानिक जानकारी और 'रिटर्न' दाखिल करने से जुड़े हैं।

उपभोक्ता के हित प्रभावित न हो

विभाग ने कहा कि इस व्यवस्था का उद्देश्य प्रवर्तन एजेंसियों को जानबूझकर और बार-बार होने वाले ऐसे उल्लंघनों पर अपने संसाधन केंद्रित करने में सक्षम बनाना है, जो उपभोक्ताओं के हितों को प्रभावित करते हैं।

केंद्रीय बैंक ने जारी किए आंकड़े

भारत का विदेशी कर्ज बढ़कर 762.8 अरब डॉलर : आरबीआई

एजेंसी ▸▸ मुंबई

देश का कुल विदेशी ऋण मार्च, 2026 के अंत तक बढ़कर 762.8 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया, जो एक वर्ष पहले की तुलना में 26.3 अरब डॉलर अधिक है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के सोमवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।

'मार्च, 2026 के अंत तक भारत का विदेशी ऋण' संबंधी आंकड़ों के अनुसार, भारतीय रुपये तथा अन्य प्रमुख मुद्राओं की तुलना में अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने के कारण 24.6 अरब डॉलर का मूल्यांकन प्रभाव दर्ज किया गया।

- आरबीआई ने जारी आंकड़ों में दी जानकारी
- एक वर्ष पहले की तुलना में 26.3 अरब डॉलर अधिक है
- अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने से मूल्यांकन प्रभाव दर्ज किया गया

विदेशी ऋण और जीडीपी का अनुपात बढ़ा है

आरबीआई ने कहा, ''यदि इस मूल्यांकन प्रभाव को शामिल न किया जाए, तो मार्च, 2025 की तुलना में मार्च, 2026 के अंत तक विदेशी ऋण में 26.3 अरब डॉलर के बजाय 51 अरब डॉलर की वृद्धि होती। केंद्रीय बैंक ने यह भी बताया कि विदेशी ऋण और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का अनुपात मार्च, 2026 के अंत में बढ़कर 20.8 प्रतिशत हो गया, जो एक साल पहले 19.8 प्रतिशत था।

दीर्घकालिक ऋण 613.5 अरब डॉलर रहा

आरबीआई के अनुसार, मार्च, 2026 के अंत में दीर्घकालिक ऋण (एक वर्ष से अधिक की मूल परिपक्वता वाला) 613.5 अरब डॉलर रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 11.6 अरब डॉलर अधिक है।

सोने में 1,300 रुपये की तेजी और चांदी 2,000 रुपये टूटी

- सोना बढ़कर हुआ 1.46 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम
- चांदी टूटकर 2,24,000 रुपये प्रति किलो ग्राम

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोमवार को कारोबारियों की ओर से कम कीमत पर लिवाली बढ़ने के कारण सोने की कीमतों में 1,300 रुपये का सुधार दर्ज हुआ और यह 1.46 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया, जिससे इसमें तीन दिन से जारी गिरावट का सिलसिला थम गया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,300 रुपये बढ़कर 1,46,600 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स सहित) हो गई, जबकि बृहस्पतिवार को यह 1,45,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। 'मुहर्रम' के कारण शुक्रवार को सर्राफा बाजार बंद थे। हालांकि, चांदी की कीमतों में लगातार चौथे सत्र में गिरावट आई और यह 2,000 रुपये टूटकर 2,24,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स सहित) रह गई। पिछले सत्र में, चांदी 2,26,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। बाजार विश्लेषकों ने सोने की कीमतों में सुधार का कारण हालिया गिरावट के बाद सस्ती कीमत पर होने वाली लिवाली को बताया, जबकि चांदी की कीमतों में विदेशी बाजारों की कमजोरी का असर जारी रहा।

जुनिपर ग्रीन एनर्जी ने स्थापित किया देश का सबसे बड़ा विंड टर्बाइन

नई दिल्ली। नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की स्वतंत्र विद्युत उत्पादक इंडिपेंडेंट पावर प्रोड्यूसर कंपनी जुनिपर ग्रीन एनर्जी लिमिटेड जुनिपर ग्रीन एनर्जी ने भारत के अब तक के सबसे बड़े विंड टर्बाइन रोटर व्यास के आधार पर के सफल कमीशनिंग की घोषणा की है। कंपनी ने एनविजन के ईएन-182 विंड टर्बाइन जनरेटर को स्थापित किया है, जिसकी क्षमता 5 मेगावाट और रोटर का व्यास 181 मीटर है। इस उपलब्धि के साथ कंपनी ने नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में अपनी विकास यात्रा का एक और अहम पड़ाव हासिल किया है। इन टर्बाइनों की स्थापना जुनिपर ग्रीन एनर्जी के पवन ऊर्जा पोर्टफोलियो के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कंपनी ने अपने बढ़ते नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो के तहत 22 जून 2026 तक राजस्थान के बाड़मेर तथा गुजरात के सुरेंद्रनगर और राजकोट जिलों में कुल 82 मेगावाट पवन ऊर्जा क्षमता का सफलतापूर्वक संचालन भी शुरू किया है।

सीमैक्स रिसोर्सेज का एसएमई आईपीओ आज खुलेगा

नई दिल्ली। वडोदरा स्थित सीमैक्स रिसोर्सेज मंगलवार को अपना एसएमई आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) पेश करेगी, जिसके लिए मूल्य दायरा 134-141 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। एक बयान के अनुसार, 19.74 करोड़ रुपये का यह सार्वजनिक निर्गम पूरी तरह से 14 लाख नए शेयरों का निर्गम है और यह दो जुलाई को बंद होगा। कंपनी ने कहा, 'प्रत्येक शेयर के लिए मूल्य दायरा 134 रुपये से 141 रुपये तय किया गया है और निर्गम का कुल आकार 19.74 करोड़ रुपये तक है।' इन शेयरों को बीएसई एसएमई मंच पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है, जिसकी संभावित तारीख सात जुलाई, 2026 है।

SEEMAX RESOURCES IPO

राशिफल

मेष — मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में संतुलित रहें। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान रहेंगे। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं। तरक्की के योग हैं।

वृष — मन थोड़ा परेशान हो सकता है। माता के स्वास्थ्य में सुधार होगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार के लिए विदेश जाना हो सकता है।

मिथुन — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। कारोबारी कार्यों में सफलता मिलेगी, परन्तु परिश्रम भी अधिक रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। सेहत का ध्यान रखें।

कर्क — वाणी में मधुरता रहेगी। किसी राजनेता से भेंट हो सकती है। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। कार्यभार में वृद्धि हो सकती है।

सिंह — आत्मविश्वास भी बहुत रहेगा। परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। मीठे खानपान में रुचि बढ़ेगी। खर्च बढ़ेंगे। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

कन्या — किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है। भाइयों से मनमुटाव की स्थिति बन सकती है।

तुला — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। कारोबार में सुधार होगा। कारोबार के विस्तार के लिए पिता से आर्थिक सहयोग मिल सकता है। शैक्षिक कार्यों में सफलता के योग हैं।

वृश्चिक — किसी मित्र से कारोबार का प्रस्ताव मिल सकता है। कारोबार से लाभ के अवसर भी मिल सकते हैं। यात्रा के सुखद परिणाम मिलेंगे।

धनु — आत्मविश्वास से लबरेज तो रहेंगे, परन्तु मन अशान्त भी हो सकता है। कारोबार की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी, परन्तु परिश्रम अधिक रहेगा।

मकर — संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं।

कुंभ — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु मन में उतार-चढ़ाव भी रहेंगे। परिवार का साथ मिलेगा। सेहत का ध्यान रखें। व्यर्थ की चिंता परेशान करेंगी।

मीन — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे, परन्तु आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। खर्च अधिक रहेगा। मित्रों से भेंट होगी।

पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से बाजार में गिरावट

एजेंसी ▸▸ मुंबई

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव फिर बढ़ने और कच्चे तेल के दाम में तेजी से सोमवार को स्थानीय शेयर बाजारों में गिरावट आई और दोनों मानक सूचकांक नुकसान में रहे। बीएसई सेंसेक्स 372 अंक टूटा, जबकि एनएसई निफ्टी 110 अंक के नुकसान में रहा।

- सेंसेक्स 372, निफ्टी 110 अंक टूटा
- कच्चे तेल के दाम में फिर तेजी

कारोबारियों के अनुसार, इसके अलावा कुछ शेयरों में मुनाफावसूली तथा आईटी, वाहन और पेट्रोलियम शेयरों में बिकवाली दबाव से बाजार नीचे आया। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 372.10 अंक टूटकर 76,728.37 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय यह 478.72 अंक तक लुढ़क कर 76,621.75 अंक पर आ गया था। निफ्टी 109.75 अंक के साथ 23,946.25 अंक पर बंद हुआ। ऑनलाइन ट्रेडिंग कंपनी एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनमुडी आर ने कहा, ''सप्ताहांत वैश्विक स्तर पर तनाव तेजी से बढ़ा। तनाव कम करने और बातचीत फिर से शुरू करने पर सहमत होने से पहले अमेरिका और ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य के पास एक-दूसरे पर हमले किए। एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी गिरावट के साथ बंद हुआ।

इन शेयरों में रही लाभ-हानि

सेंसेक्स की कंपनियों में कोटक महिंद्रा बैंक में सर्वाधिक 3.24 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति, इंटरग्लोब एविएशन, अल्ट्राटेक सीमेंट और लार्सन एंड टुब्रो में प्रमुख रूप से गिरावट रही। दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में इटर्नल, ट्रेंट, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और एनटीपीसी शामिल हैं।

ट्रेन संख्या 04688/04687 अस्थाई रूप से बनिहाल तक संचालित होगी

जम्मू। यात्रियों की जानकारी के लिए सूचित किया जाता है कि ट्रेन संख्या 04688/04687 विस्टाडोम स्पेशल को 1 जुलाई से 31 अगस्त 2026 तक या अगले आदेश तक श्री माता वैष्णोदेवी कटरा की जगह बनिहाल तक चलेगी। यह ट्रेन अब केवल बनिहाल से बडगाम के बीच चलेगी। पहले यह ट्रेन बडगाम से श्री माता वैष्णो देवी कटरा तक जाती थी, लेकिन अब अस्थायी रूप से कटरा तक नहीं जाएगी। यात्री ट्रेन का सही समय जानने के लिए रेलवे वेबसाइट, एनटीईएस ऐप देखें या 139 पर कॉल करें।

- अस्थायी रूप से कटरा तक नहीं जाएगी

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **लालमन सिंह, पुत्र गंगा राम निवासी मकान नं. 120, मंदिर वाली गली, बाबा हरिदास कॉलोनी, टिकरी कलां, दिल्ली** ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 1203/2015, भा.द.सं. की धारा 279 के तहत, थाना बेगमपुर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **लालमन सिंह** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **लालमन सिंह** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 1203/2015, भा.द.सं. की धारा 279 के तहत, थाना बेगमपुर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **लालमन सिंह** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **03.08.2026** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री विवेक बेनिवाल
अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, उत्तर-पश्चिम, कोर्ट नं. 101
प्रथम तल, रोहिणी कोर्ट्स, दिल्ली

DP/8752/RD/2026

शब्द पहेली - 6272

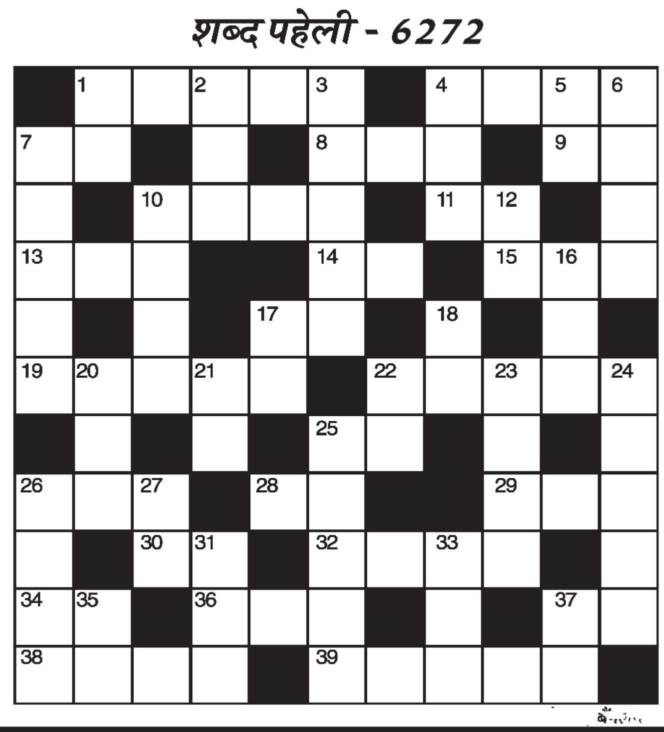

बाएं से दाएं-
1. दयालु,उदार-5
4. गगन,आकाश-4
7. सरिता-2
8. चोगा,गाऊन-3
9. छुट्टी,अवकाश-2
10. आबे हयात,काबा कूप-4
11. रिहा-2
13. खाना,भोजन करना-3
14. जिद-2
15. हिम्मत,बल-3
17. कारागार-2
19. रईसे आजम,सूरी-5
22. दुकानदार,डांटना-5
25. सराबोर-2
26. भोर,सवेरा-3
28. मूल्य,कीमत-2
29. महीन,बहुत छोटा-3
30. फूंक,दम,घुट्टा -2
32. झंकार,प्रतिध्वनि-4
34. उष्णता,ज्वर-2
36. ओट,चिलमन-3
37. छोटा टुकड़ा-2
38. सराबोर,सना हुआ-4
39. निर्माता,रचना करने वाला-5

ऊपर से नीचे
1. कैदी,बंधक-2
2. मुलायम-3
3. यात्री पोत,तैरता होटल-5
4. उर्दू में अभिवादन-3
5. पिटाई,चोट-2
6. नाजुकता-4
7. नया जीवन-5
10. मर्यादा-4
12. खाली,रिक्त-2
16. लाईन,पंक्ति-3
17. गर्मी का महीना-2
18. उदर-2
20. दीनहीन,दरिद्र-3
21. लश्कर,फौज-2
22. नष्ट,अद्वैतभाव-2
23. व्यवसाय,धंधा-4
24. नाम रखना -2,3
25. होशियार-5
26. सुर आलाप-2,2
27. अधिकार-2
31. प्रतिज्ञा-3
33. आकांक्षा,अभिलाषा-3
35. राह,मार्ग-2
37. टैक्स,हाथ-2

शब्द पहेली - 6271 का हल

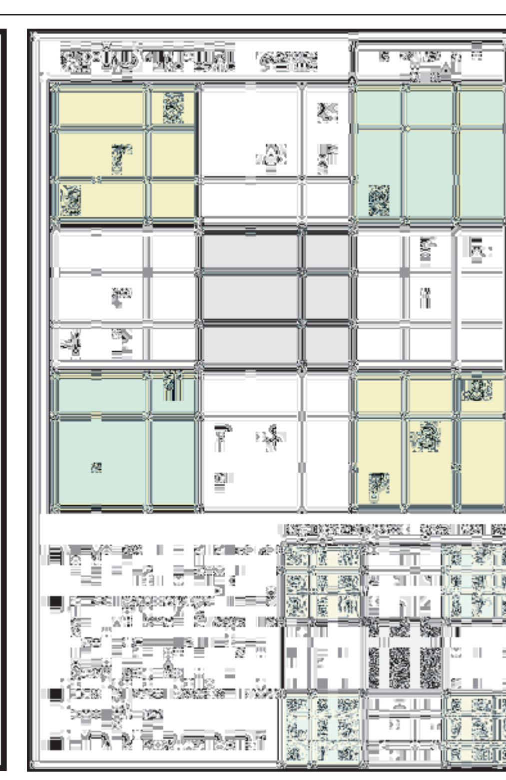

पैसों का दम नहीं आया काम, खाड़ी देशों की फुटबॉल क्रांति फ्लॉप

एजेंसी ▶▶| अटलांटा

सऊदी अरब और कतर जैसे खाड़ी देशों ने फुटबॉल और उसके बुनियादी ढांचे पर काफी पैसा लगाया था, लेकिन इसका असर विश्व कप में देखने को नहीं मिला, जहां उन्हें शर्मनाक हार के साथ बाहर होना पड़ा। इससे यह साबित हो गया कि खेल के सबसे बड़े मंच पर बड़ी रकम सफलता की गारंटी नहीं देती है।

सऊदी अरब फिर से ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ पाया। वह उस ग्रुप में सबसे निचले स्थान पर रहा, जिसमें केप वर्दे भी था, जो विश्व कप में भाग लेने वाला तीसरा सबसे छोटा देश है और पहली बार नॉकआउट राउंड में पहुंचा है।

सऊदी अरब ने रोनाल्डो और नेमार को जोड़ा

सऊदी अरब ने अपनी फुटबॉल में बदलाव लाने के लिए पिछले कुछ वर्षों में क्रिस्टियानो रोनाल्डो, नेमार और करीम बेंजेमा जैसे खिलाड़ियों को अपने क्लबों से जोड़ा था। उसने 2034 में होने वाले विश्व कप की मेजबानी भी हासिल की लेकिन अमेरिका में खेले जा रहे टूर्नामेंट में उसके प्रदर्शन को देखते हुए स्पष्ट हो गया कि उसे अब भी काफी लंबा सफर तय करना है।

खाड़ी देश अपनी छाप छोड़ने में असफल

चार साल पहले विश्व कप की मेजबानी करने वाला कतर भी महज तीन मैचों के बाद वापस लौट रहा है। यही हाल अन्य खाड़ी देशों ईरान और इराक का भी है। मौजूदा विश्व कप में, जहां अफ्रीकी महाद्वीप की 10 में से 9 टीम नॉकआउट राउंड में पहुंची वहीं खाड़ी देश अपनी छाप छोड़ने के लिए काफी संघर्ष कर रहे हैं। अफ्रीकी देशों के पास खाड़ी देशों की तरह फुटबॉल पर अंधाधुंध खर्च करने के लिए साधन नहीं हैं। केप वर्दे के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ ने सऊदी अरब की 1994 के बाद पहली बार ग्रुप चरण से आगे बढ़ने की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। उसने तीन मैच में दो ड्रॉ खेले और अपने ग्रुप में चौथे स्थान पर रहकर बाहर हो गया।

आज के मुकाबले

जर्मनी vs पराग्वे
2:00 एएम बोस्टन स्टेडियम

नीदरलैंड्स VS मोरक्को
6:30 एएम एस्टाडियो मॉन्टेरे

आइवरी कोस्ट VS नॉर्वे
10:30 पीएम लास स्टेडियम

प्रदर्शन हमारी उम्मीद के मुताबिक नहीं : सऊदी अरब के कोच डोनिस

सऊदी अरब के कोच जॉर्जोस डोनिस ने कहा, 'यह प्रदर्शन हमारी उम्मीद के मुताबिक नहीं था क्योंकि जब हम अपने लगभग समान स्तर की टीम के खिलाफ मैच में खेलते हैं, तो हमारा प्रदर्शन अच्छा नहीं होता। इसलिए यह चिंता का विषय है।' कतर के कोच जुलेन लोपेटेगुई ने कहा, 'मुझे लगता है कि इससे पता चलता है कि कम से कम हम इस तरह के मैचों में प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम हैं। हम फुटबॉल में अपने भविष्य को लेकर निश्चित रूप से आशावादी हैं।'

नॉकआउट में ईरान मामूली अंतर से चूका

ईरान 1978 से विश्व कप में खेल रहा है। अमेरिका के साथ युद्ध के कारण यात्रा और वीजा संबंधी परेशानियों के बावजूद उसने अपने तीनों मैच ड्रॉ कराए और वह नॉकआउट में जगह बनाने से मामूली अंतर से चूक गया। विश्व कप में सात बार भाग लेने के बावजूद यह टीम कभी भी ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ पाई है। इराक पर भी यही बात लागू होती है, जिसने 40 साल के अंतराल पर विश्व कप में दो बार उपस्थिति दर्ज कराई। ऐसे समय में जब 48 टीमों वाले विश्व कप में केप वर्दे और कांगो जैसे देशों के पास इतिहास रचने के अवसर हैं, खाड़ी देश अभी भी अपने पल का इंतजार कर रहे हैं।

खबर संक्षेप

पुराने रंग में लौट आएंगे चोपड़ा : अंजू बॉबी जॉर्ज

नई दिल्ली। दिग्गज एथलीट अंजू बॉबी जॉर्ज का मानना है कि भारतीय भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा जल्द ही अपने पुराने रंग में लौट आएंगे तथा इस साल होने वाले एशियाई खेलों और 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों में फिर से शानदार प्रदर्शन करेंगे। एथलीट अंजू ने कहा, 'जहां तक नीरज का सवाल है तो वह प्रतियोगिता का स्तर बढ़ने के साथ ही अच्छा प्रदर्शन करना शुरू कर देंगे। वह ओलंपिक चैंपियन और विश्व चैंपियनशिप के पदक विजेता हैं। ऐसा कारनामा आज तक किसी भारतीय ने नहीं किया है। समय आने पर उसका अनुभव काम आएगा।' अंजू ने कहा, ' वह लगभग 10 वर्षों से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय हैं। हम यह नहीं कह सकते कि वह अपनी बेहतरीन फॉर्म में नहीं हैं या अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं। उन्होंने चरम पर रहते हुए शानदार प्रदर्शन किया है। वह अब भी वह अपने चरम पर हैं। उन्होंने हमारे लिए बहुत कुछ किया है। अब उन्हें खेल का आनंद लेने दीजिए।'

एशिया जूनियर चैंपियनशिप में भारत का अभियान समाप्त

यत्सुशिरो। बैडमिंटन एशिया जूनियर मिश्रित टीम चैंपियनशिप में भारत का अभियान सोमवार को क्वार्टर फाइनल में हांगकांग से 1-2 से मिली हार के साथ समाप्त हो गया। भारत को पहले मैच में देव रुपारेलिया और तन्वी पत्री ने अच्छी शुरुआत दिलाई और पहला गेम 55-44 से जीत लिया। दूसरे गेम में हालांकि हांगकांग के कैन यि हेइ ने रुपारेलिया को 11-8 से हराया और आईपी सुम याउ ने बढ़त 22-16 की कर दी। निर्णायक गेम में रुपारेलिया ने चान को 11-9 से हराया लेकिन याउ ने अंतर 22-21 का कर दिया। चियुंग साइ शिंग और विंग चि चू के खिलाफ मैच 11-11 से बराबर रहने पर ब्योर्न जैसन और डियांका वाल्डिया ने भारत को 33-32 की बढत दिलाई। तन्वी रेड्डी और बरुनी पर्शवाल हालांकि चू और यि कियू यू से 5-11 से हार गए, जिससे भारत ने सेट 43-55 से गंवा दिया।

कनाडा ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर अंतिम 16 में किया प्रवेश

इंजरी टाइम में यूस्टाक्वियो का गोल, कनाडा की ऐतिहासिक जीत, दक्षिण अफ्रीका बाहर

एजेंसी ▶▶| इंगलवुड

स्टीफन यूस्टाक्वियो ने दूसरे हाफ के इंजरी टाइम के दूसरे मिनट में गोल किया, जिससे कनाडा ने विश्व का फुटबॉल के पहले नॉकआउट मैच में दक्षिण अफ्रीका को 1-0 से हराकर अंतिम 16 में प्रवेश किया।

सोफी स्टेडियम में 90 मिनट से अधिक समय तक निराशा और दक्षिण अफ्रीका की रक्षात्मक रणनीति का जवाब देने में नाकामी के बाद कनाडा ने एक पल में इतिहास रच दिया जब एलिस्टर जॉनसन ने यूस्टाक्वियो का पेनल्टी बॉक्स में ऊंचा पास दिया। लॉस एंजिलिस एफसी के लिए खेलने वाले मिडफील्डर यूस्टाक्वियो ने गेंद को सीने से रोका और फिर नेट के निचले कोने में जोरदार शॉट मारकर गोल कर दिया। दक्षिण अफ्रीका के गोलकीपर रॉनवेन विलियम्स के पास इसे रोकने का कोई मौका नहीं था।

यूस्टाक्वियो इसके बाद कनाडा के अन्य खिलाड़ियों के साथ जश्न मनाने के लिए दौड़ पड़े। स्टेडियम में मौजूद कनाडा के दर्शक झूमने लगे जबकि दक्षिण अफ्रीका के प्रशंसक मायूस हो गए। कनाडा ने पहली बार विश्व कप के इतिहास में नॉकआउट मैच जीता।

यूस्टाक्वियो रहे कनाडा की जीत की नायक

कनाडा की जीत की नायक निश्चित तौर पर यूस्टाक्वियो थे जिन्होंने तब गोल किया जब लग रहा था कि मैच अतिरिक्त समय तक खिंच जाएगा। दक्षिण अफ्रीका यही प्रयास कर रहा था। यूस्टाक्वियो ने कहा, 'हमने इसके लिए मेहनत की थी। यह एक विशेष टीम है। हम एक दूसरे के लिए खेलते हैं। हम बेहद खुश हैं लेकिन मैं अभी यह नहीं कहूंगा कि काम पूरा हो गया है।' कनाडा अंतिम 16 में शनिवार को ह्यूस्टन में नीदरलैंड या मोरक्को का सामना करेगा।

डेविस ने दिया बेहतरीन पास

दर्शकों में कनाडा के समर्थक अधिक थे लेकिन टीम दक्षिण अफ्रीका की मजबूत रक्षापंक्ति को नहीं भेद पाई। कनाडा को 75वें मिनट में तब मजबूती मिली जब स्टार डिफेंडर अल्फोंसो डेविस विश्व कप में अपना पहला मैच खेलने के लिए मैदान पर उतरे। वह मांसपेशियों में खिंचाव के कारण ग्रुप चरण के मैच नहीं खेल पाए थे। डेविस ने तुरंत ही दिन का सबसे बेहतरीन पास देकर प्रॉमिस डेविड को एक सुनहरा मौका दिया, लेकिन इस फॉरवर्ड ने शॉट बाहर मार दिया। इसके बाद खेल फिर से धीमा पड़ गया।

सेरेना ने डोपिंगरोधी प्रणाली पर साधा निशाना, कहा - मुझे इससे नफरत है

एजेंसी ▶▶| लंदन

सेरेना विलियम्स ने विंबलडन में वापसी से पहले टेनिस की डोपिंगरोधी प्रणाली पर निशाना साधते हुए इसे 'गैर पेशेवर' और 'अनुचित' करार देते हुए कहा कि उन्हें इससे नफरत है। सात बार की विंबलडन चैंपियन 44 वर्षीय सेरेना ने कहा, ' यह बहुत थका देने वाली प्रक्रिया है। उन्होंने अब नियम बदल दिए हैं। मुझे कुछ नियमों की जानकारी नहीं थी। अगर आप निर्धारित समय सीमा के अंदर नमूना नहीं देते हैं तो भी उसे अनुपस्थित ही माना जाएगा। मुझे लगता है, शायद मैं अपने बच्चों को लेने नहीं जा पाऊंगी।'

डोपिंगरोधी प्रणाली गैरपेशेवर

सेरेना ने कहा, 'यह गैरपेशेवर है। मुझे इससे नफरत है। यह जरूरी है, लेकिन मुझे लगता है कि अगर मैं निर्धारित समय सीमा के बाहर कहीं जाना चाहती हूं, तो मुझे बिना किसी कारण के जाने की अनुमति मिलनी चाहिए और इसे अनुपस्थित नहीं माना जाना चाहिए।' सेरेना विंबलडन की महिला एकल में अपना पहला मैच मंगलवार को माया जाइंट के खिलाफ खेलेगी। उन्होंने इस महीने क्वींस क्लब टूर्नामेंट में युगल मैच खेलकर खेल में वापसी की थी।

विंबलडन नहीं खेलेंगी राडुकानु इंजरी के कारण नाम लिया वापस

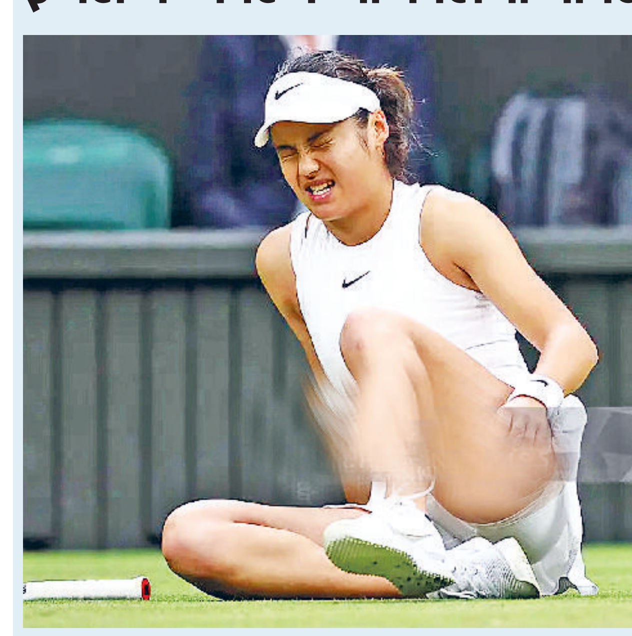

लंदन। ब्रिटिश खिलाड़ी एम्मा राडुकानु दाहिने पैर में चोट लगने के कारण विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट से हट गई हैं। अमेरिकी ओपन 2021 की चैंपियन राडुकानु ने इंस्टाग्राम पर इस फैसले की घोषणा की। वह इस महीने क्वींस क्लब टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची थी लेकिन इस दौरान चोटिल हो गई थी। उन्होंने हालांकि संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि उन्हें अब भी विंबलडन में खेलने की उम्मीद है। राडुकानु ने लिखा, 'मैंने अपनी तरफ से हर संभव प्रयास किया लेकिन अंतिम स्कैन के बाद पता चला कि चोट गंभीर है और चिकित्सकों ने मुझे नहीं खेलने की सलाह दी। विंबलडन में घरेलू दर्शकों के सामने खेलना मेरे लिए बहुत मायने रखता है, इसलिए यह वास्तव में निराशाजनक है।'

अजयदीप बने एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप में टीम इंडिया के कोच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| शाहबाद

हॉकी नगरी के रूप में पहचान रखने वाला शाहाबाद अब रेसलिंग में भी अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। शाहाबाद के युवा कोच अजयदीप को भारतीय रेसलिंग टीम के साथ थाईलैंड के पटाया में आयोजित एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप-2026 में टीम इंडिया का कोच के रूप में प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला है। यह प्रतियोगिता 27 जून से 5 जुलाई तक आयोजित की जा रही है। शाहाबाद के लिए यह गर्व का क्षण है कि यहां के बेटे अजयदीप अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय खिलाड़ियों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। वर्तमान में अजयदीप दिल्ली स्थित साई स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया में कोच के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने एम.पी.एड. की शिक्षा प्राप्त की है तथा एनआईएस पटियाला से कोचिंग की विशेष ट्रेनिंग हासिल की है। अजयदीप के पिता निर्मल सिंह चंडीगढ़ पुलिस में सब-इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत हैं।

अजयदीप ने बताया कि खिलाड़ियों को इस चैंपियनशिप के लिए तैयार करने में उन्होंने और पूरी टीम ने कड़ी मेहनत की है। उन्हें विश्वास है कि भारतीय पहलवान शानदार प्रदर्शन करते हुए देश के लिए स्वर्ण पदक जीतकर लौटेंगे। शाहाबाद के खेल प्रेमियों और क्षेत्रवासियों ने अजयदीप की इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए जीत की शुभकामनाये दी है। सांसद नवीन जिंदल, चैयरमेन सुभाष कलसाना, डा आरएस घुम्मन, अधिवक्ता मनदीप रावा, पार्षद ईशू सचदेवा, संजीव सैनी ने कोच अजयदीप और उनकी टीम को शुभकामनाये दी है और निश्चित ही इस टीम के खिलाडी गोल्ड मेडल जीत कर लौटेंगे।

रोच ने लिया 300वां टेस्ट विकेट

वेस्टइंडीज ने पहले टेस्ट में दी श्रीलंका को शिकस्त

एजेंसी ▶▶| बनॉर्थ साउंड

अनुभवी तेज गेंदबाज केमार रोच ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने करियर का 300वां टेस्ट विकेट लिया, जिससे वेस्टइंडीज ने श्रीलंका को दूसरी पारी में 101 रन पर ढेर करके पहला टेस्ट मैच पारी और 217 रन से जीता। रोच ने 51 रन देकर 4 विकेट लिए। उन्हें उनके साथी तेज गेंदबाजों जेडन सील्स (14 रन देकर 3 विकेट), शमर जोसेफ (19 रन देकर दो विकेट) और अल्जारी जोसेफ (11 रन देकर एक विकेट) का भी अच्छा साथ मिला।

इससे वेस्टइंडीज ने चौथे दिन लंच के बाद श्रीलंका की पारी को केवल 31 ओवर में समेटकर दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। यह वेस्टइंडीज की

टेस्ट क्रिकेट में छठी सबसे बड़ी जीत है। श्रीलंका के केवल दो बल्लेबाज ही दोहरे अंक में पहुंचे। इनमें दिनेश चांदीमल ने 43 रन बनाए जबकि सोनल दिनुशा 12 रन बनाकर नाबाद रहे।

अमेरिकी ओपन: फाइनल में यांग सु से एक घंटे चले मैच में हारे किदांबी

श्रीकांत ने दी कड़ी टक्कर, फिर भी ट्रॉफी से चूके

एजेंसी ▶▶| फुलर्टन

भारत के किदांबी श्रीकांत को अपने से 9 साल छोटे चीनी ताइपे के सु ली यांग के सामने कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद अमेरिकी ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के फाइनल में तीन गेम तक चले मैच में हार का सामना करना पड़ा।

विश्व रैंकिंग में 38वें नंबर के खिलाड़ी श्रीकांत ने पहला गेम गंवाने के बाद अच्छी वापसी की लेकिन वह विश्व में 46वें नंबर के खिलाड़ी सु की गति का मुकाबला नहीं कर पाए और आखिर में एक घंटे से अधिक समय तक चले मैच में 15-21, 21-16, 9-21 से हार गए।

गेम में बेहतर खेल सकता था : श्रीकांत

मैच के बाद श्रीकांत ने कहा, 'शायद मैं शुरुआती गेम में थोड़ा बेहतर खेल सकता था। वैसे, मुझे लगता है कि मैं ठीक-ठाक खेला। तीसरे गेम के दूसरे हिस्से में अचानक ही शॉट्स बहुत अच्छे लगने लगे। ' उन्होंने कहा, 'मुझे बस ऐसा लगा कि मैं जो कुछ भी कर रहा हूं, वह काम कर रहा है। मुझे बस कड़ी मेहनत जारी रखनी है। मुझे लगता है कि मैं सही रास्ते पर हूं। बात बस उन अहम अंक को जीतने की है।'

दूसरे गेम में श्रीकांत ने जीते तीन प्वाइंट

दूसरे गेम में श्रीकांत ने लगातार तीन प्वाइंट जीतकर 7-4 की बढ़त बना ली, लेकिन सु ने जल्द ही 8-8 से बराबरी कर ली। भारतीय खिलाड़ी ने एक शानदार बैकहैंड क्रॉस-कोर्ट नेट शॉट से 10-8 की बढ़त बनाई। श्रीकांत ने इसके बाद भी अपनी बढ़त बरकरार रखते हुए उसे 18-13 कर दिया और फिर सात गेम प्वाइंट हासिल किए। सु ने तीन गेम प्वाइंट बचाए, लेकिन श्रीकांत ने एक जोरदार स्मैश से मुकाबला बराबरी पर ला दिया।

चीनी ताइपे के खिलाड़ी ने खेला आक्रामक खेल

निर्णायक गेम में सु ने आक्रामक शुरुआत करते हुए 4-1 की बढ़त हासिल कर ली। श्रीकांत ने इस बीच गलतियां की जबकि चीनी ताइपे के खिलाड़ी ने अपना आक्रामक खेल जारी रखते हुए बढ़त को 15-7 तक पहुंचा दिया। श्रीकांत के एक और वाइड रिटर्न के बाद सु ने 12 मैच प्वाइंट हासिल किए। भारतीय खिलाड़ी ने एक प्वाइंट बचाया, लेकिन वह अपना संघर्ष जारी नहीं रख पाए और सु ने अपने करियर का पहला बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब जीता।

ओलंपिक गेम्स में छाएगा क्रिकेट, 6-6 टीमें लेंगी हिस्सा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम को लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 के लिए सीधे क्वालीफाई करना है तो वर्ष 2026 के आखिर में आईसीसी टी20 रैंकिंग में एशिया में शीर्ष पर रहना होगा जबकि महिला वर्ग में इंग्लैंड में चल रहे विश्व कप की शीर्ष चार टीमें स्वतः क्वालीफाई करेंगी।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने क्वालीफिकेशन मानदंडों की घोषणा की। क्रिकेट ओलंपिक में 100 साल बाद लौट रहा है और पुरुष तथा महिला वर्गों में छह-छह टीमें भाग लेंगी। विभिन्न महाद्वीपों से चार कोटा स्थान रैंकिंग से तय होंगे।

महाद्वीपों के आधार पर टीम रैंकिंग

आईसीसी ने कहा ,' आईसीसी पुरुष टी20 टीम रैंकिंग में महाद्वीपों के आधार पर सबसे ऊंची रैंकिंग वाली राष्ट्रीय ओलंपिक समिति को ये चार कोटा स्थान आवंटित किए जाएंगे।' कट आफ की तारीख 31 दिसंबर 2026 रखी गई है। महिला वर्ग में चार कोटा स्थान टी20 विश्व कप सेमीफाइनल खेलने वाली चार टीमों को दिए जाएंगे। इस मानदंड के तहत आस्ट्रेलिया (ओशियाना), दक्षिण अफ्रीका (अफ्रीका) और इंग्लैंड (यूरोप) सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ ये कोटा हासिल कर चुके हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ के लिए डेलीगेशन ऑफ फाइनेंशियल पावर्स-2026 (डीएफपी-2026) जारी किया है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, नई व्यवस्था से रणनीतिक रक्षा परियोजनाओं में तेजी आएगी, स्वदेशी रक्षा तकनीकों को बढ़ावा मिलेगा और सशस्त्र बलों में नई प्रणालियों की तैनाती तेज होगी।

डीआरडीओ को वित्तीय शक्तियां सौंपने की व्यवस्था (डीएफपी-2026) जारी

रक्षा मंत्री ने जारी किया डीएफपी-2026 दस्तावेज बोले-मजबूत होगा आत्मनिर्भर भारत का विजन

रक्षा क्षेत्र में बड़ा गेमचेंजर! राजनाथ सिंह के फैसले से डीआरडीओ को मिलेगी नई रफ्तार

रणनीतिक परियोजनाओं में आएगी तेजी, उद्योग और शिक्षा जगत के साथ बढ़ेगा सहयोग

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) को वित्तीय शक्तियां प्रदान करने वाला एक नया संशोधित ढांचा डीएफपी-26 जारी किया है। जिसे संगठन की वित्तीय शक्तियों का प्रत्यायोजन नाम दिया गया है।

रक्षा मंत्रालय इसे रणनीतिक अनुसंधान और विकास परियोजना को समयबद्ध रूप से पूरा करने, दक्षता और जवाबदेही को बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण सुधार के रूप में परिभाषित कर रहा है। जबकि रक्षा मंत्री का कहना है कि यह दस्तावेज अनुसंधान-विकास इकोसिस्टम से विकसित होने वाली प्रणालियों, प्लेटफार्म, प्रौद्योगिकियों के शीघ्र उत्पादन के साथ ही उन्हें तेजी से सशस्त्र बलों में शामिल किए जाने में सहायक सिद्ध होगा।

मजबूत होगा आत्मनिर्भर भारत का विजन

राजनाथ सिंह ने कहा कि डीएफपी-26 की मदद से आत्मनिर्भर भारत के विजन को और अधिक मजबूती मिलेगी। साथ ही यह देश की रक्षा तैयारियों को भी सुदृढ़ बनाएगा। यह महत्वपूर्ण सैन्य प्रणालियों की जल्द आपूर्ति सुनिश्चित करेगा, उद्योग तथा शिक्षा जगत के साथ भी इस संशोधित ढांचे की मदद से सहयोग को मजबूती मिलेगी।

आत्मनिर्भर रक्षा तकनीक और राष्ट्रीय सुरक्षा को मिलेगा बल

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, संशोधित डीएफपी-2026 ढांचा देश की रक्षा तकनीकों में आत्मनिर्भरता बढ़ाने के साथ-साथ राष्ट्रीय सुरक्षा तैयारियों को भी मजबूत करेगा। सरकार का मानना है कि यह सुधार भविष्य की रक्षा आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए डीआरडीओ की कार्यक्षमता बढ़ाएगा और देश की सामरिक क्षमता को नई मजबूती प्रदान करेगा।

नए फ्रेमवर्क की खासियत

डीएफपी-2026 में कई महत्वपूर्ण प्रावधान शामिल किए गए हैं, जैसे- ट्रायल, टेस्टिंग और ईवैल्यूएशन के लिए अलग वित्तीय प्रावधान. प्री-प्रोजेक्ट आर एंड डी गतिविधियों को मंजूरी देने का अधिकार। एक्स्ट्रा-म्यूरल रिसर्च प्रोजेक्ट्स, डिफेंस इनोवेशन एक्सीलरेटर-सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, और टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट फंड (टीडीएफ) प्रोजेक्ट्स के लिए सहायता अनुदान से जुड़ी वित्तीय शक्तियों का स्पष्ट विभाजन किया गया है।

ऐसे होंगे फायदे

- *रक्षा मंत्रालय के अनुसार, नया फ्रेमवर्क डिफेंस रिसर्च प्रोजेक्ट्स की मंजूरी प्रक्रिया को तेज करेगा*
- *नए रक्षा सिस्टम, प्लेटफॉर्म और तकनीकों का उत्पादन और सेनाओं में शामिल करने की प्रक्रिया में तेजी लाएगा*
- *इंडस्ट्री, स्टार्टअप और शैक्षणिक संस्थानों के साथ सहयोग को मजबूत करेगा*
- *आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत स्वदेशी रक्षा तकनीकों के विकास को बढ़ावा देगा*
- *देश की रक्षा तैयारियों को और मजबूत बनाएगा*

हमले रोकने पर बनी सहमति, कतर में वार्ता आज

वॉशिंगटन। पिछले 3 दिनों से जारी भीषण संघर्ष के बाद अमेरिका और ईरान फिलहाल एक-दूसरे पर सैन्य हमले रोकने को तैयार हो गए हैं। दोनों देश 17 जून के समझौता

प्रस्तावों पर बातचीत आगे बढ़ाएंगे, जिसके लिए आज यानी मंगलवार को कतर में तकनीकी स्तर की बैठक होगी। हाल ही में अमेरिका ने ईरान के मिसाइल ठिकानों पर हमला किया था, जिसके जवाब में ईरान ने कुवैत और बहरीन में अमेरिकी बेस तबाह कर दिए थे। अब दोनों पक्ष होर्मुज स्ट्रेट से व्यावसायिक जहाजों की सुरक्षित आवाजाही पर सहमत हैं।

चीन ने बनाया दुनिया का सबसे ऊंचा डैम

बीजिंग। चीन ने दुनिया के सबसे ऊंचे डैम के हाइड्रोपावर स्टेशन के

पहले यूनिट को बिजली ग्रिड से जोड़ दिया है। यह स्टेशन चीन के सिचुआन प्रांत में बना है। शुआंगजियांगकोउ हाइड्रोपावर स्टेशन 315 मीटर ऊंचा है। इसकी कुल क्षमता 20 लाख किलोवॉट है। इससे हर साल औसतन 7.7 अरब यूनिट बिजली बनेगी। यह प्रोजेक्ट बिजली बनाने के साथ यांग्त्जे नदी के ऊपरी हिस्से में बाढ़ का खतरा कम करने में भी मदद करेगा। शुआंगजियांगकोउ हाइड्रोपावर स्टेशन का डैम 315 मीटर ऊंचा है। इसे बनाने में 4.6 करोड़ क्यूबिक मीटर से ज्यादा समान का इस्तेमाल हुआ है। यह मात्रा इतनी ज्यादा है।

पीएम मोदी ने पूरा किया सेशेल्स दौरा

विक्टोरिया। पीएम नरेंद्र मोदी तीन दिवसीय सेशेल्स दौरा संपन्न कर नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं। दौरे के

आखिरी दिन उन्होंने विक्टोरिया में प्रवासी भारतीयों से मुलाकात की, गणेश मंदिर में पूजा की और गांधी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। भारत और सेशेल्स के बीच 19 बड़े समझौतों पर मुहर लगी। इनमें सेशेल्स में यूपीआई डिजिटल पेमेंट की शुरुआत, 1,250 करोड़ की लाइन ऑफ क्रेडिट सहित साइबर सुरक्षा, एआई, अंतरिक्ष और समुद्री सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल हैं।

वेनेजुएला के उप-स्वास्थ्य मंत्री ने किया अस्पताल का दौरा, उपचार

सेना की मेडिकल टीम ने वेनेजुएला में स्थापित किया फील्ड अस्पताल, इलाज शुरू

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

दक्षिण-अमेरिकी देश वेनेजुएला में बीते दिनों आए विनाशकारी भूकंप के तुरंत बाद उसे हर प्रकार से जरूरी सहायता प्रदान करने के लिए शुरू किए गए नई दिल्ली के 'अमिस्ताद अभियान' के तहत भारतीय थलसेना ने वहां पर अपना एक पूरी तरह से सक्रिय फील्ड अस्पताल स्थापित कर दिया है। जो मरीजों को जरूरी उपचार सुविधा प्रदान कर रहा है। वर्तमान में अस्पताल की कुल क्षमता 20 बेड की है। जिसे मांग के बढ़ने पर 50 तक किया जा सकता है। सेना ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी है। यहां बता दें कि पिछले सप्ताह शुक्रवार को भारत से वायुसेना के दो सी-17 मालवाहक विमानों के जरिए वेनेजुएला को इस भीषण प्राकृतिक आपदा के दौरान मदद पहुंचाने के लिए कुल 35 टन राहत सामग्री की खेप भेजी गई थी। विमानों के जरिए सेना के 60 पैरा फील्ड अस्पताल के 41 चिकित्सा कर्मियों की टीम भी दक्षिण अमेरिकी देश भेजी गई है।

तीन दर्जन प्लस मरीजों का हुआ इलाज

सेना ने कहा कि अस्पताल ने अपना काम करना शुरू कर दिया है। अब तक कुल करीब 42 मरीजों ने अस्पताल का दौरा किया और सभी को जरूरी उपचार प्रदान किया गया। अब तक किसी भी व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती करने की नौबत नहीं आई है। एक छत के नीचे स्थापित किए गए इस फील्ड अस्पताल में कर्मियों और उपकरणों की कोई कमी नहीं है। साथ ही मरीजों के उपचार के लिए विशेषज्ञ सुविधाएं भी मौजूद हैं। जिसमें समर्पित मेडिकल अधिकारी, सर्जन, बेहोश करने वाले विशेषज्ञ, डेंटल और ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञ मुख्य हैं। अस्पताल में तत्काल एक्सरे और प्रयोगशाला संबंधी जांच की सुविधा भी मौजूद है। भारत से गई सेना की मेडिकल टीम पेशेवर रूप से पूरी तरह से तैयार है। जिसमें वह सबसे ज्यादा आवश्यकता पड़ने पर मरीजों का जीवन बचाने के लिए जरूरी उपचार दे सकती है।

वेनेजुएला के मंत्री ने किया दौरा

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अपनी एक्स पोस्ट में बताया कि वेनेजुएला के उप-स्वास्थ्य मंत्री और वेनेजुएला के कैपिटल जिले के प्रमुख ने भी फील्ड अस्पताल का दौरा किया और वहां पर सेना द्वारा स्थापित की गई तमाम उपचार सुविधाओं का व्यापक रूप से जायजा लिया है। उन्होंने मीडिया से बातचीत में अपने अनुभव साझा किए।

कश्मीरी पंडितों के न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

सरला भट्ट हत्याकांड: 35 साल बाद यासीन मलिक समेत पांच आतंकियों पर चार्जशीट, तिहाड़ से चलेगा मुकदमा

एजेंसी ▶▶ श्रीनगर

कश्मीर में आतंकवाद के शुरुआती दौर के सबसे जघन्य अपराधों में शामिल कश्मीरी हिंदू नर्स सरला भट्ट के अपहरण और हत्या मामले में 35 वर्ष बाद बड़ी जांच कार्रवाई हुई है। जम्मू-कश्मीर पुलिस की स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एसआईए) ने अपनी जांच में जेकेएलएफ के पांच आतंकवादियों की संलिप्तता पाई है और संगठन के पूर्व कमांडर मोहम्मद यासीन मलिक तथा उनके सहयोगी खुर्शीद अहमद चाल्कू के खिलाफ 737 पृष्ठों का आरोपपत्र दाखिल किया है।

एसआईए के अनुसार, मामले में पांच आतंकवादियों- यासीन मलिक, अब्दुल हमीद शेख, गुलाम मोहम्मद टपलू, मोहम्मद यूसुफ उर्फ इदरीस और खुर्शीद अहमद चाल्कू की भूमिका सामने आई है। इनमें अब्दुल हमीद शेख, गुलाम मोहम्मद टपलू और मोहम्मद यूसुफ की पिछले वर्षों में मृत्यु हो चुकी है। एजेंसी का कहना है कि खुर्शीद चाल्कू करीब दो दशक पहले पाकिस्तान भाग गया था। यासीन मलिक और चाल्कू के विरुद्ध उद्घोषणा (प्रोक्लेमेशन) की कार्रवाई भी शुरू की जा रही है। यासीन मलिक फिलहाल दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद हैं। उन्हें आतंकवाद के वित्तपोषण और आतंकी गतिविधियों से जुड़े मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई जा चुकी है। इसके अलावा वे

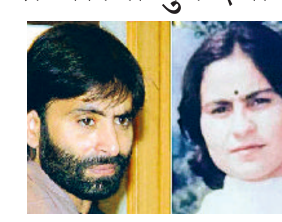

रुबैया सईद अपहरण कांड और 1990 में भारतीय वायुसेना के चार कर्मियों की हत्या से जुड़े मामलों में भी मुकदमे का सामना कर रहे हैं। एसकेआईएमएस, सौरा में कार्यरत नर्स सरला भट्ट का अपहरण कर उनकी हत्या कर दी गई थी। 19 अप्रैल 1990 को श्रीनगर के मल्लाबाग क्षेत्र से उनका गोलियों से छलनी शव बरामद हुआ था। और इसे कश्मीरी पंडितों के पलायन के दौर की प्रतीक घटनाओं में भी माना जाता है। सरला भट्ट हत्याकांड में चार्जशीट दाखिल होना 1989-90 के आतंकवाद के दौरान कश्मीरी पंडितों के खिलाफ हुई हत्याओं और अत्याचारों से जुड़े मामलों में न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

तीन दशक से अधिक समय से विस्थापित समुदाय इन मामलों की निष्पक्ष जांच और दोषियों को सजा दिलाने की मांग करता रहा है। वर्ष 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने 1990 के दशक में कश्मीरी पंडितों की हत्याओं की दोबारा जांच की मांग वाली याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी थी कि घटना के लगभग 27 वर्ष बाद साक्ष्य जुटाना कठिन होगा।

संदिग्ध हमलावर गिरफ्तार

जर्मनी के स्टाडे शहर में ताबड़तोड़ गोलीबारी, 5 लोगों की हुई मौत

एजेंसी ▶▶ बर्लिन

जर्मनी के उत्तरी शहर स्टाडे में सोमवार को हुई एक भीषण गोलीबारी की घटना में पांच वयस्कों की मौत हो गई। यह वारदात हैम्बर्ग के पश्चिम में स्थित करीब 50 हजार की आबादी वाले स्टाडे शहर में हुई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य संदिग्ध हमलावर समेत दो लोगों को हिरासत में लिया है। हालांकि, दूसरे व्यक्ति की इस घटना में क्या भूमिका थी, यह अभी पूरी तरह साफ नहीं हो पाया है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अब इस मामले में कोई भी अन्य संदिग्ध फरार नहीं है। घटना के तुरंत बाद ल्यूनेबर्ग पुलिस मुख्यालय ने सुरक्षा के लिहाज से स्थानीय लोगों से घटनास्थल से दूर रहने की अपील की ताकि

आपातकालीन सेवाएं सुचारू रूप से काम कर सकें। शुरुआती स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि गोलीबारी शहर के केंद्र में स्थित एक यूथ सेंटर के पास हुई, लेकिन पुलिस प्रवक्ता ने इन खबरों का खंडन करते हुए।

घटना की सटीक लोकेशन बताने से इनकार कर दिया। अधिकारियों ने अभी तक मृतकों की पहचान या इस खूनी वारदात के पीछे की वजह का खुलासा नहीं किया है और मामले की गहन जांच जारी है। गौरतलब है कि हाल के दिनों में यूरोप में गन वॉयलेंस की घटनाएं बढ़ी हैं।

खतरनाक साजिश रचने का खुलासा

इजराइल पर मिसाइलों की बारिश करने की तैयारी में हैं हूती विद्रोही

एजेंसी ▶▶ यरुशलम

ईरान सीजफायर के बाद मध्य पूर्व में भले ही ऊपरी तौर पर शांति नजर आ रही हो, लेकिन पर्दे के पीछे यमन के हूती विद्रोही एक बड़े हमले की खतरनाक साजिश रच रहे हैं। पश्चिमी खुफिया एजेंसियों के हवाले से बड़ा खुलासा हुआ है कि हूती विद्रोही इस सीजफायर के शांत समय का इस्तेमाल अपनी मिसाइलों की ताकत, रेंज और मारक क्षमता को बढ़ाने के लिए कर रहे हैं, ताकि इजराइल को अधिक से अधिक नुकसान पहुंचाया जा सके। इजराइली अखबार यरुशलम पोस्ट के मुताबिक, ईरान से सैन्य तकनीक हासिल करने वाले हूतियों ने हाल ही में कई गुप्त मिसाइल टेस्ट किए हैं। हालांकि गाजा सीजफायर के

बाद से हूतियों ने इजराइल पर हमले काफी कम कर दिए हैं और 28 मार्च के बाद से केवल 6 मिसाइलें और 5 ड्रोन दागे हैं, लेकिन यह शांति किसी बड़े तूफान से पहले की आहट मानी जा रही है।

हूती कमांडर अब्दुल मलिक अल हूती ने इजराइल को सीधी चेतावनी देते हुए कहा है कि वे हमास के लड़ाकों के साथ लगातार संपर्क में हैं और अगर गाजा में दोबारा सैन्य अभियान शुरू हुआ, तो वे अपनी जिम्मेदारी से पीछे नहीं हटेंगे और इजराइल पर भीषण हमला करेंगे।

रेल पटरी पिघली, सड़क का डामर बहने लगा

यूरोप में गर्मी का तांडव: टूट रहे रिकॉर्ड, 7 दिनों में 1300 से ज्यादा मौतें, जूतों में चिपका डामर

एसी और पंखों का टोटा जहां मिले वहां मची लूट

एजेंसी ▶▶ पेरिस

यूरोप इस समय भीषण हीटवेव (लू) की चपेट में है। हालात इतने बदतर हैं कि सड़कें पिघल रही हैं और रेल की पटरियां उखड़ रही हैं। पिछले महज 7 दिनों में इस जानलेवा गर्मी ने 1300 से अधिक लोगों की जान ले ली है। लोग राहत पाने के लिए नदियों और तालाबों का सहारा ले रहे हैं, जिसके कारण अकेले फ्रांस में डूबने से 55 लोगों की मौत हो चुकी है। फ्रांस में साल 1947 के बाद पहली बार यहां पारा रिकॉर्ड 44.3 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। पेरिस में एक एथलेटिक्स ट्रैक पर युवक की और कार में फंसने से एक मासूम बच्चे की मौत हो गई।

जर्मनी, ब्रिटेन और डेनमार्क भी बेहाल

जर्मनी के कोचेम में तापमान 41.7 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। वहां के जंगलों में भयंकर आग लगी है, जिससे दूसरे विश्वयुद्ध के पुराने गोला-बारूद फटने का खतरा पैदा हो गया है। बिना एसी वाली ट्रेनों को बंद कर दिया गया है। उधर ब्रिटेन में पारा 36.1 डिग्री सेल्सियस और डेनमार्क में 36.6डिग्री सेल्सियस छू गया है, जो सदियों पुराना रिकॉर्ड है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109